ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY

भाजपा एक बार फिर जीत के लिए तैयार: नलिनकुमार कटील @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 05 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-95

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बौखलाया अमेरिका, इमरान पर चुप क्यों!

पैसे के लिए देश पर झाड़ू लगा रहे थे सीआईए के पिट्ठू

सीआईए, मैगसेसे, फोर्ड फाउंडेशन और जॉर्ज सोरोस का कुचक्र

वॉशिंगटन, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका को बहुत दुख हुआ था। अमेरिका ने फौरन बयान भी जारी कर दिया था। अमेरिका के दौगले रवैये को एक पत्रकार ने उजागर कर दिया। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर से पत्रकार ने पूछा कि भारत में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका इतना मुखर क्यों है? और पाकिस्तान में इमरान खान की गिरफ्तारी पर अमेरिका ने चुप्पी क्यों साध रखी है? पत्रकार के इस सवाल पर अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ऐसे फंसे कि उन्हें कोई जवाब नहीं सूझा और बेवकूफाना बयान दिया कि वे इस सवाल से सहमत नहीं हैं। मिलर ने कहा कि हम चाहते हैं कि पाकिस्तान में सभी लोगों के साथ कानून और मानवाधिकारों के मुताबिक बराबरी का व्यवहार किया जाए। जवाब से साफ था कि अमेरिकी विदेश विभाग असली जवाब से कन्नी काटने की कोशिश कर रहा था। उल्लेखनीय है कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने पर अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र ने बयान जारी किया। भारत के अंदरूनी मामले में दखलंदाजी पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी आपत्ति जताई थी।

इमरान खान की गिरफ्तारी पर अमेरिका चुप क्यों रहा और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर क्यों छटपटाया, इसकी गहरी वजहें हैं। आम आदमी पार्टी और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर खालिस्तान समर्थक होने के आरोप लगते रहे हैं। इसका ताजा सबूत हाल ही में देखने को मिला जब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा आंख का ऑपरेशन कराने के बहाने ब्रिटेन पहुंचे और वहां पहुंचते ही उन्होंने खालिस्तान समर्थक ब्रिटिश सांसद प्रीत गिल से मुलाकात की। यह किसी से छुपा नहीं है कि भारत में खालिस्तान आंदोलन को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए हवा देती रही है। अमेरिका जिस तरह से खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू का बचाव करती है उससे भी साफ है कि आतंकी पन्नू सीआईए का ऐसेट (एजेंट) है। बड़ा सामान्य सा सवाल है कि क्या भारत में भी अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के ऐसेट हैं? अरविंद केजरीवाल जब एक सरकारी कर्मचारी थे उसी समय से अपने एनजीओ के लिए फोर्ड फाउंडेशन से फंडिंग लेते रहे। फोर्ड फाउंडेशन को सीआईए फंडिंग करती है। ऐसे में स्वाभाविक सवाल खड़ा होता है कि क्या सीआईए, फोर्ड फाउंडेशन और केजरीवाल के बीच कोई कनेक्शन है? केजरीवाल के आवास से जो संदिग्ध दस्तावेज बरामद हुए, वह इस ओर इशारा करते हैं कि भारत के खिलाफ बड़ी अंतरराष्ट्रीय साजिश रची जा रही है।अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के डिक्लासिफाइड दस्तावेज के अनुसार, फोर्ड फाउंडेशन की परियोजनाओं के वित्तपोषण में सीआईए उनका भागीदार था। परियोजनाएं राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक युद्ध में शामिल हैं। जनवरी 2000 में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने एक एनजीओ संपूर्ण परिवर्तन उर्फ परिवर्तन शुरू किया। इसकी शुरुआत ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की मदद से की गई थी लेकिन ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल को फंडिंग कौन कर रहा था? फंडिंग कर रहा था फोर्ड फाउंडेशन और डीप स्टेट एजेंट जार्ज सोरोस। वर्ष 2002 में फोर्ड फाउंडेशन ने केजरीवाल के वित्त पोषित एनजीओ संपूर्ण परिवर्तन उर्फ परिवर्तन को सीधे फंड देना शुरू कर दिया। यह ध्यान रखें कि केजरीवाल उस समय भी एक सरकारी कर्मचारी थे। वर्ष 2004 में अरविंद केजरीवाल अशोका फेलो बने। अशोका में फेलोशिप का वित्तपोषण कौन करता है? उस सवाल का जवाब है अशोका की फंडिंग भी फोर्ड फाउंडेशन ही करता है। अरविंद केजरीवाल को 2006 में इमरजेंट लीडरशिप की श्रेणी में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार के लिए भी फंडिंग फोर्ड फाउंडेशन ही करता है।

इस देश की विचित्र विडंबना है कि वर्ष 2004 में पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल लक्ष्मीनारायण रामदास को भी रेमन मैग्सेसे पुरस्कार मिला।

भारत नेपाल सीमा पर एटीएस की बड़ी कार्रवाई

हिजबुल के तीन कुख्यात आतंकी गिरफ्तार

लखनऊ, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले हिजबुल मुजाहिदीन के तीन आतंकियों को एंटी टेररिस्ट स्काड (एटीएस) ने सोनौली बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया। इनमें से दो पाकिस्तान के रहने वाले हैं और एक कश्मीर का निवासी है।

यूपी एटीएस को सुराग मिला था कि कुछ पाकिस्तानी नागरिक आईएसआई के सहयोग से नेपाल सीमा से भारत में प्रवेश करने वाले हैं। एटीएस की फील्ड इकाई गोरखपुर ने सर्विलांस की मदद से रावलपिंडी के मोहम्मद अल्ताफ भट, इस्लामाबाद के सैय्यद गजनफर और जम्मू कश्मीर के नासिर अली को गिरफ्तार कर लिया। ये सभी भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की योजना के तहत आए थे। इन्हें बाकायदा आईएसआई के ट्रेनिंग कैंप में ट्रेनिंग देकर भारत भेजा गया था।आतंकी मोहम्मद अल्ताफ भट ने पूछताछ में बताया कि उसका जन्म कश्मीर में हुआ था लेकिन करगिल युद्ध के बाद वह हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकी के साथ जेहाद की ट्रेनिंग के लिए पाकिस्तान के रावलपिंडी चला गया था। अल्ताफ हमेशा से चाहता था कि कश्मीर, पाकिस्तान का हिस्सा बने। इसी उद्देश्य से अल्ताफ ने आईएसआई के निर्देशन में हिजबुल मुजाहिदीन के मुजफ्फराबाद कैंप में जेहादी प्रशिक्षण लिया। उसने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, कश्मीर स्थित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के साथ मिलकर भारत में आतंक फैलाने के उद्देश्य से भारतीय लोगों को अपने नेटवर्क से जोड़ रहा है।

योजना के तहत नेपाल से भारत में घुस कर कश्मीर जा रहे थे

तब नौकरी के नाम पर गरीबों की जमीनें लिखवा लेते थे

अब बिहार में सड़कें बन रही हैं, विकास हो रहा है: मोदी

पटना, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। आज बिहार के 85 लाख से ज्यादा किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। जमुई में ही किसानों को इस योजना के तहत 850 करोड़ रुपए से अधिक उनके बैंक खाते में पहुंचे हैं। यह घमंडिया गठबंधन की सरकार होती तो क्या आपके खाते में सीधे पैसे भेजने की योजना बनती क्या? यह लोग आपके पैसे लूट लेते और आपसे हस्ताक्षर करवा लेते कि पैसा मिल गया है। एक-दूसरे को जेल में बंद करने की मांग करने वाले आपको डरा रहे हैं कि मोदी आया! भ्रष्टाचारी कान खोलकर सुन लें, यह मोदी नहीं आया। 140 करोड़ देशवासियों का गुस्सा निकल कर आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन शब्दों के साथ राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव को सीधा जवाब दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उस जमाने में गरीबों को नौकरी देने के नाम पर जमीन लिखवा ली जाती थी। नीतीश जी भी रेल मंत्री थे, उनपर तो कभी ऐसा दाग नहीं लगा। जिनकी पहचान अपहरण उद्योग की रही, वह सड़क नहीं बनने देते थे। वह बिहार को लालटेन युग में रखना चाहते हैं, जबकि हम नीतीश कुमार के साथ मिल कर बिहार में सड़क और हाइवे बना रहे हैं।

भ्रष्टाचारियों सुन लो, अब देशवासी गुस्से में है

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में जंगलराज से लेकर राम मंदिर तक की बात की। उन्होंने कहा कि जंगलराज में बेटियां बाहर नहीं निकल पाती थीं। उठा ली जाती थीं। कुछ भी अच्छा नहीं होने दिया जाता था। अपहरण ही उद्योग था। प्रधानमंत्री ने अयोध्या के राम मंदिर की चर्चा करते हुए कहा कि राजद-कांग्रेस ने राम मंदिर को बनने से रोकने में पूरी ताकत लगा दी थी। आज भी यह लोग राम मंदिर का उपहास करते हैं। इन्होंने हर मौके पर बिहार और बिहार के गौरव का अपमान किया है। यही लोग कर्पूरी ठाकुर का अपमान करते थे। हमारी सरकार ने बिहार के गौरव कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया तो इन लोगों ने विरोध किया। इन्हीं लोगों ने रामनाथ कोविंद जी को राष्ट्रपति बनाने का विरोध किया। आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मु जी को राष्ट्रपति बनाने का विरोध किया था।

सपा के परिवारवाद से यूपी का हो चुका है मोहभंग

बरेली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि चाचा-भतीजा परिवार से यूपी का मोहभंग हो चुका है। लोकतंत्र की भलाई के लिए परिवारवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी है। उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि प्रचार के दौरान पार्टी की संस्कृति और संस्कार भी मतदाताओं तक पहुंचाएं।बुधवार को तीसरे चरण के चुनाव वाली लोकसभा सीटों के बूथ अध्यक्षों के साथ वर्चुअल संवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बरेली के बूथ-207 के अध्यक्ष राकेश कुमार से संगठन और सरकार के कामकाज की जानकारी ली।

एससीओ सम्मेलन में अजित डोभाल ने विश्व का किया आह्वान

आतंकवाद के संरक्षकों और प्रायोजकों को कुचलना जरूरी

कजाखस्तान, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल किस प्रखरता के साथ अपनी बात रखते हैं और किस तरह तथ्यों के साथ उसे स्पष्ट बताते हैं, उसका एक नमूना कजाकिस्तान के अस्ताना शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सुरक्षा सम्मेलन में देखने में आया। वहां आतंकवाद के संदर्भ में डोभाल ने चीन और पाकिस्तान को खरी खरी सुनाई और कठघरे में खड़ा किया। उनका कहना था कि जो भी आतंकवाद के संरक्षक, हमदर्द और प्रायोजक हैं, उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की जरूरत है।

अस्ताना में शीर्ष सम्मेलन में आज के वातावरण को देखते हुए आतंकवाद का विषय बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल इस सम्मेलन में विशेष रूप से भाग ले रहे हैं। उन्होंने इस सम्मेलन में सीमा पार आतंकवादी हरकतों में लगे जेहादियों और उनके साथ खड़े साजिश रचने वालों को आड़े हाथों लेते हुए विश्व समुदाय से इनके विरुद्ध एकजुट होकर कार्रवाई करने का आह्वान किया।

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने स्पष्ट कहा कि आतंकवाद के खतरे को जड़ मिटाने के लिए दोहरे मापदंडों को त्यागने की जरूरत है। सुरक्षा के मुद्दे पर आयोजित इस सम्मेलन में उनका ऐसा कहना स्पष्टत: आतंकवाद के प्रायोजक पाकिस्तान और उसके समर्थक चीन की तरफ था। इस मौके पर डोभाल ने यह भी कहा कि एससीओ सदस्य देश एक दूसरे की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता का हर तरह से सम्मान करें तो उचित होगा।

जेहादियों और षडयंत्रकारियों के खिलाफ एकजुट कार्रवाई होनी चाहिए

सैन्य सम्मेलन में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

लद्दाख में चीन के सामने डटकर खड़े हैं सैनिक

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय सेना के कमांडरों के सम्मेलन 2 अप्रैल को दिल्ली में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और चीन के बीच तनाव को कैसे कम किया जाए, इसको लेकर बात की। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच सैन्य टकराव का शांतिपूर्ण समाधान केवल सैनिकों की वापसी और तनाव में कमी से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक पूरी मजबूती के साथ सीमा की रक्षा के लिए खड़े हैं। दूसरा पक्ष प्रॉक्सी युद्ध लड़ रहा है। इसके साथ ही रक्षा मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने की सेना की रणनीति सीएपीएफ, पुलिस बलों और सेना के बीच तालमेल की तारीफ की। इस मौके पर सम्मेलन में संगठनात्मक पुनर्गठन, लॉजिस्टिक्स, प्रशासन, मानव संसाधन प्रबंधन, स्वदेशीकरण के माध्यम से आधुनिकीकरण, विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को शामिल करने और विभिन्न मौजूदा वैश्विक स्थितियों के प्रभाव के आकलन से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित करके चर्चा की गई।

इंडिया-आउट प्रदर्शन पर बांग्लादेशी पीएम का करारा जवाब

अपनी पत्नियों की भारतीय साड़ियां जलाओ तो जानें

बांग्लादेश की हालत भी मालदीव जैसी न हो जाए

ढाका, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। उनकी पत्नियों के पास कितनी भारतीय साड़ियां हैं? अगर वो लोग अपने दफ्तर के बाहर अपनी पत्नियों की साड़ियां जलाएंगे तभी ये बात सिद्ध होगी कि वे लोग भारतीय सामानों का बहिष्कार कर रहे हैं। ये शब्द हैं बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद के, जिन्होंने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के द्वारा चलाए जा रहे इंडिया-आउट अभियान पर यह कटाक्ष किया।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी इस्लामिक कट्टरपंथियों के समर्थन वाली पार्टी है। देश में आम चुनावों के वक्त से बीएनपी लगातार इंडिया-आउट कैंपेन चला रही है।

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,227.63
+350.81 +0.47% ↑
एनएसई :22,514.65
80.00 (0.36%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 38°
न्यूनतम : 26°

बांग्लादेश में हिंदुओं और बौद्धों पर हो रहा भीषण धार्मिक अत्याचार

अपराधियों की मौत पर रोने वाले हिंदू उत्पीड़न पर चुप

बांग्लादेश में हिंदुओं और बौद्धों पर भीषण जुल्म हो रहा है। लेकिन अपराधी अतीक और मुख्तार अंसारी की मौत पर आंसू बहाने वाले नेता बांग्लादेश में हो रहे धार्मिक अत्याचार पर आपराधिक मौन साधे बैठे हैं। बांग्लादेश में सिर्फ हिंदू नागरिक ही नहीं, बल्कि उनकी सम्पत्ति और मंदिर भी भीषण खतरे में हैं। स्थिति यह है कि इस्लामी आतंक के कारण बांग्लादेश से हर साल 2,30,000 हिंदू पलायन कर रहे हैं। कट्टरपंथी मुसलमान हिंदुओं की सम्पत्ति के साथ हिंदू मंदिरों पर भी कब्जा कर रहे हैं। चटगांव जिले के सीताकुंड स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ चंद्रनाथ मंदिर के बाद कट्टरपंथी अब दिनाजपुर जिले के कांतानगर में स्थित कांताजी मंदिर पर कब्जा करने का मामला सामने आया है। कांताजी मंदिर राधा-माधव संप्रदाय का मुख्य मंदिर है, जो दुनियाभर में हिंदुओं के बीच प्रसिद्ध है। जेहादी तत्व मंदिर की जमीन कब्जा कर उस पर तिमंजिला मस्जिद बना रहे हैं। हिंदुओं के विरोध के बाद जब यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठा, तो खाना-पूर्ति करते हुए प्रशासन ने 24 मार्च को मंदिर की भूमि पर सभी प्रकार के निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी। लेकिन अतिक्रमण हटाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। हिंदू मंदिरों पर इस्लामी खतरे को देखते हुए अल्पसंख्यकों का प्रमुख संगठन बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्या परिषद सहित तमाम हिंदू संगठन सरकार से चंद्रनाथ मंदिर और कांताजी मंदिर को तीर्थस्थल घोषित करने की मांग कर रहे हैं।

हिंदू सम्पत्ति और मंदिरों पर हो रहा है अंधाधुंध कब्जा

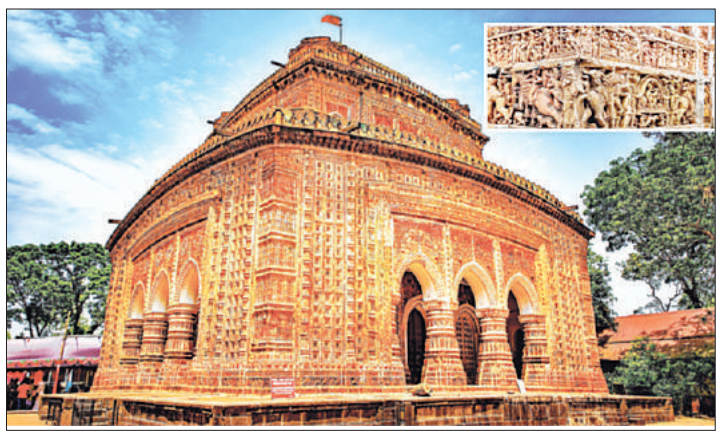

शुभ-लाभ चिंता

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 72,120/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 82,235/- (प्रति किलोग्राम)

अपने घरेलू मैदान पर सीएम सिद्धरामैया ने भाजपा के खिलाफ खेला वोक्कालिगा कार्ड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपने गृह क्षेत्र मैसूरु और चामराजनगर लोकसभा सीटों पर मतदाताओं को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, क्योंकि इन सीटों पर स्पष्ट जीत हासिल करना कांग्रेस नेता के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई है।

सिद्धरामैया कांग्रेस उम्मीदवार एम. लक्ष्मण के प्रचार के लिए पिछले चार दिनों से मैसूरु में डेरा डाले हुए हैं और उन्होंने भाजपा को पटखनी देने के लिए वोक्कालिगा कार्ड खेलने का भी सहारा लिया है। इस बीच, मैसूरु-कोडागु सीट से भाजपा उम्मीदवार और मैसूरु शाही परिवार के मुखिया यदुवीर वाडियार ने बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया और मैसूरु में एक विशाल रोड शो किया। इस दौरान राज्य भाजपा प्रमुख बी.वाई. विजयेंद्र, और पूर्व सीएम और राज्य जद-एस प्रमुख एच.डी. कुमारस्वामी भी उनके साथ थे। यह क्षेत्र जद-एस का मजबूत आधार होने के कारण सिद्धरामैया अधिक दबाव में दिख रहे हैं। सिद्धरामैया ने दावा किया कि बीजेपी ने वोक्कालिगा नेता, दो बार के बीजेपी सांसद प्रताप सिम्हा को टिकट देने से इनकार कर दिया और उन्हें राजनीतिक रूप से नजरअंदाज कर दिया। सिद्धरामैया के करीबी पशुपालन मंत्री के. वेंकटेश ने यहां तक कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री और जद-एस नेता एच.डी. देवेगौड़ा ने यह सुनिश्चित किया था कि प्रताप सिम्हा को टिकट न मिले। हालांकि, मैसूरु-कोडागु से मौजूदा भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा ने बुधवार को इन दावों का खंडन करते हुए कहा कि देवेगौड़ा कभी किसी नेता को कुचलते नहीं हैं। सिम्हा ने कहा कि पूर्व पीएम देवेगौड़ा ने उनके टिकट को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी नेता अमित शाह से बात की थी। उन्होंने कहा मंत्री वेंकटेश को यह भी याद रखना चाहिए कि देवेगौड़ा ने ही उन्हें राजनीतिक रूप से आगे बढ़ने में मदद की। हाल ही में मैसूरु में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए, सिद्धरामैया ने यह भी कहा कि अगर कांग्रेस उम्मीदवार महत्वपूर्ण अंतर से नहीं जीतते हैं, तो वह (सीएम) मुसीबत में पड़ जाएंगे। उन्होंने भीड़ से यह भी पूछा कि क्या वे उन्हें सत्ता में देखना चाहते हैं या नहीं। हालांकि, बाद में सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया कि ये बयान मतदाताओं से प्रभावी अपील करने के लिए दिए गए थे और इसके बारे में कुछ भी अनुमान नहीं लगाया जाना चाहिए। सिद्धरामैया द्वारा खेले जा रहे जाति कार्ड के बारे में पूछे जाने पर भाजपा उम्मीदवार वाडियार ने कहा कि मैसूरु-कोडागु सीट के मतदाता पहले से ही भाजपा और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा हमें भारतीय के रूप में अपना वोट डालना है। राष्ट्र प्रथम है जिसके आधार पर चुनाव लड़ा जाता है। भारत देश महत्वपूर्ण है। वहीं बागी बीजेपी एमएलसी एच. विश्वनाथ ने वाडियार को अपने समर्थन की घोषणा की, जिसके बाद राज्य बीजेपी अध्यक्ष विजयेंद्र ने वाडियार के साथ उनके आवास पर मुलाकात की और समर्थन मांगा। विश्वनाथ हाल तक बीजेपी और राज्य नेतृत्व पर हमला करते रहे थे और सीएम सिद्धरामैया की तारीफ करते रहे थे।

छात्रों को तेजस्वी सूर्या की रैली में अनिवार्य रूप से शामिल होने के संदेश से विवाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के कम से कम दो कॉलेजों में छात्रों को उनकेनामांकन पत्र दाखिल करने से पहले गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बेंगलूरुदक्षिण के उम्मीदवार तेजस्वी सूर्या की रैली में अनिवार्य रूप से शामिल होने के लिएभेजे गए संदेशों पर विवाद छिड़ गया है। वीवी पुरम, बसवनगुडी मेंजैन कॉलेज के छात्र वाट्सऐप समूहों पर प्रसारित एक संदेश छात्रों कीउपस्थिति का आश्वासन भी देता है। विद्यार्थी परिषद के सभी सदस्यों को तेजस्वीसूर्या की रैली के लिए सुबह 9 बजे मैयास होटल जयनगर के पास इकट्ठा होनेको कहा गया था। आपको टी-शर्ट मिलने वाली है इसलिए देर नकरें।

सभी को रिपोर्टिंग समय पर वहां उपस्थित रहना होगा और किसी भीबहाने पर विचार नहीं किया जाएगा। इसके लिए आपको अटेंडेंस मिलतीरहेगी। अटेंडेंस के जिक्र से छात्रों में असमंजस की स्थिति है,क्योंकि उन्हें कॉलेज की ओर से ऐसा कोई निर्देश नहीं मिला है। हालांकि,जैन कॉलेज के प्रिंसिपल नवीन कुमार सीएम ने बताया कि कॉलेज ने छात्रों कोतेजस्वी की रैली में भाग लेने के लिए नहीं कहा था। उन्होंने कहा हम (उपस्थितिके दावों की) जांच कर रहे हैं और जिसने भी इसकी शुरुआत की उसके खिलाफ सख्तकार्रवाई करेंगे। जैन कॉलेज के कुछ छात्रों ने कहा कि उन्होंनेएक बार बेंगलूरु दक्षिण के मौजूदा सांसद को एक कार्यक्रम के लिए आमंत्रित कियाथा और कुछ छात्रों को लगा कि अब अपना समर्थन दिखाने की उनकी बारीहै।इसबीच बेंगलूरु दक्षिण सीट से तेजस्वी की प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस की पूर्व विधायक सौम्यारेड्डी ने चुनाव आयोग से इस मुद्दे पर कार्रवाई करने की मांग की है।सूत्रों ने बताया कि छात्र वाट्सऐप ग्रुप हैं जो तेजस्वी के लिए समर्थन मांगरहे हैं और लोगों से उनकी रैली में शामिल होने का आग्रह कर रहे हैं, लेकिन यहस्वैच्छिक है। सौम्या रेड्डी के लिए भी इसी तरह के समूह मौजूद हैं।राजनीतिकसलाहकार और पॉलिटिकल शक्ति के सह-संस्थापक तारा कृष्णास्वामी का कहना हैकि छात्रों को राजनीतिक गतिविधियों में स्वेच्छा से और स्वतंत्र रूप से भागलेने का अधिकार है। हालाँकि, उन्होंने ऐसी स्वैच्छिक भागीदारी और एकशैक्षणिक संस्थान की भागीदारी के बीच अंतर बताया। अगर कॉलेज छात्रों कोउनकी पसंद की राजनीति में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, तो यह अभी भी उनअधिकारों के भीतर है जिनकी संविधान गारंटी देता है। लेकिन अगरछात्रों को किसी विशेष राजनीतिक रैली में भाग लेने के लिए मजबूर किया जारहा है या प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो यह शक्ति का दुरुपयोग हो जाता हैक्योंकि कॉलेज प्रबंधन अंकों और उपस्थिति या पाठ्यक्रम में असफल होने के मामले में छात्रों पर अधिकार रखता है।

गुरुभगवंतों से जन्म कल्याणक पर पधारने की विनती

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महेंद्र बाग्रेचा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव निमित्त बेंगलूरु में विचरण कर रहे गुरुभगवंतों से आशीर्वाद प्राप्त करने एवं जन्म कल्याणक महोत्सव निमित्त सानिध्य प्रदान करने हेतू विनती की।

श्री महावीर स्वामी जैन मंदिर चामराजपेट में विराजित मुनिराज राजपद सागर जी, श्री सिमंधर स्वामी जैन मंदिर वीवी पुरम में विराजित साध्वी लब्धिवर्धनाश्री जी, श्री विमलनाथ जैन मन्दिर बसवनगुड़ी में विराजित श्री मलयप्रभ सागर जी, साध्वी स्वर्ण प्रियेजना जी के दर्शन कर उनके श्रीचरणों में संगठन की ओर से अध्यक्ष जैन महेंद्र बागरेचा ने जन्म कल्याण महोत्सव हेतु अपना सानिध्य प्रदान करने की वन्दना अर्चना की। गुरुभगवंतों ने द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव के आगरो के साथ जन्म कल्याणक में पधारने की स्वीकृति प्रदान की। इस मौके पर उपध्यक्ष महावीर मुनोत, सचिव मदन मुनोत, पूर्व उपध्यक्ष दिलीप संचेती, सुश्रुत चेलावत, साधु साध्वी समिति चेयरमैन राकेश बोहरा, सह चेयरमैन अर्चित पारेख, सदस्य नरेश परमार, दीपक दक और कमलेश कोटाडिया उपस्थित रहे।

अमित शाह से मिलने में असमर्थ

बागी ईश्वरप्पा ने भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने की खाई कसम

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

यह दावा करते हुए कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीयराजधानी में उनसे मिलने से इनकार कर दिया, बागी भाजपा नेता और कर्नाटक केपूर्व उपमुख्यमंत्री के.एस. ईश्वरप्पा ने बुधवार रात कहा कि उन्होंने आगामी लोकसभाचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़ने के अपने फैसले को वापस लेनेका फैसला नहीं किया है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए ईश्वरप्पा ने कहा मैंगृह मंत्री से नहीं मिल सका। साथ ही, मैंने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनावलड़ने के अपने फैसले को वापस लेने का फैसला नहीं किया है। गृह मंत्रीने मुझसे दिल्ली आने को कहा था। इसीलिए मैं यहां आया हूं। हालाँकि,दिल्ली पहुँचने के बाद, मुझे उनके कार्यालय से फोन आया कि अमित शाह बैठकके लिए उपलब्ध नहीं हैं। इसका मतलब यह है कि एक स्वतंत्र

उम्मीदवार के रूप मेंसहमति देने में मुझे कोई परेशानी नहीं है। इसका मतलब यह भी है कि शिवमोग्गासे भाजपा उम्मीदवार बी.वाई. राघवेंद्र को हार मिलनी चाहिए। राघवेंद्र कर्नाटकके पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा के बेटे हैं। ईश्वरप्पा ने दावा कियाकि ताजा घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि मुझे आगे बढ़ना चाहिए औरराघवेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहिए। मैं भाजपा के खिलाफ चुनावलड़ूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आशीर्वाद से मैं चुनावजीतूंगा। ईश्वरप्पा कथित तौर पर अपने बेटे के.ई. कांतेश कोटिकट नहीं देने के पार्टी के फैसले से नाराज हैं। इससे पहले,पार्टी ने पिछले साल कर्नाटक में हुए विधानसभा चुनाव लड़ने के लिएईश्वरप्पा को टिकट देने से भी इनकार कर दिया था। ईश्वरप्पा ने भीबी.वाई. विजयेंद्र को प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष पद से हटाने की कसम खाई है। विजयेंद्रऔर राघवेंद्र दोनों येदियुरप्पा के बेटे हैं। ईश्वरप्पा राज्य में सबसेवरिष्ठ भाजपा नेता हैं जिन्होंने येदियुरप्पा और अन्य के साथ मिलकर कर्नाटकमें पार्टी को नए सिरे से खड़ा किया। ज्ञातव्य है कि - अमितशाह ने बुलाया था मिलनेकेंद्रीयगृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कर्नाटक में भाजपा के भीतर विद्रोह कोसंबोधित किया। शाह ने कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा सेबात की, जिन्होंने राज्य में भाजपा के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया हैऔर उन्हें नई दिल्ली में उनसे मिलने के लिए कहा था। शाह ने मांड्या सेनिर्दलीय सांसद सुमलता अंबरीश से भी बात की और उन्हें एनडीए उम्मीदवार कासमर्थन करने के लिए मनाने में सफल रहे। सूत्रों ने पुष्टि की कि अमित शाहने वरिष्ठ नेता ईश्वरप्पा से बात की, जिन्होंने शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र में भाजपाके उम्मीदवार, बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई राघवेंद्र को चुनौती देने कीकसम खाई है। शाह ने ईश्वरप्पा की बात धैर्यपूर्वक सुनी और यहां तक कहा किवह आदेश नहीं दे रहे हैं बल्कि उनसे पीछे हटने का अनुरोध कर रहे हैं।गृह मंत्री ने ईश्वरप्पा को बुधवार को नई दिल्ली में मिलने के लिए आमंत्रित किया था। सूत्रों ने बताया कि ईश्वरप्पा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी और नई दिल्ली में शाहसे मिलने और अपनी शिकायतों पर चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की था।

स्नेह मिलन पर होगा सांस्कृतिक प्रस्तुति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जयनगर स्थित अशोका पिल्लर के पास महाराजा अग्रसेन भवन के सभागार में रविवार को दोपर 3.30 बजे से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गौड़ ब्राह्मण संघ द्वारा होली स्नेह मिलन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर महिला समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व बच्चों द्वारा वेश भूषा व गणगौर गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस कार्यक्रम में रामू सिसोदिया एंड पार्टी द्वारा भी प्रस्तुति दी जाएगी।

दशा माता का व्रत रख सुख समृद्धि की कामना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के मैसूरु रोड स्थित बैटरायनपुरा के एक मंदिर में प्रवासी राजस्थानी महिलाओं ने दस दिवसीय व्रत अनुष्ठान के 10वें दिन गुरुवार को रीति रिवाज के साथ दशा माता व्रत कर परिवार के लिए सुख शांति एवं समृद्धि की कामना करते हुए दशा माता का पूजन किया। प्रातः शुभ मुहूर्त में दशामाता, शीतला माता, सूर्य देव और गणेश भगवान की कथा श्रवण के बाद महिलाओं ने पीपल पूजन के बाद पीपल के चारों ओर कच्चे धागे के साथ परिक्रमा ली। पूजा के आखरी दिन पिस्ता कुमावत, गीता कुमावत, रेखा जांगिड़ और आशा जांगिड़ सहित कई महिलाओं ने मंदिर में पूजा अर्चना कर व्रत तोड़ा।

राज्य सरकार अपना रही आईटी विरोधी नीति: भाजपा

आतंकवादी बहुत आसानी से बेंगलूरु आ रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा नेता एस. दत्तात्रि ने कहा कि कर्नाटक सरकार आईटी सेक्टर के खिलाफ नीति अपना रही है। आज सभी आईटी वालोंकी हालत चिंताजनक है, जो कि बेहद अफसोसजनक है। यहां बीजेपी चुनाव मीडिया सेंटर में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवादी बहुत आसानी से बेंगलूरु आ रहे हैं। रामेश्वरम कैफे में हुए धमाके सेचिंता बढ़ गई है। उन्होंने चिंता जताई कि बेंगलूरु आतंकियों का ठिकाना बनता जा रहा है।

उन्होंने इस बात पर भी अफसोस जताया कि बेंगलूरुमें पिछले 6 महीने से पानी की कमी की स्थिति है। केरल के मंत्री ने कहाहै कि अगर कारोबारी बेंगलूरु से उनके राज्य में आते हैं तो सभी सहयोग करेंगे।उन्होंने आपत्ति जताई कि राज्य सरकार लापरवाह है और उसके पास पेयजल पर पर्याप्तनीति नहीं है। पानी के टैंकरों के लिए भी कोई उचित नीति नहीं बनाई गईहै। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि फ्लैटों में आईटी कर्मचारियोंको आज पानी नहीं मिल रहा है। बोरवेल ड्रिलिंग की दर भी लगभग दोगुनी होगई है। इस मामले में कोई सही नीति भी नहीं है। पर्याप्त यातायात व्यवस्था केबिना, आईटी कर्मचारी सड़क पर इंतजार करने को मजबूर हैं। उन्होंनेकहा कि पूर्व में जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तो जहां-जहां ट्रैफिक कीसमस्या थी, वहां गये, वहां खड़े होकर देखा, समस्या के समाधान के लिए योजनाबनायी और उसे क्रियान्वित किया।

सिद्धरामैया ने बेंगलूरु विकास मंत्री के तौरपर शिवकुमार को ठेका दिया है। हालाँकि, वह एक भी दिन सड़क परनहीं रहे। इससे सॉफ्टवेयर कंपनियों के कहीं और चले जाने की संभावना है।उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने सॉफ्टवेयर क्षेत्र की उपेक्षा की है जोसबसे अधिक लाभदायक है। आईटी, बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे नेसॉफ्टवेयर क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बात नहीं की। उन्होंने शिकायत कीकि मंत्री ने इस क्षेत्र के लिए एक पैसे की भी चिंता नहीं की। वह सोशलमीडिया और ट्वीट्स मंत्री बन गये हैं।

उन्होंने कहा कि यह बेहद अफसोस की बात है कि मंत्री सॉफ्टवेयर कंपनियों के मुद्दे पर एक भी शब्द न बोलकर बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा की व्यक्तिगत आलोचना पर अड़े रहतेहैं। बेंगलूरु दुनिया का सबसे बड़ा आई.टी. हब है। पूरे देश मेंसॉफ्टवेयर सेक्टर में 54 लाख कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु में18 लाख लोग काम कर रहे हैं। पूरे भारत में बेंगलूरु को आईटी हब, देशकी आईटी राजधानी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि भारत की जीडीपीमें बेंगलूरु के आईटी हब का योगदान काफी अहम है।

कर्नाटक काआईटी हब भारत के कुल निर्यात का 12 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने कहा किटीसीएस, विप्रो, इंफोसिस, माइंडट्री और अन्य जैसी 10-12 कंपनियोंसहित 67 हजार कंपनियां बेंगलूरु में स्थित हैं। इनमें 18 लाख कर्मचारी कार्यरत हैं,जो कि गर्व की बात है।

गठबंधन प्रत्याशियों को मिल रहा अभूतपूर्व समर्थन: बी.वाई.विजयेंद्र

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि राज्य मेंजेडीएस-बीजेपी गठबंधन को अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है। यहां पत्रकारोंसे बातचीत में उन्होंने कहा कि बीजेपी को दोबारा केंद्र की सत्ता में आना चाहिए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने के मुताबिक 2047 तक भारत को विकसित देश बनानाहै। नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनें, इसके लिए इसे साकार करने का माहौल बन चुका है।

कर्नाटक में नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता ने हमें बहुत ताकत दी है।उन्होंने कहा कि एनडीए प्रत्याशी प्रज्वल रेवन्ना को बड़े अंतर से जिताने केलिए सभी मिलकर काम करेंगे। इस तथ्य पर प्रतिक्रिया देते हुए कि प्रज्वल रेवन्नानामांकन पत्र जमा कर रहे थे, जबकि पूर्व विधायक प्रितम गौड़ा अनुपस्थित थे,उन्होंने कहा कि जिले के नेताओं ने पदाधिकारियों की बैठक की। एकदो दिन में सब कुछसाफ हो जाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने भी आशीर्वाद दिया।उन्होंने कहा कि गौड़ा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अटूट विश्वासहै। मुझे विश्वास है कि पूर्व मंत्री केएस ईश्वरप्पा को दिल्ली के नेता मनालेंगे। हासन लोकसभा क्षेत्र से एनडीए सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने उम्मीदवार के तौरपर नामांकन पत्र दाखिल किया।

प्रज्वल ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विधायक सीमेंट मंजू, एच.के. सुरेश, विधान परिषद के उपाध्यक्ष प्राणेश, एच.के. कुमारस्वामी की उपस्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी सी. सत्यभामा को अपना नामांकनपत्र सौंपा। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने जिला कलेक्टरकार्यालय पहुंचकर संकेतक के तौर पर प्रज्वल के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षरकिये। हासन में आयोजित रोड शो में पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना, एमएलसीसूरज रेवन्ना, भवानी रेवन्ना, पूर्व सीएम डीवी सदानंद गौड़ा मौजूद रहे।

भाजपा एक बार फिर जीत के लिए तैयार: नलिनकुमार कटील

भाजपा उम्मीदवार ब्रिजेश चौटा ने दाखिल किया नामांकन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ के भाजपा सांसद उम्मीदवार कैप्टन ब्रिजेश चौटा ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए गुरुवार को डीसी कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। कैप्टन चौटा के समर्थकों ने बंट्स हॉस्टल स्थित भाजपा चुनाव कार्यालय से टाउनहॉल तक जुलूस निकाला। कैप्टन ब्रिजेश चौटा के साथ नलिन कुमार कटील, सुनील कुमार, कोटा श्रीनिवास पुजारी, सी टी रवि, सुधीर शेट्टी कन्नूर, भागीरथी, उमानाथ कोटियन, राजेश नायक, डॉ भरत शेट्टी, वेदव्यास कामथ, माधव गौड़ा, अरुण कुमार पुथिला, कैप्टन गणेश कार्णिक, यशपाल सुवर्णा, सुरेश शेट्टी, मोननापा भंडारी, प्रताप सिम्हा नायक, बालकृष्ण भट्ट समेत अन्य नेता मौजूद थे। भाजपा जिला अध्यक्ष, सतीश कुंपाला ने कहा शुरुआत में, हमने नामांकन आवेदन के दौरान कैप्टन ब्रिजेश चौटा के साथ एक छोटे प्रतिनिधिमंडल का लक्ष्य रखा था। हालांकि, आज का मतदान स्पष्ट रूप से दक्षिण कन्नड़ जिले में भाजपा के भविष्य को दर्शाता है। जनता से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। यहां मौजूद सभी लोगों का मैं हार्दिक स्वागत करता हूं। कैप्टन ब्रिजेश चौटा प्रतिदिन पार्टी सदस्यों के साथ काम करते हैं, उनकी चिंताओं को संबोधित करते हैं। यह स्पष्ट है कि हिंदू धर्म में इसकी मजबूत नींव के साथ, जीत हमारी पहुंच में है। दक्षिण कन्नड़ जिला आने वाले वर्षों तक हिंदू धर्म का गढ़ बना रहेगा, कैप्टन ब्रिजेश चौटा हमारे अगले सांसद बनने के लिए तैयार हैं।

नलिन कुमार कटील ने कहा कि भाजपा एक बार फिर जीत के लिए तैयार है। चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ, हमें विश्वास है कि 4 जून को वोटों की गिनती के बाद नरेंद्र मोदी एक बार फिर भारत के प्रधान मंत्री बनेंगे। युवा नेताओं और युवा मोर्चा ने जिले के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज हमारी पार्टी ने कैप्टन ब्रिजेश चौटा को चुना है, और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर की मुक्ति निश्चित है। एक लंबे समय से चली आ रही आकांक्षा साकार हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के विकास का नेतृत्व किया है और हमें इस उद्देश्य में उनका समर्थन करने के लिए कैप्टन ब्रिजेश चौटा को चुनना चाहिए। आगे बढ़ते हुए, हमें लोगों के साथ जुड़ना चाहिए और नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार की उपलब्धियों को बताना चाहिए। मैं सभी से कैप्टन ब्रिजेश चौटा को उतना ही समर्थन देने का आग्रह करता हूं जितना उन्होंने मुझे पिछले चुनावों में दिया था। कैप्टन ब्रिजेश चौटा ने कहा मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हमारी पार्टी विश्व स्तर पर सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक है, और मैं एक पूर्व सैनिक के रूप में एक साधारण पृष्ठभूमि से आता हूं। आज, मैं यहां एक पद पर खड़ा हूं, और जनता के समर्थन से भारत विकास हासिल कर सकता है। मैं भाजपा के लिए जनता से निरंतर प्यार और समर्थन के लिए प्रार्थना करता हूं। आइए हम अगले 20 दिनों में दक्षिण कन्नड़ को भाजपा के गढ़ के रूप में पुनः प्राप्त करने का प्रयास करें। सी टी रवि ने कहा पूरे भारत में बीजेपी की लहर चल रही है और दक्षिण कन्नड़ में हम भगवा लहर देख रहे हैं। कोटा उडुपी का प्रतिनिधित्व करते हैं और चौटा दक्षिण कन्नड़ का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए कमल का प्रतीक कांग्रेस पर हावी होना चाहिए। हमारे परिवार और शहर के वोटों को स्पष्ट रूप से भाजपा का समर्थन करना चाहिए। सिद्धरामैया की आर्थिक नीतियों की बदौलत केरल सरकार की अत्यधिक उधारी के कारण उनका राज्य दिवालिया हो गया है। कर्नाटक में, मुद्रास्फीति की दर बढ़ रही है, जिससे नागरिकों पर अत्यधिक स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क का बोझ पड़ रहा है। वे पुरुषों से महिलाओं के बीच धन का अनुचित तरीके से पुनर्वितरण करते हैं और इसे अपना बताते हैं। हालाँकि, महिलाओं को यह समझना चाहिए कि यह पैसा उनके पति की जेब से निकलता है। हम हिंदू विरोधी राजनीति और पाकिस्तान की प्रशंसा करने वाले नारों को खारिज करते हैं।

घर-घर में भगवा लहर चलेगी

पीएफआई जैसे संगठनों का लक्ष्य भारत को पाकिस्तान बनाना और कांग्रेस का समर्थन करना है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। घर-घर में भगवा लहर चलेगी। कोटा श्रीनिवास पुजारी ने कहा आज, जैसे ही मैंने रैली के दौरान कैप्टन ब्रिजेश चौटा का हाथ पकड़ा, हमने जीत के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। जैसे हम संसद में हाथ मिलाते हैं, हमें अपने देश के भविष्य के लिए एकजुट होना चाहिए। ये चुनाव आतंकवाद की चुनौतियों के बीच भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह चुनाव भाजपा से आगे बढ़कर भारत की प्रगति के बारे में है। क्या आप उन लोगों का समर्थन करेंगे जो हमारे पवित्र विधान सौधा के भीतर पाकिस्तान की प्रशंसा करते हैं। यह संस्था भारतीयों के लिए पूजनीय है। इसकी दीवारों के भीतर केवल भारत माता की जय-जयकार गूंजनी चाहिए, लेकिन कांग्रेस नेता 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे का प्रचार करते हैं। यहां तक कि कुकर विस्फोट के आरोपियों को भी कांग्रेस ने 'साथी भाइयों' के रूप में स्वीकार किया। नरेंद्र मोदी हमारे देश को चलाने में सक्षम नेतृत्व के प्रतीक हैं। पिछली वित्तीय चुनौतियों के बावजूद, भारत सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरा है। इसका श्रेय नरेंद्र मोदी को जाता है मोदी।

लोकसभा चुनाव 2024

एचडी कुमारस्वामी ने मांड्या से दाखिल किया नामांकन

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को मांड्या क्षेत्र से आगामी लोकसभा चुनाव के लिए एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया।

उन्होंने मांड्या में रिटर्निंग ऑफिसर और डीसी कुमार की मौजूदगी में भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, मैसूरु-कोडागु लोकसभा उम्मीदवार यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार और जद (एस) नेता सीएस पुट्टाराजू के साथ सुबह 11.30 बजे अपना पर्चा दाखिल किया। अपना पर्चा दाखिल करने से पहले कुमारस्वामी ने मांड्या में श्री अरकेश्वर स्वामी मंदिर, कालिकाम्बा और लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिरों का दौरा किया। उन्होंने देवी कावेरी, अंबेडकर और अन्य की मूर्तियों पर भी माल्यार्पण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, जद (एस) के युवा विंग के नेता निखिल कुमारस्वामी ने विश्वास जताया कि एनडीए राज्य के सभी 28 लोकसभा क्षेत्रों में जीत हासिल करेगा। बीजेपी नेताओं ने अपने कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि यह तभी संभव है जब दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर काम करेंगे। उन्होंने कहा, एचडी कुमारस्वामी के नाम की घोषणा के बाद लोगों में काफी उत्साह है। निखिल ने निर्दलीय विधायक ए सुमलता के भाजपा को समर्थन देने के फैसले का भी स्वागत किया। बीएस येदियुरप्पा ने कहा, मांड्या क्षेत्र में एनडीए उम्मीदवार कुमारस्वामी के लिए माहौल अनुकूल है। एनडीए सभी 28 सीटें जीतेगी। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, सांसद ए सुमलता 6 अप्रैल को बेंगलूरु में पार्टी कार्यालय में आधिकारिक तौर पर भाजपा में शामिल होंगी। रोड शो आयोजित करने की पार्टी की योजना रद्द कर दी गई क्योंकि पुलिस विभाग ने गर्मी के कारण अनुमति नहीं दी। मांड्या में मांड्या विश्वविद्यालय के परिसर में एक सम्मेलन आयोजित किया गया। कुमारस्वामी बाद में भाजपा उम्मीदवार डॉ. सीएन मंजूनाथ की नामांकन दाखिल प्रक्रिया में भाग लेने के लिए बेंगलूरु ग्रामीण पहुंचे।

अगले दो दिनों में राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धूप की तीव्रता दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और यह सामान्य से डेढ़ से 3 डिग्री तक बढ़ गई है। इसके कारण गर्म हवाएं बढ़ गई हैं और आने वाले दिनों में इसके और बढ़ने का अनुमान है। राज्य के दक्षिणी भीतरी इलाकों के कुछ हिस्सों में 6 अप्रैल से तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पिछले तीन महीनों से दक्षिणी अंदरूनी इलाकों में प्री-मॉनसून बारिश नहीं हुई है। अप्रैल में तूफान आना आम बात है। लेकिन मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 6 अप्रैल से तीन दिनों तक राज्य के अंदरूनी हिस्सों में छिटपुट बारिश होने का अनुमान है। राज्य में भीषण सूखे का परिणाम औसत तापमान से अधिक है। इससे गर्म हवा उत्पन्न होती है और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अप्रैल माह में सामान्य मात्रा में बारिश की संभावना नहीं है। इस मात्रा में प्री-मानसून बारिश नहीं हुई। अप्रैल और मई के महीने में सूरज की तपिश और गर्म हवाएं बढ़ेंगी। वातावरण में नमी कम होगी। राज्य में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में काफी बढ़ोतरी हुई है। कल्याण कर्नाटक के जिलों में पहले ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच चुका है। कलबुर्गी में 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी बेंगलूरु में भी 37.2 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है और इसके और बढ़ने की संभावना है। महीने की सामान्य वर्षा 36 मिमी है। हालांकि राज्य के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश हो रही है, लेकिन यह सामान्य नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि जनवरी से मार्च के अंत तक सामान्य

रोड शो कर तेजस्वी सूर्या ने दाखिल किया नामांकन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा उम्मीदवार तेजस्वी सूर्या ने गुरुवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले जयनगर 4 ब्लॉक मैयास होटल से रोड शो करके निकले और बीबीएमपी संयुक्त आयुक्त कार्यालय में नामांकन पत्र जमा किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक, सांसद प्रताप सिम्हा, राज्यसभा सदस्य जग्गेश, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, विधायक सतीश रेड्डी, रवि सुब्रह्मण्य, उदय गरुड़चार, विधान परिषद सदस्य सरवन, जेडीएस बेंगलूरु महानगर अध्यक्ष रमेश गौड़ा, जेडीएस बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष तुलसीराम उपस्थित थे। नामांकन पत्र जमा करने से पहले उन्होंने अपने परिवार के साथ गिरिनगर के श्री गणेश मंदिर में पूजा की। जेडीएस युवा इकाई के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने गिरिनगर भाग से नामांकन प्रक्रिया शुरू की और शुभकामनाएं दीं। उन्हें बुजुर्गों और शुभचिंतकों का आशीर्वाद मिला। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि बेंगलूरु दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के जुनून और उत्साह ने उन्हें नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया है।

नामांकन पत्र जमा करने के दौरान डीके सुरेश-मंजूनाथ दिखे आमने-सामने

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद कांग्रेस उम्मीदवारडी.के.सुरेश और भाजपा उम्मीदवार डॉ. सी.एन.मंजूनाथ आमने-सामने दिखे।इससे पहले, डीके सुरेश मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उनके भाई डीकेशिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, के साथ गए और 2 प्रतियों में नामांकनपत्र दाखिल किया। नामांकन पत्रों की 2 प्रतियां फिर से जमा की गई हैं। इसमौके पर रामनगर विधायक इकबाल हुसैन, विधानसभा सदस्य रवि डीके सुरेश केसाथ थे। डॉ. सीएन मंजूनाथ पूर्व मंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण औरविधायक मुनिरत्न के साथ गए और नामांकन पत्र दाखिल किया। बाहर निकलते वक्तदोनों पार्टियों के नेता आमने-सामने दिखे। डीके सुरेश और मुनिरत्नके हाथ मिलाने ने सबका ध्यान खींचा।

पूर्व सीएम बोम्मई ने गब्बूर जैन मंदिर में किए दर्शन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने गुरुवार को गब्बूर तीर्थ में स्थित शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में दर्शन वंदन किए। जैन मरुधर संघ के कार्यदर्शी दिनेश संघवी ने बताया कि बोम्मई का गब्बूर जैन तीर्थ से पिछले कई वर्षों से गहरा लगाव है। वे समय समय पर तीर्थ दर्शन के लिए आते रहते है और प्रार्थना अर्चना कर देश में शांति सद्भावना की प्रार्थना करते है। इस दौरान श्री जैन मरुधर संघ हुब्बल्ली के कार्यदर्शी दिनेश संघवी, उपाध्यक्ष इन्दरमल जैन, महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेछा, संस्कार स्कूल के कार्यदर्शी सुधीर वोरा, सामाजिक कार्यकर्ता पोपटलाल जैन, भारत जैन, महामंडल हुब्बल्ली शाखा के अध्यक्ष, विहिप नेता सुभाष डंक ने बोम्मई को समस्त जैन समाज की तरफ से सम्मानित किया।

दो साल के बच्चे को बोरवेल से बचाया

विजयपुरा/ शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के लाचयान गांव में बुधवार को बोरवेल में गिरे दो साल के बच्चे को गुरुवार दोपहर को बचा लिया गया।

बच्चा 16 फीट की गहराई में गिरा था। इससे पहले दिन में, बचाव कर्मियों ने बोरवेल पाइप के बगल में 20 फीट गहरी खाई खोदी।

पाइप को रोकने के लिए किनारे पर एक खाई भी खोदी गई थी। बचावकर्मियों ने एक चादर बिछाई और उसे रस्सियों की मदद से किनारे की खाई में उतारा। अधिकारियों ने कहा कि पाइप के चारों ओर की जगह को चौड़ा किया गया और बच्चे को चादर पर चढ़ाने के प्रयास किए गए। जैसे ही बचाव दल बच्चे के एक मीटर की दूरी तक पहुंचा, उसकी चीखें ऊपर तक सुनाई दीं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बच्चे को धीरे-धीरे चादर पर उतारा जाए, उसके पैर में एक रस्सी बांधी गई। उपायुक्त टी. भूबलन, पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश सोन-वणे और अन्य अधिकारी मौके पर थे और उन्होंने बचाव अभियान का निरीक्षण किया और वहां जमा हुई भारी भीड़ को नियंत्रण में रखा।

संजय निरुपम ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया, तब पार्टी ने निकाला

मुंबई, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद संजय निरुपम ने गुरुवार को पार्टी से निकाले जाने को लेकर कांग्रेस नेतृत्व पर कटाक्ष किया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ने ऐसा उनकी ओर से अपना इस्तीफा भेजने के बाद किया गया। पार्टी को कार्रवाई के लिए ए-4 साइज का पेपर बर्बाद करने की जरूरत नहीं थी। इससे पहले अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी बयानों की शिकायतों के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार देर शाम निरुपम को तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित करने का फैसला किया था।

इसके बाद गुरुवार सुबह मुंबई कांग्रेस के पूर्व प्रमुख निरुपम ने कहा, ऐसा लगता है कि कल रात मेरा इस्तीफा पत्र मिलने के तुरंत बाद उन्होंने मेरा निष्कासन जारी करने का फैसला किया। ऐसी तत्परता देखकर अच्छा लगा। इससे पहले खड़गे को लिखे पत्र में निरुपम ने कहा था कि मैंने आखिरकार आपकी बहुप्रतीक्षित इच्छा को पूरा करने का फैसला किया है। मैं एलान करता हूं कि मैं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

संजय निरुपम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस आलाकमान पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि मैंने कल एक घोषणा की और लगभग 10:40 बजे मल्लिकार्जुन खड़गे को अपना इस्तीफा भेज दिया। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से बिखरी हुई पार्टी है और पार्टी के नेताओं ने भी कहा है कि इसकी विचारधारा दिशाहीन है। उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस पार्टी में एक पावर सेंटर हुआ करता था, लेकिन इस समय कांग्रेस पार्टी में पांच पावर सेंटर हैं और पांचों की अपनी लॉबी है जो आपस में टकराती रहती है। इन पांचों सेंटर में सबसे पहले सोनिया गांधी हैं, दूसरे सेंटर में राहुल गांधी, तीसरे में प्रियंका गांधी, चौथे में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और आखिरी में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल हैं। यह सब अपने प्रकार से राजनीति कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि संजय निरुपम मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा क्षेत्र से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे थे। हालांकि, आगामी संसदीय चुनावों के लिए शिवसेना (यूबीटी) ने इस सीट से अपने उम्मीदवार का एलान कर दिया था। इसके बाद निरुपम ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन की सीट-बंटवारे की बातचीत के दौरान मुंबई की सीटें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी को देने के लिए महाराष्ट्र कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना शुरू कर दी। इस पर बुधवार को कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की सूची से निरुपम का नाम हटा दिया।

इसके बाद निरुपम ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रही है, इसलिए उसे खुद को बचाने के लिए स्टेशनरी और ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए। मुंबई उत्तर से पूर्व सांसद ने यह भी कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व को शिवसेना (यूबीटी) द्वारा खुद को कमजोर नहीं होने देना चाहिए।

मुंबई उत्तर से पूर्व सांसद निरुपम ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) द्वारा मुंबई की छह लोकसभा सीटों में से चार पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा के बाद बयान दिया था। निरुपम ने कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व को खुद को शिवसेना (यूबीटी) के सामने झुकने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। संजय निरुपम ने शिवसेना की सूची पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा था वे मुंबई में पांच सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं और एक दान के रूप में कांग्रेस के लिए छोड़ देंगे। यह निर्णय मुंबई में कांग्रेस को खत्म करने के लिए है। मैं इस निर्णय की निंदा करता हूं।

निरुपम ने कहा कि ठाकरे ने एकतरफा उम्मीदवारों की घोषणा करके गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया। कांग्रेस नेता ने मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से अमोल कीर्तिकर को प्रत्याशी बनाए जाने का भी विरोध किया। अमोल खिचड़ी ठेका घोटाले में आरोपी हैं और इसके लिए ईडी द्वारा उनकी जांच की जा रही है। पूर्व शिवसैनिक निरुपम ने 2005 में शिवसेना छोड़ दी। उन्होंने उत्तर भारतीय फेरीवालों का मुद्दा उठाया और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। 2009 में उन्होंने मुंबई उत्तर सीट से चुनाव लड़ा और जीते। निरुपम 2014 में उसी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के गोपाल शेट्टी के खिलाफ चुनाव हार गए थे।

राष्ट्रपति ने लॉन्च की कैंसर की स्वदेशी सेल थेरेपी

मुंबई, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। पवई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कैंसर के इलाज के लिए स्वदेशी रूप से विकसित सीएआर टी-सेल थेरेपी की शुरुआत की। आईआईटी बॉम्बे और टाटा मेमोरियल सेंटर द्वारा विकसित यह जीन-आधारित थेरेपी विभिन्न प्रकार के कैंसर को ठीक करने में मदद करेगी।

द लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथईस्ट एशिया जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत में साल 2019 में लगभग 12 लाख नए कैंसर के मामले और 9.3 लाख मौतें दर्ज की गई थीं। भारत, एशिया में इस बीमारी के बोझ वाल दूसरा सबसे बड़ा देश है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि सीएआर टी-सेल थेरेपी से कैंसर के उपचार में मदद मिल सकती है।

पिछले कुछ वर्षों में तकनीक विकास और एआई के चलते कैंसर के इलाज में बड़ी सफलता मिली है, हालांकि आम लोगों तक इसकी पहुंच अधिक लागत के कारण मुश्किल रही है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इन नई थेरेपी की मदद से कैंसर का इलाज आसान हो सकेगा। थेरेपी के उद्घाटन के दौरान राष्ट्रपति ने कहा, हमारे पास अपने-अपने क्षेत्रों में भारत के दो अग्रणी अनुसंधान संस्थान हैं, जो मानवीय उद्देश्य के लिए उद्योग के साथ हाथ मिलाकर काम रहे हैं। इस स्वदेशी थेरेपी के बारे में नई बात यह है कि इसकी लागत अन्य जगहों पर उपलब्ध थेरेपी की तुलना में 90 प्रतिशत कम है। यह दुनिया की सबसे सस्ती सीएआर-टी सेल थेरेपी है। इसके अलावा, यह मेक इन इंडिया पहल का भी एक उदाहरण है जो आत्मनिर्भर भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमें उम्मीद है कि इस थेरेपी की मदद से आने वाले समय में कैंसर से मुकाबले के लिए देश को मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा, मुझे बताया गया है कि यह थेरेपी देश भर के प्रमुख कैंसर अस्पतालों में उपलब्ध होगी, जिससे रोगियों और उनके परिवारों को नई आशा मिलेगी। इसके अलावा, यह किफायती उपचार दुनियाभर के सभी रोगियों के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। यह हमारे वसुधैव कुटुंबकम के दृष्टिकोण के अनुरूप होगा। कैंसर से मुकाबले के लिए हमें एकजुटता और दृढ़ संकल्प की जरूरत है, हमें उम्मीद है कि इस तरह के नवाचार से हमारे लक्ष्य में मदद मिल सकेगी।

वायुसेना के हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग, पायलट सुरक्षित

लेह, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को लद्दाख में आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। इस दौरान उतार-चढ़ाव वाले इलाके और अधिक ऊंचाई के कारण हेलीकॉप्टर को नुकसान पहुंचा है। हालांकि इसमें सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। वायुसेना ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार को हुई।

वायुसेना ने घटना की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए हैं। आईएएफ ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, आईएएफ के अपाचे हेलीकॉप्टर ने 3 अप्रैल को लद्दाख में एक परिचालन प्रशिक्षण उड़ान के दौरान एहतियाती लैंडिंग की। इस लैंडिंग की प्रक्रिया के दौरान, उतार-चढ़ाव वाले इलाके और उच्च ऊंचाई के कारण इसे नुकसान हुआ। इसमें कहा गया, विमान पर सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं और उन्हें निकटतम एयरबेस पर ले जाया गया है। कारण का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है।

कच्चातिवु को लेकर जयशंकर ने डीएमके पर साधा निशाना

तिरुवनंतपुरम, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कच्चातिवु को लेकर दिए गए बयान के बाद से ही राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई है। तमाम दलों के बीच बयानबाजी का दौरा शुरू हो गया है। इस बीच डीएमके पर कटाक्ष करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने दावा किया कि तत्कालीन केंद्र सरकार के साथ डीएमके ने पांच दशक पहले बातचीत की थी, बाद में जो निर्णय लिया गया उसमें भी उन्होंने सहमति दिखाई थी।

डीएमके पर कटाक्ष करते हुए जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि जो सबसे खास है वह यह है कि तमिलनाडु के लोगों को सच्चाई पता होनी चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि आखिर क्या हुआ था। कच्चातिवु द्वीप को

लेकर जो भी निर्णय लिया गया, उसे पूरी तरह से गुप्त रखा गया था। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि डीएमके पूरी तरह से इस निर्णय में शामिल थी।

आरटीआई के जरिए सार्वजनिक हुए दस्तावेजों का हवाला देते हुए जयशंकर ने कहा कि सब जानते है कि गुप्त रूप से जो समझौता उन्होंने किया था, वो सार्वजनिक रूप से उसे स्वीकार नहीं करेंगे। तमिलनाडु में मछुआरों की दशा के लिए डीएमके और तत्कालीन केंद्र सरकार ही जिम्मेदार है। द्वीप का मुद्दा अक्सर संसद में उठाया जाता है और केंद्र और राज्य सरकार के बीच लगातार पत्राचार का विषय रहा है।

इससे पहले 01 अप्रैल को जयशंकर ने दावा किया था कि कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों ने कच्चातिवु द्वीप को लेकर उदासीनता दिखाई जैसे कि उन्हें इसकी परवाह नहीं थी और इसके विपरीत कानूनी विचारों के बावजूद उन्होंने भारतीय मछुआरों के अधिकारों को छोड़ दिया। उनका कहना था कि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे प्रधानमंत्रियों ने समुद्री सीमा समझौते के तहत 1974 में श्रीलंका को दिए गए कच्चातिवु को छोटा द्वीप और छोटी चट्टान करार दिया था और कहा था कि यह मुद्दा अचानक नहीं उठा है। हमेशा एक जीवंत मामला था।

केजरीवाल सीएम बने रहेंगे, दूसरी याचिका भी खारिज

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अदालत से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें केजरीवाल को दिल्ली के सीएम पद से हटाने की मांग की थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से हटाने का निर्देश देने की मांग वाली एक अन्य जनहित याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। दलीलों के दौरान, दिल्ली हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि कभी-कभी, व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन करना पड़ता है। हिंदू सेना नामक संगठन के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दायर याचिका में दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल की गिरफ्तारी का हवाला देते हुए उन्हें सीएम पद से हटाने की मांग की गई थी।

हालांकि, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने कहा कि यह केजरीवाल का निजी फैसला होगा कि उन्हें मुख्यमंत्री बने रहना है या नहीं। फिर भी, पीठ ने एक सूक्ष्म संकेत जरूर दिया।

इसमें टिप्पणी की गई कि कभी-कभी, व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन करना पड़ता है लेकिन यह उनका (केजरीवाल का) निजी फैसला है। न्यायालय ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह इस मामले पर निर्णय नहीं ले सकता है। इस मुद्दे पर निर्णय लेना दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) या भारत के राष्ट्रपति पर निर्भर है। कोर्ट ने कहा कि उन्हें हमारी सलाह की जरूरत नहीं है। एलजी कानून के अनुसार ही काम करेंगे। याचिका दाखिल करने वाले विष्णु गुप्ता ने कोर्ट में कहा कि अब वो इस याचिका को वापस लेना चाहते हैं। अब उपराज्यपाल के पास अपनी अपील दाखिल करेंगे।

अरविंद केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल फिलहाल 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे। हालांकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। बुधवार को केजरीवाल की याचिका पर तीन घंटे तक सुनवाई चली। हालांकि हाई कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट इस पर आज फैसला कर सकता है कि केजरीवाल को जमानत दी जाए या नहीं।

पीएम की सुरक्षा चूक में पूर्व सीएम चन्नी का हाथ!

लुधियाना, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस को अलविदा कह भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाले सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने फिरोजपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला रोके जाने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने इसके पीछे कांग्रेस का हाथ होने की बात कही है।

बिट्टू ने दावा किया कि पांच फरवरी 2022 को फिरोजपुर के प्यारेआणा गांव के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफिला रुकवाना पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी की शरारत थी। उनके ही इशारे पर 15 से 20 लोगों का काफिला सड़क पर धरना लगाने गया था और वहां से पीएम मोदी का काफिला वापिस घुमाना पड़ा था।

बिट्टू के इस दावे से पूर्व सीएम चन्नी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। चन्नी लगातार पीएम की सुरक्षा चूक की बात को ही दरकिनार करते रहे हैं। बिट्टू ने यह भी कहा कि उस दिन अगर पीएम को नहीं रोका जाता तो हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेशों की

तरह पंजाब को बॉर्डर स्टेट के नाते इंडस्ट्री में छूट मिलने वाली थी। पीएम मंडी गोबिंदगढ़ को इंडिया का स्टील हब बनाना चाहते थे। मोहाली में आईटी हब बनना था लेकिन चन्नी की वजह से पंजाब का नुकसान हो गया।

उल्लेखनीय है कि पांच फरवरी 2022 को पीएम नरेंद्र मोदी के फिरोजपुर में रैली करने जाते समय कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया था।

पीएम मोदी 15-20 मिनट फ्लाईओवर पर फंसे रहे। भाजपा ने इसे पीएम की सुरक्षा में बड़ी चूक बताया था। बाद में बठिंडा एयरपोर्ट पर पीएम ने अफसरों से कहा था कि अपने सीएम को धन्यवाद कहना कि मैं जिंदा लौट पाया। गृह मंत्रालय ने इस मामले में पंजाब सरकार से रिपोर्ट मांगी थी। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था।

मामले के बाद तत्कालीन सीएम चन्नी ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जान को खतरा बताने का मकसद राज्य में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को गिराना है। चन्नी ने कहा था कि जब प्रदर्शनकारी उनसे एक किलोमीटर से ज्यादा दूर थे तो पीएम की जान को खतरा कैसे हो सकता है। उन्होंने कहा कि जहां पीएम का काफिला रुका, वहां एक नारा भी नहीं लगा, न ही कोई पत्थर उछाला गया और न ही कोई उनके पास पहुंचा तो उनकी जान को खतरा कैसे हो गया।

देश का विचित्र कानून : छेड़खानी करने पर बड़ा अफसर ट्रांसफर, सिपाही बर्खास्त

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के दो बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल, सीआरपीएफ और बीएसएफ में तकरीबन एक जैसे दो मामले सामने आए हैं। दोनों मामले यौन शोषण से जुड़े हैं।

दोनों मामलों में की गई कानूनी कार्रवाई परस्पर-विरोधी है। सीआरपीएफ के एडीजी और उत्तर प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईपीएस बिनोद कुमार सिंह को केवल इतनी सजा मिली कि तो उन्हें निर्धारित समय से पहले उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया। अब बात आती है बीएसएफ के सिपाही की। बीएसएफ की समरी सिक्योरिटी फोर्स कोर्ट ने आरोपी सिपाही श्रीनिवास को नौकरी से ही बर्खास्त कर दिया।

राजस्थान के बाड़मेर में बीएसएफ की 76वीं बटालियन में तैनात सिपाही जीडी श्रीनिवास, पर आरोप लगा था कि उसने महिला सिपाही कुक के साथ छेड़छाड़ की और उसे आई लव यू कहा। बीएसएफ ने इसे यौन शोषण का केस माना। बीएसएफ एक्ट 1968 सेक्शन 46, रीड विद् 354ए (1) आईपीसी के तहत कार्रवाई कर दी गई।

सीमा सुरक्षा बल की समरी सिक्योरिटी फोर्स कोर्ट ने आरोपी सिपाही श्रीनिवास को नौकरी से निकाल दिया। जानकारों का कहना है कि अगर इस मामले में आईपीसी की धाराएं लगाई गई हैं, तो उस स्थिति में साक्ष्य अधिनियम लागू होता है। ऐसे मामले में आरोप को साबित करना बेहद मुश्किल होता है। सिपाही को नौकरी से निकाले जाने के आदेश में महिला कर्मी द्वारा शिकायत देने का कहीं कोई जिक्र नहीं है। हालांकि सिपाही श्रीनिवास को यह छूट दी गई है कि वह आईजी बीएसएफ गुजरात सेक्टर के दफ्तर में अपील कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश कैडर के 1994 बैच के आईपीएस बिनोद कुमार सिंह, जो सीआरपीएफ में नॉर्थ ईस्ट जोन के एडीजी थे, उनसे जुड़ा है। उन पर यौन शोषण का गंभीर आरोप लगा। आरोप में कहा गया है कि गुवाहाटी के एलजीबीआई एयरपोर्ट पर सीआरपीएफ एडीजी ने महिला कर्मी को जबरदस्ती खींचकर आलिंगन किया था। उन्होंने महिला कर्मी की मुस्कान, दांत और होठों को लेकर टिप्पणी की। एलजीबीआई एयरपोर्ट गुवाहाटी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। प्रारंभिक जांच में मामला सही पाया गया। जब इस मामले की दिल्ली तक पहुंची, तो केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आईपीएस को उनके मूल कैडर में भेज दिया।

बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय सेना की स्ट्रैटेजिक फोर्सेस कमांड ने डीआरडीओ के साथ मिलकर नई पीढ़ी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण ओड़ीशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप पर कल शाम करीब सात बजे किया गया। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं। इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलेपमेंट प्रोग्राम के तहत अग्नि प्राइम मिसाइल को देश ही में विकसित किया गया है। इससे पहले बीते साल 7 जून को भी डीआरडीओ ने अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण किया था।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि परीक्षण के दौरान अग्नि प्राइम मिसाइल ने अपने सभी मानकों और उद्देश्यों को पूरा किया। परीक्षण के दौरान विभिन्न सेंसर लगाए गए थे, जिनमें मिसाइल परीक्षण से संबंधित डाटा इकट्ठा किया गया। मिसाइल परीक्षण के दौरान सीडीएस जनरल अनिल चौहान, स्ट्रैटेजिक फोर्सेस कमांड के प्रमुख समेत डीआरडीओ के

कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। अग्नि मिसाइल के सफल परीक्षण पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, स्ट्रैटेजिक फोर्सेस को बधाई दी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मिसाइल के सफल परीक्षण से सुरक्षा बलों को मजबूती मिलेगी। सीडीएस जनरल अनिल चौहान और डीआरडीओ के चेयरमैन समीर वी कामत ने भी अग्नि प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण पर बधाई दी।

अग्नि प्राइम बैलिस्टिक मिसाइल एक मध्यम दूरी की मिसाइल है, जिसकी रेंज करीब 1200-2000 किलोमीटर के बीच है।

यह मिसाइल अपनी सटीकता के लिए जानी जाती है। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। इस मिसाइल पर 1500 से 3000 किलो तक वॉरहेड ले जाए जा सकते हैं। इस मिसाइल का वजन करीब 11 हजार किलोग्राम है। अग्नि मिसाइल सीरीज की यह सबसे नई और छठी मिसाइल है। इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलेपमेंट प्रोग्राम के तहत इस मिसाइल को विकसित किया गया है। इस प्रोग्राम के तहत पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल, नाग और आकाश जैसी मिसाइलें विकसित की गई हैं।

अयोध्या, काशी के बाद अब फोकस मथुरा-वृंदावन पर : योगी

सांसद प्रत्याशी हेमा मालिनी के लिए सीएम योगी ने किया प्रचार

मथुरा, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा और वृंदावन पर सरकार का पूरा फोकस है। उन्होंने कहा कि मथुरा-वृंदावन में विकास की गति को और तेज किया जाएगा। उन्होंने न्यायालयों में चल रहे मामलों में भी जीत मिलने की उम्मीद जताई। साथ ही कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों को चेतावनी भी दी कि मातृ शक्ति का अपमान करने वालों को पूरा देश सबक सिखाने के लिए तैयार है। सीएम ने कहा कि मथुरा राधा रानी और यमुना मइया की भूमि है। यहां मातृशक्ति पर ओछी टिप्पणी करने वालों को भगवान भी बचा पाएंगे या नहीं, इसमें भी संदेह है। मुख्यमंत्री गुरुवार को यहां सेठ बी.एन. पोद्दार इण्टर कॉलेज मैदान में आयोजित विजय संकल्प नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वर्तमान सांसद और बीजेपी की ओर से लोकसभा प्रत्याशी हेमा मालिनी के पक्ष में प्रचार किया। सीएम योगी ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां भी गिनाईं।

मुख्यमंत्री ने वर्तमान सांसद हेमा मालिनी को तीसरी बार प्रतिष्ठित मथुरा सीट से नामांकन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तीसरी बार हेमा जी यहां से प्रत्याशी बनी हैं तो दूसरी पार्टियों के पास प्रत्याशी ढूंढे नहीं मिल रहे। उन्हें उधार में प्रत्याशी लेने पड़ रहे हैं और जब उधार में भी नहीं मिल रहे तो कांग्रेस के नेता अपना आपा खो चुके हैं। मातृ शक्ति पर अपमानजनक टिप्पणी करके आधी आबादी का अपमान करने पर उतारू हो चुके हैं। मगर इंडी गठबंधन वालों को जानकारी होनी चाहिए कि ये राधे रानी और यमुना मइया की भूमि है। अगर आधी आबादी का अपमान करोगे तो पूरा भारत ऐसा सबक सिखाएगा कि राजनीति करने लायक नहीं रहोगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, मगर इसका मतलब ये नहीं कि हम मातृशक्ति का अपमान करे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें व्यक्तिगत रूप से कोई पसंद हो न हो, मगर हम कला, संस्कृति और जाति को टार्गेट नहीं कर सकते। अगर कोई ऐसा कर रहा है तो वो अपने लिए खुद गड्ढा खोद रहा है। उन्होंने कहा कि मथुरा कला की भूमि है। भगवान कृष्ण ने 16 कलाओं के साथ यहीं पर अवतार लिया है। कला का सम्मान करने के लिए इससे अच्छी भूमि कौन हो सकती है। इसलिए भारत की सुविख्यात सिने अदाकारा जिन्होंने अपनी कला और प्रतिभा के माध्यम से भारत की संस्कृति और सभ्यता को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में पूरा जीवन लगा दिया हो। इनके मंचन को देखने के लिए दुनियाभर के लाखों लोग जुटते हैं। इसका सम्मान कौन भारतीय नहीं करेगा, यदि ये भी कांग्रेसियों को बुरा लगता है, तो उन्हें भगवान भी बचा पाएगा या नहीं इसपर संदेह होता है।

सीएम योगी ने सवाल किया कि 60 साल तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस ने काशी, मथुरा और अयोध्या में विकास क्यों नहीं किया। हेमा मालिनी जी के सुझाव पर मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, बलदेव का विकास ब्रज तीर्थ विकास परिषद के माध्यम से यहां विकास कार्यों को सुनिश्चित किया गया है। ऐसे ही सभी तीर्थों में विकास तेज गति से आगे बढ़ रहा है। कई जगह न्यायालयों में मामला होने के कारण हमें रुकना पड़ता है।

मगर हम यही मानकर चलते हैं कि अंतत: हमारी जीत होनी है। हमने अयोध्या के लिए 500 साल तक इंतजार किया मगर संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटे और अंतत: परिणाम हमारे पक्ष में आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आखिर क्या वजह थी कि अयोध्या में श्रीराम के मंदिर का निर्माण सपा, बसपा और कांग्रेस ने नहीं किया। ये लोग तो रामभक्तों पर गोली चलाते थे। कोई जय श्रीराम भी कह देता था तो उनपर लाठी और गोलियां चलती थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी और अयोध्या में विकास के कार्य ला-इनअप हैं। अब हमारा पूरा फोकस ब्रज भूमि पर है।

84 कोसी, गोवर्धन परिक्रमा, बरसाना परिक्रमा और यमुना मइया की शुद्धि के साथ ही यहां के कुंडों का सौंदर्यीकरण जैसे सभी कार्य यहां की जनभावना के आधार पर किये जाने हैं। ये सभी कार्य युद्ध स्तर पर आगे बढ़ने वाले हैं। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या, मथुरा और काशी में सबसे पहले चुनाव मथुरा में हो रहा है। ये एक संदेश है जो पूरे देश के लिए स्पष्ट होना चाहिए। अयोध्या और काशी में काम हो चुका है। अब मथुरा वृंदावन के विकास के लिए तीसरी बार हेमा जी को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने के लिए सभी को लगना होगा। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे की तर्ज पर यमुना मइया की शुद्धि के लिए अभियान चलाया जाएगा।

धर्म नगरी मथुरा से सीएम ने दिया बड़ा संदेश

राम आए हैं, कृष्ण भी आएंगे: योगी

मथुरा, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बृहस्पतिवार को सीएम योगी आदित्यानाथ पहुंचे। सीएम पद की शपथ लेने के बाद वह 39वीं बार सीएम मथुरा पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने विपक्ष को निशाने पर रखकर, सरकार की योजनाएं और उपल्बधियां गिनाईं।

जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि मथुरा-वृंदावन की भूमि कल की भूमि है। भगवान कृष्ण के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने 16 कलाओं के साथ अपना अवतार लिया था। कल का सम्मान करने के लिए इससे अच्छी भूमि और कोई नहीं हो सकती है। इसीलिए, भारत की सिनेमा जगत की प्रतिष्ठित अभिनेत्री हेमा मालिनी को भाजपा ने यहां से तीसरी बार चुनावी मैदान में उतारा है।

योगी ने कहा कि हेमा मालिनी ने भारत की नृत्य संस्कृति, सिने संस्कृति को पूरे जगत में पहचान दिलाई है। कांग्रेसियों को यह बात बुरी लगती है। उनको भगवान भी बचा पाएगा या नहीं उसको लेकर संदेह होता है। दूसरे चरण की नामांकन प्रक्रिया आज पूरी होने जा रही है। चुनाव युद्ध स्तर पर आगे बढ़ रहा है। विकास और संस्कृति की चर्चा पूर्व के कार्यक्रम में की। चारों ओर एक ही आवाज आ रही है। हर मन

में एक ही बात है कि इस बार फिर से मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। पहली बार भारत में भारतवासियों ने देखा है कि उनकी समृद्धि राष्ट्रीय स्वाभिमान के लिए सरकार काम कर रही है।

विश्व स्तरीय इंफ्रा स्ट्रक्चर से लेकर गरीब कल्याण योजनाओं भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मोदी ने पिछले 10 साल से काम किया। जबकि, 60 वर्ष राज करने वाले कांग्रेस पार्टी ने कोई विकास कार्य नहीं किया। काशी विश्वनाथ में मोदी के राज में कॉरिडोर बना। कांग्रेस में उसके विषय में कभी सोचा नहीं था। सीएम योगी ने कहा कि जनता ने कांग्रेस और सपा को भी अवसर दिया। बसपा को भी अवसर दिया। मगर, सभी पार्टियों ने जनता को ठगा। ब्रज का विकास भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुआ है। अयोध्या के लिए 500 वर्षों का इंतजार किया, मगर संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटे। मथुरा का मामला भी कोर्ट में है, निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। राम आए हैं, कृष्ण भी आएंगे।

उन्होंने कहा कि अयोध्या में पहले मथुरा-वृंदावन की तरह कुंज गालियां थीं। आज वहां पर फोरलेन और सिक्सलेन के हाईवे हैं। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद वहां हर वर्ग खुश है। वहां समृद्धि आई है। रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। कई गुना लोगों की आमदनी बढ़ गई है। भाजपा ने पहले ही कहा था कि काशी और अयोध्या में जो कार्य करना है, उसको लाइनअप किया है। अब लोगों को पूरा फोकस ब्रज भूमि पर करना है। यमुना मैय्या की शुद्धिकरण से लेकर मथुरा-वृंदावन के कुंडो के संरक्षण का काम भाजपा सरकार करेगी। हेमा मालिनी तीसरी बार रिकार्ड मतों से जीत कर संसद में जाएंगी। अयोध्या, काशी, मथुरा में सबसे पहले चुनाव मथुरा में हो रहा है। यहीं से संदेश भी जाना चाहिए। मथुरा का संदेश पूरे उत्तर प्रदेश के लिए स्पष्ट होना चाहिए कि काशी का काम हो गया है, अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं, अब मथुरा की बारी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जिस विकसित भारत की संकल्पना को लोगों के सामने रखा है। उसे विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश और उसे विकसित उत्तर प्रदेश के लिए विकसित मथुरा का होना बहुत जरूरी है। सरकार के पास जो संभावना होगी, उसी में विकास कराया जाएगा। स्पिरिचुअल टूरिज्म को विकसित किया जाएगा। यमुना शुद्धिकरण के लिए जो कार्य करने होंगे, वह किए जाएंगे। रंगोत्सव, कृष्ण उत्सव के कार्यक्रम कराकर मथुरा की पहचान को आगे बढ़ने का काम भाजपा सरकार ने किया है। नमामि गंगे परियोजना की तर्ज पर यमुना मैय्या को भी शुद्धिकरण से जोड़ने का काम किया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले की सुनवाई अब 18 अप्रैल को

प्रयागराज, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद मामले में अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। इसके पहले सुनवाई शुरू होते ही मस्जिद की ओर से पक्ष रखा गया। जबकि, मंदिर की ओर से कहा गया कि मस्जिद पक्ष याचिका की पोषणीयता पर जिन तर्कों का सहारा ले रहा है, वह बेबुनियाद है। मस्जिद पक्ष का दावा है कि यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट, लिमिटेशन एक्ट और वक्फ एक्ट से बाधित नहीं है।

तब पूर्वांचल में चली थी कांग्रेस की सुनामी, पार्टी ने जीती थी 400 सीटें

वाराणसी, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। चार दशक पहले पूर्वांचल में कांग्रेस की सुनामी चली थी। सभी सीटों पर कब्जा था। चार दशक पहले कांग्रेस ने 400 का करिश्माई आंकड़ा छुआ था। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद पूरे देश में कांग्रेस के प्रति सहानुभूति की लहर थी। कांग्रेस की आंधी में कई राजनीतिक धुरंधरों का सियासी तिलिस्म टूटा था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व के सहारे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने मौजूदा आम चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है, मगर कांग्रेस यह करिश्मा चार दशक पहले ही कर चुकी है। 1984 के आम चुनाव में देश में कांग्रेस की सुनामी में कई सियासी सूरमाओं को धूल चाटनी पड़ी थी। पूर्वांचल समेत समूचे देश में कांग्रेस ने अप्रत्याशित प्रदर्शन करते हुए लोकसभा की 414 सीटों पर कब्जा जमाया था। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के तुरंत बाद देश में आम चुनाव हुए थे। एनटी रामाराव की तेलुगू देशम पार्टी 30 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी।

1984 के आम चुनाव में वाराणसी सीट से श्यामलाल यादव ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की थी। उन्होंने सीपीआई-एम के ऊदल को 94.630 मतों से हराया था। श्यामलाल यादव को 1,53,076 मत मिले थे जबकि ऊदल को 58,646 मत प्राप्त हुए थे। चंदौली सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री पंडित कमलापति त्रिपाठी की पुत्रवधू चंद्रा त्रिपाठी ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की थी। रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीट से कांग्रेस के रामप्यारे पनिका को जीत हासिल हुई थी। आजमगढ़ लोकसभा सीट पर कांग्रेस के संतोष सिंह और लालगंज सीट से कांग्रेस के ही रामधन ने शानदार जीत दर्ज कर दिल्ली का रुख किया था। वहीं जौनपुर सीट से कांग्रेस के कमला प्रसाद सिंह, मछलीशहर से श्रीपति मिश्र और घोसी सीट से राजकुमार राय ने जीत दर्ज कर पूरब में कांग्रेस का झंडा बुलंद किया था।

उस चुनाव में मिर्जापुर-भदोही सीट से कांग्रेस के टिकट पर उमाकांत मिश्र विजयी हुए थे। कांग्रेस लहर में बलिया में चंद्रशेखर भी अपना दुर्ग नहीं बचा पाए थे। उन्हें कांग्रेस के जगन्नाथ चौधरी ने परास्त किया था। गाजीपुर सीट से कांग्रेस के जैनुल बशर ने जोत दर्ज की थी जबकि बलिया से सटी सलेमपुर सीट से रामनगीना मिश्र कांग्रेस के टिकट पर जीते थे। 1984 के आम चुनाव में कांग्रेस पार्टी को 49.10 फीसदी वोट हासिल हुए थे। बोटों के लिहाज से यह भी एक रिकॉर्ड है। इस रिकॉर्ड को आज तक कोई तोड़ नहीं पाया है। सीटों की बात करें तो कांग्रेस के खाते में 414 सीटें आई थीं। भाजपा को 7.74 फीसदी वोट मिले थे। हालांकि उसके खाते में सिर्फ दो सोट ही आई थी।

जनता पार्टी को 6.89 फीसदी वोट के साथ दस सीटें और लोकदल को 5.97 फीसदी वोट के साथ तीन सीटें हासिल हुई थी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी ने 22 सीटें जीती थी। उसे 5.87 फीसदी मत मिले थे। आंध्र प्रदेश को तेलुगु देशम पार्टी को कांग्रेस के मुकाबले सर्वाधिक 30 सीटें मिली थी। उसे 4.31 फीसदी वोट प्राप्त हुए थे।

पढ़ाई के लिए वीजा लेकर आए नाईजीरियाई ने बना डाला गिरोह

आगरा, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। आगरा के थाना हरीपर्वत पुलिस ने ई-कॉमर्स साइट पर प्रोडक्ट बेचने के बहाने व्यापारी से ठीक करने वाले दो विदेशी ठगो को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी तीन साल से स्टडी वीजा पर नोएडा में रह रहे थे। वहीं से अपना नेटवर्क चलाते थे।

जनवरी महीने में हरीपर्वत थाना क्षेत्र के आलू व्यापारी राजीव पा-लीवाल आठ लाख रुपए की साइबर ठगी का मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि दिसंबर में उन्होंने आलू की बोरी खरीदने के लिए ऑनलाइन 3.50 का ऑर्डर दिया था। मगर ठाकुर ने नई-नई स्कीम बात कर करीब 8 लख रुपए की ठगी कर ली।

एसीपी हरी आदित्य कुमार ने बताया कि साइबर टीम ने ई कामर्स साइट के आइपी एड्रेस के माध्यम से दो नाईजीरियन अकुम्बे बोमा और माइकल बूनवी नाम के दो आरोपियों गिरफ्तार किया। अब तक आरोपी करीब 100 से 150 व्यापारियों से करीब 15 करोड़ की ठगी कर चुके हैं। ई-कॉमर्स साइट के माध्यम से हर व्यापारी से हर सामान की डिलीवरी का आर्डर लेते थे। रुपए लेने के बाद डिलीवरी नहीं देते थे।

तस्करी का गढ़ बन रहा लखनऊ एयरपोर्ट

साढ़े आठ करोड़ की सिगरेट और 27 करोड़ का सोना बरामद

लखनऊ, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। अमौसी एयरपोर्ट तस्करी का गढ़ बनता जा रहा है। एयरपोर्ट पर तीन माह में 8.47 करोड़ रुपए की विदेशी सिगरेट व पूरे वित्तीय वर्ष में 27.09 करोड़ रुपए का सोना बरामद किया गया है। ऐसे में कस्टम की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। कस्टडी से 29 तस्करों के भागने बाद कस्टम पर शक और गहरा गया है।

अमौसी एयरपोर्ट पर खाड़ी देशों से तस्करी कर लाए जाने वाले सोने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। वहीं, बैंकॉक व दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से विदेशी सिगरेट तस्करी कर लाई जाती है। कस्टम की टीम मुस्तैदी की बात कहकर तस्करों को पकड़ रही है, कस्टम की टीम सिगरेटों की तस्करी को उजागर करती है, लेकिन सोने की तस्करी में मिलीभगत कर लेती है। एयरपोर्ट पर जनवरी से अब तक सिगरेट तस्करी के कुल 105 मामले पकड़े गए हैं, जिसमें 58,45,280 सिगरेट बरामद की गई हैं। इनकी कुल कीमत 8 करोड़ 47 लाख 37 हजार 800 रुपए है। वहीं, सोने की तस्करी की बात की जाए तो वित्तीय वर्ष में कुल 72 मामले पकड़े गए। इसमें तस्करों कुल 43,904 ग्राम सोना बरामद किया है, जिसकी कीमत 27 करोड़ 9 लाख 55 हजार 833 रुपए बताई जा रही है।

कस्टम की गिरफ्त से भाग गए 29 स्मगलर

लखनऊ, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ एयरपोर्ट से हिरासत में लिए गए 36 तस्करों के पास से कस्टम विभाग ने 3.12 करोड़ रुपए की सिगरेट बरामद की। बाद में पता चला कि तस्कर पेट में सोना छिपाकर भी लाए हैं लेकिन अगले ही दिन एक तस्कर ने बीमारी का बहाना किया। इसका फायदा उठाकर 29 तस्कर कस्टम की कस्टडी से भाग गए। बुधवार को कस्टम विभाग के सहायक आयुक्त ने एक नामजद समेत 36 पर एफआईआर दर्ज कराई।

शारजाह में एक अप्रैल की सुबह 7.10 बजे अमौसी एयरपोर्ट पहुंची फ्लाइट से उतरे 36 सिगरेट तस्करों को कस्टम विभाग की टीम ने पकड़ा था। जानकारी पर डीआरआई की टीम ने जांच की तो पता चला कि इनमें से 30 तस्कर पेट में सोना छिपाकर लाए हैं। इस बीच तस्कर मोहम्मद काशिफ ने बीमार होने का नाटक किया। अधिकारी उसकी बीमारी में उलझ गए। उसे अस्पताल भी लेकर गए। इस बीच 29 तस्कर भाग गए।

सिगरेट बरामदगी के पीछे सोना पार कराने का खेल

लखनऊ, 04 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश से सिगरेट तस्करी के पीछे एक बड़ा खेल चल रहा है। सिगरेट के साथ ये तस्कर पेट में सोना छिपाकर लाते हैं, लेकिन सिगरेट जब्तीकरण के बाद कस्टम की कस्टडी से आसानी से चले जाते हैं। इससे आसानी से करोड़ों का सोना पार कर ले जाते हैं। दूसरी तरफ कस्टम विभाग सिगरेट की बरामदगी कर गुडवर्क भी कर लेता है। दरअसल, एक अप्रैल को कस्टम ने शारजाह से आए जिन 36 तस्करों को 3.12 करोड़ की सिगरेट के साथ पकड़ा, उनमें से 30 तस्कर पेट में सोना भी छिपाकर लाए थे। दूसरे दिन 29 तस्कर कस्टम की टीम को चकमा देकर भाग गए तो यह मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंच गया था, इसलिए तत्काल पुलिस को सूचना देकर एफआईआर दर्ज कराई गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अधिकतर तस्करों के पास से सिगरेट बरामद होती है। जानकारी के मुताबिक सिगरेट साजिश के तहत लाई जाती है, ताकि टीम का ध्यान उस ओर मुड़ जाए और तस्कर आसानी से सोना लेकर एयरपोर्ट से निकल जाएं। पिछले एक साल में करोड़ों रुपए की सिगरेट बरामद हुई है। पूरी संभावना है कि वह सभी तस्कर सोना भी लाए थे। सरोजनीनगर पुलिस ने करीब एक माह पहले डेढ़ दर्जन संदिग्ध लोग पकड़े थे। ये विदेश से आए थे। पुलिस की जांच में सामने आया था कि ये लोग सोना छिपाकर लाए थे। पुलिस ने सभी तस्करों को कस्टम विभाग के सुपुर्द कर दिया था, लेकिन करीब पांच घंटे बाद ही सभी छूट गए थे। सवाल है कि आखिर उन्हें क्यों छोड़ा गया। क्या कोई कार्रवाई की गई या नहीं, इसकी कोई जानकारी नहीं है। सिगरेट की आड़ में सोना पार करने के खेल के पीछे विभागीय स्तर पर साठगांठ है। क्योंकि इतनी आसानी से कस्टडी से बिना चेकिंग एयरपोर्ट से बाहर निकलना आसान नहीं होता है। इसलिए ये बेहद गंभीर प्रकरण है।

होम टीप्स

ईकोफ्रेंडली इंटीरियर अब कॉर्क से सजाये अपना आशियाना

बोतलों के ढक्कन के रूप में प्रयुक्त होने वाले कॉर्क ने सत्तर के दशक में इंटीरियर के क्षेत्र में अपनी पैठ बनाई थी। बाद में इसकी जगह चमक दमक वाली सनमाइका व अन्य चमकीली शीट्स ने ले ली। लोगों का रुझान अब ग्रीन इंटीरियर की तरफ हुआ है ऐसे में कॉर्क की मांग एक बार फिर से बढ़ी है। इस बार 21वीं शताब्दी के रंगों में रंग कर लौटा यह कॉर्क अब घरों से लेकर ऑफिसों तक के इंटीरियर को समृद्ध बना रहा है। इतना ही नहीं, ईकोफ्रेंडली होने के साथ-साथ यह ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव भी कम करता है।

ट्रेंड कर रहा आकर्षित

कॉर्क बाथरूम के फर्श से लेकर पिनबोर्ड तक में प्रयुक्त किया जा रहा है। आज के दौर के ट्रेंड में लोग पिनबोर्ड पर कोलाज से दीवारें सजाते हैं। कॉर्क नए इंटीरियर ट्रेंड के रूप में उभरा है। इसपर विभिन्न प्रयोगों से इसे बहु उपयोगी बनाया गया है। घरों में लोग कॉर्क फिनिश चाहते हैं। घरों व रेस्टोरेंट्स में बार आदि के इंटीरियर में मैंने कॉर्क का प्रयोग किया है। हालांकि अभी इस पर ज्यादा काम नहीं किया है लेकिन अब इसका ट्रेंड काफी हद तक लोगों को आकर्षित कर रहा है।

दीवारों पर सजावटः इंटीरियर

डिजाइनर पूनम के मुताबिक कॉर्क लचीला व अभेद्य मैटीरियल होने के कारण दीवारों पर तापमान नियंत्रक के तौर पर भी काम करता है। ऐसे में इसके मौलिक रूप को विभिन्न डिजाइनों में दीवारों पर लगाया जा रहा है।

घरों के अलग-अलग कमरों में इसे अलग- अलग फिनिश में लगाया जा रहा है। दीवारों के अलावा फर्श की टाइलों के रूप में भी इसका प्रयोग किया जा रहा है। मैचिंग फर्नीचर के साथ कॉर्क के फर्श व दीवारें बनवाना लोग खासा पसंद कर रहे हैं। घरों में यह आवाज को अवशोषित करता है।

कॉर्क लाइटनिंग

कॉर्क को फर्श व दीवारों पर लगाने का प्रयोग किया जा रहा है। इंटीरियर डिजाइन हिना के मुताबिक इस समय लाइटों व झूमरों को लगाने के लिए कॉर्क की मांग बहुत अधिक है। यह लोगों को एक नई चीज लगती है। ऐसे में लोग कॉर्क लाइटनग को बहुत पसंद कर रहे हैं।

फर्नीचर व ताखों में कॉर्क

लोग फर्नीचर को नया व अनूठा लुक देने के लिए कॉर्क की डिजाईनग करवा रहे हैं। इंटीरियर डिजाइन गीतांजलि के मुताबिक टेबल, चेयर, अलमारी व स्टूल सेट आदि के अलावा छोटी स्टाइलिश ताख व खिड़कियों पर भी कॉर्क टच बेहद आकर्षक लगता है।

कई बीमारियों को छूमंतर करे कटहल

दुनिया में कई तरह के फल है, उनमें से सबसे बड़ा फल कटहल हैं। कटहल में विटामिन ए, विटामिन सी,पोटैशियम,कैलिशयम, आयरन और जिंक, जो हमारे शरीर को तंदरूस्त रखने का काम करते है। कटहल के सेवन से ब्लड शुगर को कंट्रोल में रहता है। साथ ही यह कब्ज से भी छुटकारा दिलाता है। अगर मोटापे से परेशान है तो कटहल के बीजों का सेवन कीजिए क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती हैं।

डायटिंग में तनाव...

जब भी लोग वजन घटाने के लिए डायटिंग करते हैं तो उन्हें काफी तनाव महसूस होता है और तनाव से वजन खुद-ब-खुद बढ़ने लगता है। दरअसल, डायटिंग के वक्त कुछ किलो वजन कम करने के लिए कैलोरीज की काउंटिंग करना, फूड डायरी मेंटेन करना, लो कार्ब्स फूड खाना काफी स्ट्रेसफुल हो जाता है। एक रिसर्च में ये भी पाया गया है कि कम कैलोरी खाने से स्ट्रेस हर्मोन प्रोड्यूस होता है और स्ट्रेस वजन बढ़ाता है।

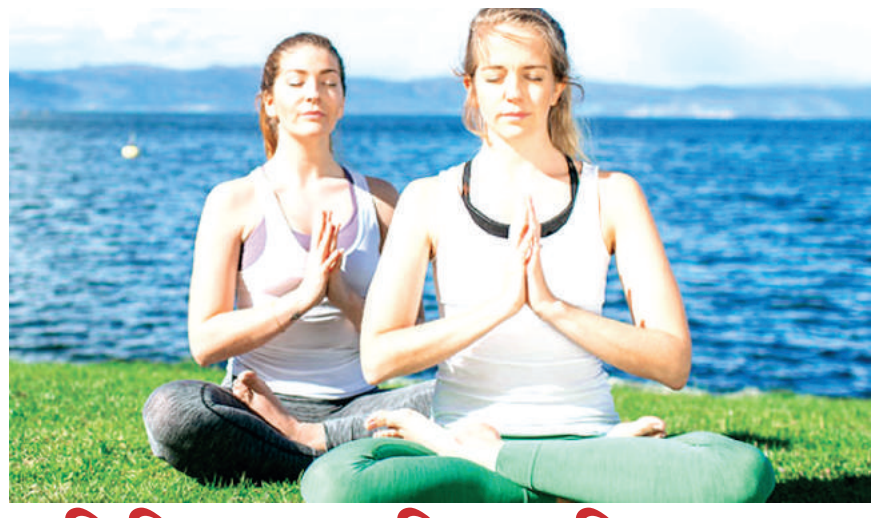

प्रतिदिन कुछ मिनट किया हुआ ध्यान तनाव कम करके खुशी की भावनाओं को बढ़ा देता है

हम लगातार हमारे शारीरिक इंद्रियों के माध्यम से जानकारी ले रहे हैं, आईटी और सोशल मीडिया लगातार श्लोक, विश्वास, समाचार और चिंतन को हमारे दिल और दिमाग में प्रसारित कर रहे हैं। जब हम ध्यान करना बंद कर देते हैं, तो सभी शोर नष्ट हो जाते हैं। इस क्षण में, अब हम एक गहरी सांस ले सकते हैं और सुन सकते हैं। हम लगातार अपनी मूर्त इंद्रियों के माध्यम से जानकारी ले रहे हैं। स्थिरता में, चुप में, सब कुछ बदल जाता है अब हम जब हम भौतिक दुनिया से दूर होकर, अपने मन की दुनिया को सुनते और सांस लेते हैं, तो हम एक गहरे स्तर पर स्वयं के साथ जुड़ना शुरू कर सकते हैं। हम ध्यान में कल्पनाशीलता और दृश्यता में ध्यान केंद्रित करते हैं। ध्यान की प्रथा एक महत्वपूर्ण चिकित्सा कला है जो जीवन में सबसे अधिक तनावपूर्ण स्थितियों में आंतरिक शांति और आंतरिक ताकत पाने के लिए उपयोगी होती है।

ध्यान से मन, शरीर और आत्मा के लाभ

शोधकर्ताओं ने ध्यान के लाभों पर एक व्यापक समीक्षा प्रकाशित की न केवल ध्यान मनाया जाता है और चिंता को दूर करने के तरीके के रूप में प्रलेखित किया जाता है, लेकिन इसका उपयोग दर्द को कम करने और अवसाद का प्रबंधन करने के लिए भी किया जा सकता है। ये लाभ सभी संभव हैं क्योंकि सहानुभूति तंत्रिका तंत्र को महत्वपूर्ण कार्यों जैसे ऑक्सीजन सेवन के रूप में गहरा साँस लेने, एक स्थिर हृदय की दर और कम रक्तचाप के लिए अधिक प्रभावी ढंग से लगाया और विनियमित किया जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर वेलनेस में ध्यान देने वाले एक पंजीकृत नर्स बर्क लैनहैहान कहते हैं कि ध्यान का लाभ सिर्फ भौतिक से परे है। यह सच है, यह आपको आपके रक्तचाप को कम करने में मदद करेगी, लेकिन इतना अधिक- यह आपकी रचनात्मकता, आपके अंतर्ज्ञान, आपके अंदरूनी आत्म के साथ आपके संबंध में मदद कर सकता है।

कई तरह के ध्यान से लोगों को अलग-अलग तरीकों से ठीक करने में सहायता मिलती है

बहुत से लोग, इसे स्वीकार नहीं करते हैं, बड़े निर्णयों और जीवन परिवर्तनों से निपटने के लिए पूरे जीवन में ध्यान के रूपों में लगे हुए हैं। ध्यान या प्रार्थना करने वाला ध्यान चलना दो सामान्य उदाहरण हैं जहां भौतिक दुनिया से एक धुन होती है और मन, हृदय या सांस को केंद्रित करती है। एक नियमित रूप से अभ्यास करते समय ध्यान का लाभ अधिक शक्तिशाली होता है, एकाग्रता मध्यस्थता एक सिखाती है कि वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए मन को कैसे निर्देशित और केंद्रित किया जाए। मनमुक्ति ध्यान एक नकारात्मक विचारों को ध्यान में रखकर मदद करता है जो मन में प्रवेश करते हैं ताकि उन्हें स्वस्थ तरीके से पेश किया जा सके। हार्ट-केंद्रित मध्यस्थता, छाती में शक्तिशाली ऊर्जा केंद्र को जागरूकता लाने में मदद करती है, जिससे भावनाओं और रिश्ते संबंधी समस्याओं का प्रबंधन होता है। संवेदनात्मक ध्यान, एक मंत्र को दोहराता है, चाहे वह एक शब्द, वाक्यांश या ध्वनि, चुप विचारों को और खुद को और सभी जीवित चीजों के संबंध में अधिक जागरूकता प्राप्त करने के लिए है। ये स्व-नियंत्रण तकनीक, तनाव को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमा करने और दूसरों के साथ अधिक सकारात्मक बातचीत करने में सहायता कर सकती है।

हर महिला के लिए जरूरी हैं ये कीचन टीप्स

हर महिला को घर का काम-काज करना पड़ता है। कई कामों के लिए तो घर में मेड लगी होती है लेकिन ज्यादातर घरों में रसोई का हर काम महिलाएं खुद ही करती हैं। कई बार जल्दबाजी में दूध उबल जाता है तो काफी परेशानी होती है। ऐसी ही कई तरह की छोटी-मोटी परेशानियां है जिन्हें कम करने के लिए ये किचन टिप्स आपके जरूर काम आएंगे।

- दाल या सब्जी को तड़का लगाते समय प्याज जल्दी फ्राई हो जाए। इसके लिए उसमें थोड़ी-सी चीनी मिला दें जिससे प्याज अच्छी तरह और जल्दी फ्राई होगा।
- दूध को जिस पतीले में गर्म करना हो उसके किनारों पर मक्खन लगा दें जिससे दूध उबल कर पतीली से बाहर नहीं निकलेगा।
- अक्सर भिंडी की सब्जी बनाते समय उसमें चिपचिपाहट आ जाती है। इसके लिए उसमें थोड़ा-सा नींबू का रस या अमचूर पाउडर मिला दें।
- गर्मियों में चीटियों की वजह से काफी परेशानी होती है। ऐसे में ट्यूबलाइट के पास प्याज की 1-2 गांठे लटका दें।
- पकौड़े बनाने के लिए काफी तेल का इस्तेमाल होता है। इसके लिए बेसन के घोल में 1 नींबू का रस मिला दें जिससे तेल कम लगेगा और पकौड़े भी स्वाद बनेंगे।

सौंदर्य

जैसा हो शादी का जोड़ा, उसी तरह हो आपकी आकर्षक नथ

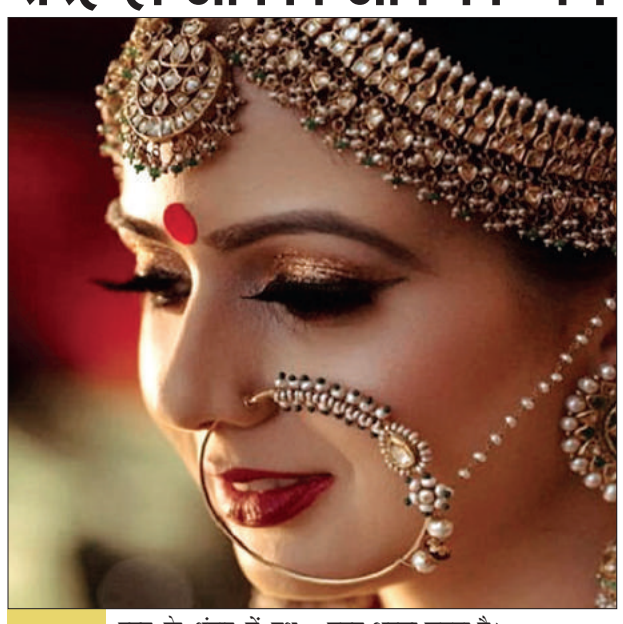

दुल्हन के श्रृंगार में नथ यानि नथनिया सबसे आकर्षक और अहम मानी जाती है। हर दुल्हन को परिवेश और समुदाय के अनुसार ही नथ पहनाई जाती है, यही नहीं इसे आन, बान और शान की निशानी माना जाता है। आजकल दुल्हनें अपनी ड्रेस और ज्वेलरी को ले कर बहुत सिलैक्टिव हो गई हैं। ऐसे में वे नथ भी पैर्टन और स्टाइल के अनुसार पहनती हैं। मांग टीका और नेकलेस के अलावा नथ भी श्रृंगार के दौरान बहुत महत्वपूर्ण होती है। नथ भी कई प्रकार की होती है।

बंगाली स्टाइल

यदि दुल्हन बंगाली है तो उसे हल्के क्रॉफ्ट वर्क वाली और चेन से जुड़ी हुई नथ पहननी चाहिए।

रिंग वाली

यदि आप बहुत सिंपल सी नथ पहनना चाहती हैं तो इसे ट्राई कर सकती हैं। यह सिंपल होने के बावजूद भी बेहद आकर्षक लगती है।

जड़ाऊ नथ

शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़े हुए लंहगे के साथ पहन सकती हैं।

मल्टीपल चेन वाली

तीन चेन वाली नथ को पहन कर देखें, आपके चेहरे का लुक ही बदल जाएगा। यह एक ट्रेडीशनल लुक देता है और इसके साथ हैवी मांग टीका भी बहुत अच्छा लगता है।

सिर्फ एक रिंग वाली

यदि आप बहुत हैवी गेटअप में नहीं हैं तो इस तरीके की नथ को पहन सकती हैं। शादी के छोटे कार्यक्रमों में भी इसे पहना जा सकता है।

ब्रांज

राजस्थानी लुक देने के लिए आप ब्रांज नोज रिंग को पहन सकती हैं। यह प्योर गोल्ड शेड की होती है और हल्का सा डल लुक देती है। इसके साथ हैवी झुमके बहुत सुंदर लगते हैं।

मराठी स्टाइल की

कई लड़कियों को मराठी नथ बहुत सुंदर लगती है। यह सफेद रंग की होती है, जिसमें पर्ल होते हैं। आप इसे भी अपनी शादी के दिन पहन सकती हैं।

छोटी-सी हूप

बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

घर को सजाते समय क्या आपसे भी होती हैं ये गलतियां?

घर को सजाने की चाह में कई बार रचनात्मकता अपना कमाल दिखाती है मगर कभी-कभी गलतियां भी हो जाती हैं। फ्लैट छोटा हो और फर्नीचर बड़ा, पेंडेंट लाइट्स ज्यादा ऊपर हों, रग्स का सही चुनाव न किया जाए तो घर बेमेल सा नजर आने लगता है। थोड़ी समझदारी बरतें तो इन गलतियों से बचा जा सकता है या इन्हें सुधारा जा सकता है।

परदे

डेकोरेशन का नियम कहता है कि पर्दे फ्लोर लेंथ से लगभग एक इंच कम हों। कई बार ये या तो फर्श को छूने लगते हैं या फिर कुछ ज्यादा ही छोटे हो जाते हैं। डेकोर की यह आम समस्या है।

टिप

बेहतर होगा कि पहले दरवाजे या खिड़कियों की नाप सही ढंग से लें। अगर फैब्रिक सिल्क का नहीं है तो हाइट थोड़ी ज्यादा रखें क्योंकि कई बार कॉटन फैब्रिक धोने के बाद सिकुड़ जाता है। वैसे इस समस्या से बचने के लिए इन्हें ड्राईक्लीन कराएं या फिर घर में धोने के बाद अच्छी तरह इस्तरी करें।

फोटो फ्रेम्स

कई बार फैमिली फोटो फ्रेम्स या पेंटिंग्स की हाइट इतनी ऊंची हो जाती है कि उनकी डिटेलिंग समझ नहीं आती। ग्रुप में लगे फ्रेम्स

अच्छे जरूर लगते हैं लेकिन इतने भी नहीं कि पड़े। पूरी दीवार पर यही नजर आने लगें।

टिप

अगर घर में आर्ट गैलरी न खोलना चाहती हों तो फ्रेम्स को ज्यादा हाइट पर न लगाएं। इन्हें फर्नीचर से 10-12 इंच या फ्लोर से लगभग 5 फिट ऊपर लगाएं ताकि ये आसानी से नजर आ सकें। व्यावहारिक सुझाव यह है कि फ्रेम्स इतने ऊपर हों कि सामान्य हाइट वाला व्यक्ति भी इन्हें देख सके और लोगों को अपनी गर्दन को स्ट्रेच करके इन्हें न देखना

कार्बन कॉपी

सभी लोग किसी न किसी इंटीरियर थीम से प्रेरित होते हैं। दोस्तों, कलीग्स के घरों के अलावा फिल्मों-टीवी सीरियल्स और पत्रिकाओं में प्रकाशित घर भी उन्हें प्रेरित करते हैं। कई बार वे वैसी ही सजावट अपने घर में चाहते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि अपने घर को दूसरे के घरों की कार्बन कॉपी बना दें। घर में अपनी निजी पसंद, शौक, व्यक्तित्व, प्रोफेशन और स्टाइल की झलक भी मिलनी चाहिए।

टिप

किसी से प्रेरित होने से पहले सोचें कि क्या वह खास पैटर्न, फर्नीचर, फैब्रिक या वॉल कलर आपके घर के साइज, जरूरतों और उसमें रहने वालों की पसंद के अनुरूप है? घर में अपने व्यक्तित्व और रचनात्मकता की छाप होनी चाहिए। यह बात जरूर ध्यान में रखें कि घर रहने के लिए होता है। उसे इतना न सजाएं कि वह फाइव स्टार होटल में तब्दील हो जाए।

लाइटिंग

अमूमन घरों में सीलिंग या ओवरहेड लाइटिंग की व्यवस्था होती है। यूं भी फ्लैट सिस्टम में बिल्डर जितना देता है, उतने में ही संतुष्ट होना पड़ता है मगर कई बार लाइटिंग की अपर्याप्त व्यवस्था घर को नीरस या उदासीन बना देती है। इसलिए सीलिंग लाइट्स के अलावा भी घर में लाइटिंग की उचित व्यवस्था करें।

टिप

थोड़ा सा मेकओवर घर को जीवंत और ऊर्जा से भरा हुआ बना सकता है। घर की लाइटिंग में फेरबदल करें। फॉल्स सीलिंग के अलावा फ्लोर लैंप्स, पेंडेंट लाइट्स, टास्क लाइटिंग और ओवरहेड लाइटिंग लगवाएं। जिन आर्ट पीसेज या पेंटिंग्स को हाइलाइट करना चाहते हैं, उनमें हाइलाइटर लगवाएं।

दीवार से सटे फर्नीचर

स्पेस मैनेजमेंट कहें या सजावट का पारंपरिक तरीका, अमूमन घरों में फर्नीचर को दीवार से सटाने का नियम चला आ रहा है। कई घरों में तो सेंटर टेबल भी सेंटर के बजाय दीवार से सटा कर रखी जाती है। इस फ्लोर प्लैन में थोड़ा सा बदलाव जरूरी है।

टिप

भले ही घर छोटा हो, अपने सारे फर्नीचर्स दीवार से सटा कर न रखें। दीवार से 2-3 इंच दूरी पर सामान रखेंगे तो न सिर्फ जगह ज्यादा खुली दिखेगी बल्कि फर्नीचर और दीवार की खूबसूरती भी निखर कर आएगी।

ड्रॉइंग रूम

अमूमन घरों में लिविंग स्पेस या ड्रॉइंग रूम के डेकोर पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। कारण यह है कि मेहमानों का स्वागत यहीं होता है। इस कारण कई बार ड्रॉइंग रूम में सारी सुंदर कलाकृतियां, देश-विदेश से खरीदी गई पेंटिंग्स या आर्ट पीसेज, कार्पेट्स, रग्स, लैंप्स, अवॉर्ड्स गिफ्ट्स सजा दिए जाते हैं। छोटे से स्पेस में इतने फोकल पॉइंट्स न तैयार करें कि नजर कहीं भी ठहर न पाए।

टिप

जरूरी नहीं कि सारे फोटो फ्रेम्स ड्रॉइंग रूम में लगा दें, सीढ़ियों के नीचे या पैसेज में भी इन्हें लगवा सकते हैं। अवॉर्ड्स को शोकेस करना चाहते हैं तो बार को डाइनिंग एरिया या कमरे के किसी दूसरे कॉर्नर पर शिफ्ट करें।

रेसिपी

वेज शामी कबाब

सामग्री

1 कप काले चने (उबले हुए), 1 प्याज (कटा हुआ), 1 चम्मच पुदीने की पत्तियां, 1 चम्मच धनिए की पत्तियां, 1 चम्मच धनिया पाऊडर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, 1 हरी मिर्च (कटी हुई), 1/2 चम्मच अदरक का पेस्ट, 1/2 चम्मच गरम मसाला पाऊडर, 2 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, तेल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले एक बाउल में उबले हुए चने, प्याज, पुदीने की पत्तियां, धनिए की पत्तियां, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, अदरक का पेस्ट, गरम मसाला, बेसन और नमक डालकर अच्छी तरह से मैश करके मिक्चर तैयार कर लें। अब छोटे से मिक्चर को हाथ में ले और उसे कबाब का आकार दें। इसी तरह से बाकी के सारे कबाब तैयार कर लें। पैन में तेल डालकर गर्म करें। अब कबाब को तेल में डालकर फ्राई करें। फ्राई करने के बाद इन्हें प्लेट में निकाल लें। शामी वेज कबाब तैयार है। इसे चटनी के साथ सर्व करें।

सूजी ड्राय फ्रूट गुजिया

सामग्री

मैदा - 2 कप (250 ग्राम), घी - द कप (60 ग्राम), दही या दूध - 1/4 कप, **स्टफिंग के लिए:** सूजी - 3/4 कप (150 ग्राम), पाउडर चीनी - 3/4 कप, ड्राय फ्रूट्स - 1 कप (काजू, अखरोट, बादाम, किशमिश), छोटी इलायची - 7-8, घी - गुजिया तलने के लिए और सूजी भूनने के लिए

विधि

मैदा को किसी बर्तन में निकाल लीजिए, घी और दही आटे में डाल कर, अच्छी तरह मिलाइए। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए पूरी के आटे से थोड़ा सख्त आटा गूंथ लीजिए। आटे को आधे घंटे के लिए ढककर रख दीजिए। **स्टफिंग बना लीजिएः** सभी ड्राय फ्रूट्स छोटे छोटे काट कर तैयार कर लीजिए और इलायची को छीलकर पाउडर बना लीजिए। कढ़ाई में 2 टेबल स्पून घी डालकर गरम कीजिए। घी में सूजी डालकर लगातार चलाते हुए हल्का गोल्डन ब्राउन होने तक भूनिए। सूजी के भूनने पर इसमें कटे हुए ड्राय फ्रूट्स डाल दीजिए और 1-2 मिनिट मिक्स करते हुए भून लीजिए। आटे को मसल-मसल कर मुलायम कीजिए, और आटे से छोटी छोटी 25 लोई तोड़ कर बना लीजिए, लोइयों को ढककर रखिए। सूजी के हल्का ठंडा होने पर इसमें पाउडर चीनी और इलायची का पाउडर डाल कर मिला लीजिए। एक लोई निकालिए 3-4 इंच के व्यास में पूरी बेलिए, बेली हुई पूरी थाली में रखते जाइए। अब इन्हें भर कर गुजिया तैयार कर लीजिए। एक पूरी उठाइए, पूरी को सांचे के ऊपर रखिए। एक या डेढ़ चम्मच स्टफिंग पूरी के ऊपर डालिए, किनारों पर उंगली के सहारे से पानी लगाइए। इसी तरह सारी गुजिया बेल कर भर कर बना कर तैयार कर लीजिए। **गुजिया तल लीजिएः** मीडियम गरम घी में गुजिया डालिए और हल्के ब्राउन होने तक पलट-पलट कर तल लीजिए। कढ़ाई से गुजिया, तिशु पेपर बिछी प्लेट में निकालिए। गुजिया तैयार हैं, गरमा गरमा गुजिया परोसिये और खाइए।

संपादकीय

सांसद को जमानत

दिल्ली के शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को जमानत मिलना उनकी बेगुनाही का प्रमाण-पत्र नहीं है। जमानत का वैधानिक, तकनीकी आधार भी है और न्यायाधीशों के विवेक का विशेषाधिकार भी है। संजय सिंह अब भी आरोपित हैं। मुकदमा जारी रहेगा और देश को अंतिम निष्कर्ष की प्रतीक्षा रहेगी, लेकिन धनशोधन निरोधक अधिनियम में 181 दिन के बाद ही जमानत मिलना आश्चर्य भी है। आश्चर्य यह नहीं है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमानत का विरोध क्यों नहीं किया? बल्कि जमानत के लिए अपनी सहमति भी क्यों दी? जिन्होंने अदालत की कार्यवाही नहीं देखी अथवा कानून की परिधियों से वाकिफ नहीं हैं, वे ऊल-जलूल टिप्पणियां कर रहे हैं और ईडी की पराजय आंक रहे हैं। दरअसल सर्वोच्च अदालत के तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने ईडी की मर्यादा और गरिमा का ख्याल रखा और आरोपित संजय सिंह के मानवाधिकारों का भी सम्मान किया। 'आप' सांसद बीती 4 अक्तूबर से ईडी की हिरासत और बाद में तिहाड़ जेल में बंद थे। उन पर कई आरोप हैं, लिहाजा उनकी जमानत याचिकाएं खारिज भी की गईं, लेकिन इस पूरे अंतराल में रिश्वत का कोई पैसा बरामद नहीं हुआ। कुछ जब्ती बगैरह भी नहीं की गई। मनी ट्रेल भी साबित नहीं की जा सकी, लिहाजा इस बार संजय सिंह ने याचिका दाखिल की, तो कमोबेश जस्टिस संजीव खन्ना ने कुछ सवाल किए। पीठ में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस पीबी वराले भी शामिल थे। बहरहाल सवाल किया गया कि यदि कोई रिश्वत लेता है, तो क्या पीएमएलए में आपराधिक कार्यवाही शुरू करने से पहले रिश्वत की राशि कुर्क होनी चाहिए? न्यायिक पीठ की निर्णायक टिप्पणी यह थी कि याचिकाकर्ता लगभग 6 महीने से जेल में है। तथ्य यह है कि दिनेश अरोड़ा के पहले 9 बयानों में कुछ नहीं है। क्या अब भी संजय सिंह की हिरासत की जरूरत है? यदि केस की मेरिट पर जाएं, तो यदि हमें लगता है कि निर्देशों की आवश्यकता है, तो हम जरूर देंगे, लेकिन ध्यान रखें कि हमें कानून की धारा 45 के अनुसार याची के पक्ष में निरीक्षण करना है। इसके निहितार्थ को समझें। यह सुनवाई का ऐसा मोड़ था, जहां पीठ ने ईडी को चेतावनी दी थी। उसके बाद लंच का समय हो गया। दरअसल अदालत ने कहा था कि यदि ईडी जमानत का विरोध करता है, तो वह पीएमएलए के तहत अर्जी पर विचार करेगी। ऐसे में यदि अदालत जमानत देती है, तो शराब नीति का पूरा केस कमजोर हो जाता है। लिहाजा लंच के बाद ईडी के वकील एसवी राजू ने मेरिट पर गए बिना ही कह दिया कि संजय सिंह को जमानत देने में ईडी को कोई आपत्ति नहीं है। न्यायिक पीठ ने भी जमानत दे दी, लेकिन यह भी कहा कि यह आदेश 'मिसाल' के तौर पर नहीं है। चूंकि संजय सिंह राजनीति से जुड़े व्यक्ति हैं, लिहाजा वह अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं, लेकिन इस केस से जुड़ा बयान न दें। बहरहाल 'आप' जश्न के मूड में है और इस न्यायिक फैसले को 'सत्य की जीत' करार दे रही है। संजय सिंह उस वक्त जेल से बाहर आए हैं, जब दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन तिहाड़ जेल में कैद हैं। वे सभी 'आप' के संस्थापक और शीर्ष नेताओं में शामिल हैं। अब संजय सिंह जेल से मुक्त हुए हैं, तो कहा जा सकता है कि पार्टी पर एक बड़े नेता का साया और संरक्षण रहेगा। यह महत्वाकांक्षा भी जाग सकती है कि संजय खुद को पार्टी के 'नंबर दो' नेता के तौर पर स्थापित करें। 'आप' में सत्ता-संघर्ष भी छिड़ सकता है। संजय सिंह खुद को लोकसभा चुनाव का 'स्टार प्रचारक' भी घोषित कर सकते हैं। फिलहाल मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में ईडी को चुनौती दी है और अपनी गिरफ्तारी को गलत करार दिया है। फैसला बुधवार को ही आना था। मनीष सिसोदिया की याचिका पर भी 6 अप्रैल को अदालत में सुनवाई है।

सांसद संजय सिंह को जमानत मिलना उनकी बेगुनाही का प्रमाण-पत्र नहीं है। जमानत का वैधानिक, तकनीकी आधार भी है और न्यायाधीशों के विवेक का विशेषाधिकार भी है। संजय सिंह अब भी आरोपित हैं। मुकदमा जारी रहेगा और देश को अंतिम निष्कर्ष की प्रतीक्षा रहेगी, लेकिन धनशोधन निरोधक अधिनियम में 181 दिन के बाद ही जमानत मिलना आश्चर्य भी है। आश्चर्य यह नहीं है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमानत का विरोध क्यों नहीं किया? बल्कि जमानत के लिए अपनी सहमति भी क्यों दी? जिन्होंने अदालत की कार्यवाही नहीं देखी अथवा कानून की परिधियों से वाकिफ नहीं हैं, वे ऊल-जलूल टिप्पणियां कर रहे हैं और ईडी की पराजय आंक रहे हैं। दरअसल सर्वोच्च अदालत के तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने ईडी की मर्यादा और गरिमा का ख्याल रखा और आरोपित संजय सिंह के मानवाधिकारों का भी सम्मान किया। 'आप' सांसद बीती 4 अक्तूबर से ईडी की हिरासत और बाद में तिहाड़ जेल में बंद थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं

इंडिया की लोकतंत्र बचाओ महारैली के बेसुरे स्वर

ललित गर्ग

विपक्षी गठबंधन इंडिया की लोकतंत्र बचाओं महारैली में जुटे 28 दलों के नेता आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से कोई प्रभावी संदेश देने में नाकाम रहे हैं। भले ही चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने में कामयाबी हासिल की हो। लेकिन यह एकजुटता भ्रष्ट नेताओं को बचाने की एक मुहिम ही बनकर सामने आयी है। इसमें स्पष्ट रूप से केन्द्र सरकार की भ्रष्टाचार पर गई कार्रवाई की बौखलाहट झलक रही थी। इस रैली में सभी दलों के नेताओं ने देश विकास के मुद्दों, सिद्धान्तों एवं नैतिक तकाजे की बजाय मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं।

दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की लोकतंत्र बचाओं महारैली में जुटे 28 दलों के नेता आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से कोई प्रभावी संदेश देने में नाकाम रहे हैं। भले ही चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने में कामयाबी हासिल की हो। लेकिन यह एकजुटता भ्रष्ट नेताओं को बचाने की एक मुहिम ही बनकर सामने आयी है। इसमें स्पष्ट रूप से केन्द्र सरकार की भ्रष्टाचार पर गई कार्रवाई की बौखलाहट झलक रही थी। इस रैली में सभी दलों के नेताओं ने देश विकास के मुद्दों, सिद्धान्तों एवं नैतिक तकाजे की बजाय मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं। लोकतंत्र बचाओ रैली से उपजे विचारों ने किन्हीं पवित्र उद्देश्यों के बजाय सत्ता हासिल करने की लालसा को ही उजागर किया, यह निराश करने वाली रैली किसी बड़े बदलाव की वाहक बनती हुई नजर नहीं आयी। इस रैली में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शानदार जीत की संभावना से बौखलाए नेताओं की खींच ही ज्यादा सामने आयी है। यही कारण है कि रैली में जो मुद्दा जोरशोर से उठा, वह यह रहा कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गई तो लोकतंत्र ही खत्म हो जाएगा और संविधान भी। यह समझना कठिन है कि कोई दल लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करता है तो उससे लोकतंत्र और संविधान कैसे खतम हो जाएगा। आम जनता के मतों से जीत हासिल करने वाला दल किस तरह से लोकतंत्र को ध्वस्त करने वाला हो सकता है। विपक्षी एकता का यह महाकुंभ मोदी को कोसने की बजाय किन्हीं ठोस मुद्दों के सहारे कोई प्रभावशाली विमर्श खड़ा करने की कोशिश करता तो वह आम जनता को आकर्षित करता और यही स्वस्थ राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक होता। लेकिन ऐसा न होना समूचे देश के विपक्षी दलों की नाकामी, उद्देश्यहीनता एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का द्योतक है। इस रैली में अनेक मुद्दे

उठे, जिनमें प्रमुख रहा केंद्रीय एजेंसियों का कथित दुरुपयोग और राजनीतिक भ्रष्टाचार। प्रियंका गांधी ने इस रैली में सरकार के सामने पाँच माँगें रखीं। इनमें प्रमुख दो हैं जिनमें चुनाव आयोग से माँग की गई है कि विपक्षी नेताओं पर छापों की कार्रवाई रोकी जाए। दूसरी और महत्वपूर्ण माँग ये है कि गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। इस रिहाई की माँग के पीछे कांग्रेस का उद्देश्य बचे-खुचे संगठनों या पार्टियों को इंडिया गठबंधन से जोड़े रखना है। नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे मज़बूत खम्भे पहले ही उखड़ चुके हैं इसलिए जो कुछ बचा है उसे कांग्रेस समेटे रखना चाहती है, यही उसकी विवशता है। वैसे, इंडिया गठबंधन के घटक दलों के आपसी अंतर्विरोध की छाया भी इस रैली दिखी। कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि विरोध किसी खास व्यक्ति से जुड़ा नहीं बल्कि मौजूदा सरकार की तानाशाही के खिलाफ केंद्रित है। जबकि इस रैली का मकसद आम आदमी पार्टी की तरफ से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करना बताया गया। यहां आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच के अन्तर्विरोध को सहज ही समझा जा सकता है। यह रैली भले ही अठाइस दलों का जमावड़ा बनी, इसे विपक्षी दलों की एकजुटता का प्रदर्शन भी कहा गया है। लेकिन जबसे इंडिया गठबंधन बना है, तब से उसमें टूट एवं बिखराव के स्वर सुनाई दे रहे हैं। विचारभेद के साथ मनभेद भी सामने आये हैं। महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक तमाम राज्यों में टिकट बंटवारे के सवाल पर इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों की आपसी खटपट की खबरें भी आ रही थीं। भले ही ये विवाद गिनी-चुनी सीटों को लेकर थे, लेकिन संदेश स्पष्ट था कि चुनाव सिर पर आने के बाद भी इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एकजुट नहीं हो पा रहे। रामलीला मैदान की रैली के जरिए इन दलों ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि मोदी विरोध एवं भाजपा को सत्ता से दूर करने के मुद्दों पर वे एक स्वर में बोल सकते हैं और लगातार बोलते भी रहे हैं, फिर उसके लिये इस महारैली की क्या जरूरत? निश्चित ही एकजुटता के ये स्वर बेसूरे, असहज एवं बनावटी है, इंडिया गठबंधन के राजनैतिक क्षितिज पर जो वरिष्ठ राजनेता हैं उनकी आवाज व किरदार भारतीय जीवन को प्रभावित नहीं कर रहा है। इंडिया गठबंधन से जुडे.दलों की केन्द्र एवं प्रांतों की सरकारों के शासन-काल में तो अपराध, भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, आतंकवाद, प्रांतवाद, जातिवाद की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगलता रहा है। सब अपनी जातियों और ग्रुपों को मजबूत करते रहे हैं-- देश को नहीं। प्रथम पंक्ति का नेता ही नहीं है जिसे मोदी के मुकाबले में खड़ा किया जा सके। भारत के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी। दो तरह के नेता होते हैं- एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो आज भी वे भारत को विकास की नई ऊंचाइयां दे सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इंडिया गठबंधन की चोटी से लेकर प्रांत स्तर पर, समाज स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है।

दृष्टि कोण

प्रदेश में भी बने भारत मंडपम

लगभग 150 एकड़ क्षेत्र में निर्मित प्रगति मैदान भारत के सबसे बड़े प्रदर्शनी केंद्रों में से एक है और दिल्ली में प्रदर्शनियों और सम्मेलनों के लिए महत्वपूर्ण स्थल है। भारत ने जी-20 के आयोजन के दृष्टिगत वास्तुशिल्प की अनूठी उपलब्धि को जोड़ते हुए प्रगति मैदान, नई दिल्ली में एक नए कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम का निर्माण करवाया है जो आधुनिकता का परिचायक भी है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम, आर्कोप एसोसिएट्स और एडास सिंगापुर द्वारा पुनः डिजाइन किया गया एक प्रतिष्ठित भवन है जो देश की वास्तुकला को परिभाषित करता है और उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति और ज्ञान केंद्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करता है। यहां बड़े प्रदर्शनी स्थल और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ 4800 यात्री कार इकाइयों (पीसीयू) की पार्किंग सहित अन्य संबंधित सुविधाएं स्थापित की गई हैं। इसी के साथ इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) एक अत्याधुनिक, विश्वस्तरीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर बनाने की दृष्टि से भारत सरकार की एक प्रमुख परियोजना है जो आकार और गुणवत्ता में, अंतरराष्ट्रीय और साथ ही राष्ट्रीय बैठकों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और व्यापार शो के लिए एक कुशल और गुणवत्तापूर्ण आयोजन स्थल की पेशकश करता है। 25703 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से यह परियोजना सेक्टर-25, द्वारका में विकसित की जा रही है और इसे लगभग 303000 वर्ग मीटर के साथ केंद्रीय व्यापार जिले (सीबीडी) के पैमाने पर बनाने की कल्पना की गई है। प्रदर्शनी स्थल का क्षेत्रफल 60000 वर्ग मीटर है, जबकि सम्मेलन क्षेत्र का क्षेत्रफल 50000 वर्ग मीटर है। यहां बहुउद्देश्यीय क्षेत्र के साथ-साथ खुदरा, वाणिज्यिक कार्यालयों, आतिथ्य उपयोगकर्ताओं के लिए मनोरंजन और जीवन शैली को दर्शाने वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त स्थान है। यह सुविधा देश में अपनी तरह की पहली होगी जिसमें प्रदर्शनी हॉल में बड़े कॉलम मुक्त स्थान होंगे और बड़े पैमाने पर रक्षा और एयरोस्पेस प्रदर्शनियों की मेजबानी करने की क्षमता होगी। कन्वेंशन सेंटर परिसर में 11000 प्रतिनिधियों के बैठने की क्षमता होगी और 6000 लोगों की क्षमता वाला एक विश्वस्तरीय हॉल होगा। आज आवश्यकता है कि केंद्र सरकार छोटे स्तर पर पर ही सही, भारत मंडपम की तर्ज पर प्रत्येक राज्य के दो-तीन महत्वपूर्ण शहरों में आधुनिक एवं सुविधाओं से परिपूर्ण प्रदर्शनी स्थलों का निर्माण करवाए, ताकि नई दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रदर्शनियों की तरह के आयोजनों को राज्यों के नागरिक भी निकटता से देख सकें। पिछले दिनों 7 मार्च से 11 मार्च 2024 तक भारत की एक महत्वपूर्ण प्रदर्शनी 'आहार मेले' का आयोजन प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया गया। आहार खाद्य और आतिथ्य में एशिया का सबसे प्रसिद्ध ब्रांड है। मैं स्वयं इस प्रदर्शनी को देखने के लिए दिल्ली में मौजूद था। हर वर्ष की तरह इस मेले में पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। इस आहार मेले में देश-विदेश के 1800 से ज्यादा एग्जीबिटर्स हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। आहार प्रदर्शनी में रोजमर्रा की जिंदगी से लेकर बिजनेस की कई महत्वपूर्ण जानकारियां वहां आने वाले लोगों को मिलीं। अलग तरह के चॉकलेट बॉक्सेस से लेकर घर के पर्दे, किचन हैक्स का सामान और विदेशी खानपान भी चखने को मिले। पिज्जा, चाइनीज ड्राइफ्रूट्स, डिजाइनर क्रॉकरी और फूड इंडस्ट्री में इस्तेमाल की जाने वाली अत्याधुनिक मशीनों का भी वहां प्रदर्शित किया गया। कई स्टॉलों में लोगों को कई स्वादिष्ट डिश भी चखने को दी गईं। जिन लोगों को ऐसे इवेंट्स में जाना पसंद हो और समयाभाव के कारण बड़े शहरों का रुख नहीं कर पाते हैं, उनकी सुविधा के लिए छोटे राज्यों में भी प्रगति मैदान की तर्ज पर कम से कम 2-3 हॉल वाले प्रदर्शनी स्थलों का निर्माण आज के दौर की मांग है और वैसे भी दिल्ली जैसे बड़े एवं महंगे महानगर में रहना आम आदमी के बलबूते से बाहर की बात है। यह सर्वविदित है कि सूरजकुंड और दिल्ली हाट जैसे मेला आयोजन स्थलों में भी लाखों की संख्या में लोगों की भागीदारी रहती है। दो वर्ष पूर्व मंडी में एफएसएसएआई द्वारा एक दिवसीय 'ईट राइट' मेले का आयोजन इंदिरा मार्केट की खुली छत पर किया गया था। जाहिर है कि हिमाचल के नित बदलते मौसम के दृष्टिगत खुली जगहों में ऐसे आयोजन में भाग लेने वाले व्यापारियों के साथ-साथ दर्शकों को भी असुविधा होती है। इस मेले में मंडी जिला के विभिन्न स्थानों से आए महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों ने लोकल खाद्य उत्पादों के स्टॉल लगाए थे और इसके साथ ही विभागीय प्रदर्शनियों को भी लोगों की जानकारी के लिए लगाया गया। इनके जरिए लोगों को अच्छे भोजन के बारे में जागरूक और पौष्टिक भोजन की आदत बारे प्रेरित किया गया। हिमाचल सरकार शिमला में हिमाचल हाट बनाने जा रही है। हिमाचल हाट बनने से शिमला में पर्यटकों और स्थानीय लोगों को प्रदेश के हर जिला का पारंपरिक भोजन हर समय उपलब्ध रहेगा और वह कभी भी इसका आनंद ले पाएंगे। इसी प्रकार हर जिला मुख्यालय पर जगह उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वह अपने उत्पादों की वहां बिक्री कर आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अतिरिक्त हिमाचली धाम और अन्य पारंपरिक व्यंजनों के पेटेंट के संबंध में भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। वर्तमान दौर में अब भारतीय बड़ी संख्या में भारत के अन्य राज्यों में पर्यटन हेतु आ-जा रहे हैं और विदेशी भी भारत घूमने आ रहे हैं, लिहाजा ऐसे भव्य मंडपों का निर्माण और एक छत के ही नीचे सभी जानकारियों का प्रदर्शन न केवल राज्यों की प्राचीन संस्कृति, इतिहास एवं शिल्पकला आदि को रेखांकित करेगा, अपितु स्थानीय लोगों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे बदलावों से अवश्य ही अवगत और अद्यतन रखेगा।

कुछ अलग

ढाई आखर प्रेम का

हमारे संतों, ऋषियों, मुनियों, मनीषियों ने सीख दी है कि मनुष्यों से ही नहीं, सभी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों तक से प्रेम करो। इस सृष्टि की हर वस्तु से प्रेम और पूर्ण समर्पण और विश्वास के साथ भक्ति, अध्यात्म की महत्वपूर्ण सीढ़ियां हैं। गुरु नानक देव जी, संत कबीर, संत रविदास, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, योगी राज प्रभु राम लाल जी, गुरुदेव ओम स्वामी जी आदि की शिक्षाओं का सार भी यही है। ये सब दिव्य आत्माएं हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं। यह एक कड़वा सच है कि बहुत बार अपने ज्ञान के अभिमान में विशेषज्ञों का नजरिया संकुचित हो जाता है और वे अपनी किताबी सीख से आगे नहीं जा पाते, और जीवन की कई सच्चाइयों को अस्वीकार करके उनसे अनभिज्ञ रह जाते हैं। विज्ञान की बात तो छोड़िए, विभिन्न धर्मों में भी गहरे मतभेद हैं। कोई धर्म जन्म-जन्मांतर की बात करता है तो कोई पुनर्जन्म को ही नहीं मानता। धर्म फिर एक शारीरिक चीज है, कर्मकांड है, अध्यात्म उससे कहीं आगे की बात है। यही कारण है कि ऋषियों मुनियों ने धर्म की नहीं बल्कि अध्यात्म की बात की है। पुनर्जन्म की ही बात करें तो बहुत से धर्म इस विचार को पूरी तरह से नकारते हैं, लेकिन सच यह भी है कि पुनर्जन्म के बहुत से साक्ष्य दुनिया भर में उपलब्ध हैं और उन पर कोई विवाद नहीं है। यही हाल विज्ञान का भी है। यही कारण है कि एक सीमा के बाद विज्ञान आगे नहीं बढ़ पाता, तो फिर हमें अध्यात्म का सहारा लेना पड़ता है। अध्यात्म बहुत सहज है, बहुत सरल है, उसे समझना भी कठिन नहीं है, परंतु आधुनिकता के चक्कर वाले व्यक्ति के लिए उसकी थाह पाना कठिन है। प्रतियोगिता के युग में जी रहा व्यक्ति समझ ही नहीं पाता कि पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोड़कर हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सबकी जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढियां चढ़ जाते हैं। हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। बस हमें यह समझना जरूरी है कि आध्यात्मिक होने के लिए, बोध पाने के लिए घर, निर्वाण के लिए या परमात्मा को पाने के लिए घर, परिवार, दुनिया छोड़ कर संत बन एकमात्र रास्ता नहीं है। यह कोई नहीं कहता कि संत बन जाना गलत है। यह कोई नहीं कहता कि कर्मकांड गलत है। यह कोई नहीं कहता कि दुनिया छोड़ कर हिमालय पर कठिन तपस्या करना गलत है। पर सच यही है कि बुद्ध हो जाने के बहुत से रास्तों में से यह भी एक रास्ता है। चूंकि बोधिसत्व प्राप्त करने के कई रास्ते हैं, इसलिए किसी अन्य मत की आलोचना नहीं होनी चाहिए। परमात्मा एक है, पर परमात्मा तक पहुंचने के रास्ते कई हैं। 'सहज संन्यास मिशन' के अनुगामी के रूप में मेरा मानना है कि दुनिया माया नहीं है, जीवन सपना नहीं है। हम जीवित हैं, हमें एक शरीर मिला है और हम इस दुनिया में हैं, तो यह भी एक सच है, और इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। दुनिया में रहकर दुनिया वालों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। जीवन का पाठ यही है। सहज संन्यास के अनुयायियों की एक और मान्यता यह है कि हर व्यक्ति की स्थितियां अलग हैं।

देश दुनिया से

कोचिंग राष्ट्र बनने की दिशा में देश

भारत के 14 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं के बीच शिक्षा के निराशाजनक परिदृश्य पर रोशनी डालती है। पढ़ने के कौशल में आठवीं कक्षा के 30 फीसदी ग्रामीण छात्र दूसरी कक्षा के मानक पाठ नहीं पढ़ सकते। इसी तरह अंकगणित कौशल में आठवीं कक्षा के 55 फीसदी ग्रामीण छात्र बुनियादी भाग करने में असमर्थ थे। जबकि अंग्रेजी समझ एवं कौशल में, आठवीं कक्षा के आधे ग्रामीण छात्र आसान वाक्यों को पढ़ने में असमर्थ थे और जो पढ़ सकते थे, उनमें से लगभग एक तिहाई छात्र अर्थ बताने में असमर्थ थे। स्कूली शिक्षा में सीखने के अपर्याप्त परिणामों को देखते हुए समकालीन भारत में कोचिंग संस्थानों का विस्तार होना स्वाभाविक है।

शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 2023, ग्रामीण भारत के 14 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं के बीच शिक्षा के निराशाजनक परिदृश्य पर रोशनी डालती है। पढ़ने के कौशल में आठवीं कक्षा के 30 फीसदी ग्रामीण छात्र दूसरी कक्षा के मानक पाठ नहीं पढ़ सकते। इसी तरह अंकगणित कौशल में आठवीं कक्षा के 55 फीसदी ग्रामीण छात्र बुनियादी भाग करने में असमर्थ थे। जबकि अंग्रेजी समझ एवं कौशल में, आठवीं कक्षा के आधे ग्रामीण छात्र आसान वाक्यों को पढ़ने में असमर्थ थे और जो पढ़ सकते थे, उनमें से लगभग एक तिहाई छात्र अर्थ बताने में असमर्थ थे। स्कूली शिक्षा में सीखने के अपर्याप्त परिणामों को देखते हुए समकालीन भारत में कोचिंग संस्थानों का विस्तार होना स्वाभाविक है। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 2022 ने बताया कि कक्षा एक से आठवीं तक के 30.5 फीसदी ग्रामीण छात्र सशुल्क निजी कोचिंग कक्षाएं ले रहे थे। स्कूली शिक्षा में मूलभूत कौशल और गहन सोच कौशल की कमी के कारण निजी कोचिंग पर निर्भरता जरूरी हो गई है। जैसे-जैसे छात्र उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, कोचिंग पर निर्भरता बढ़ती जाती है। भारत एक

कोचिंग राष्ट्र में बदल गया है, न केवल महानगरीय शहरों में, बल्कि छोटे शहरों में भी। सरकारी नौकरियों की इच्छा, जो सामाजिक सुरक्षा के साथ आती है, शायद ग्रामीण छात्रों को आगे बढ़ने के लिए यही एकमात्र रास्ता हो। भारत के 91 फीसदी कार्यबल अनौपचारिक रोजगार में है, जिसे सामाजिक बीमा के बिना रोजगार के रूप में परिभाषित किया गया है, अर्थात वृद्धावस्था पेंशन, मृत्यु/विकलांगता बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ इत्यादि से वंचित रोजगार। वर्ष 2022-23 में स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर 13.4 फीसदी और स्नातकोत्तर और उससे ऊपर के लोगों के लिए 12.1 फीसदी रही, जो राष्ट्रीय औसत बेरोजगारी दर 3.2 फीसदी (15 वर्ष और उससे अधिक आयु) से लगभग चार गुना है। भारत में बेरोजगारी की स्थिति एक प्रमुख सामाजिक मुद्दा बनी हुई है। अगर नौकरियां नहीं मिलेंगी, तो छात्र कहां जाएंगे? वर्ष 2017-18 से 2022-23 की अवधि में कृषि क्षेत्र में छह करोड़ श्रमिकों की वृद्धि हुई है! आखिरी पीएलएफएस जुलाई, 2022 और जून, 2023 के बीच भी 80 लाख श्रमिकों को कृषि में जोड़ा गया था। निजी नौकरियों में रोजगार की अनिश्चितता को देखते हुए यह उनकी मजबूरी ही थी। अधिकांश सरकारी नौकरियों के लिए भी परीक्षा में अंग्रेजी कौशल मुख्य घटकों में से एक है। जबकि आबादी की मुख्य भाषा और स्कूली शिक्षा का माध्यम हिंदी बनी हुई है। प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अंग्रेजी कौशल की आवश्यकता होती है, जिसके लिए कोचिंग अपरिहार्य हो जाती है। माता-पिता की उम्मीदें ऊंची बनी हुई हैं और उम्मीदवारों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। सफलता और विफलता को परिभाषित करने में कोचिंग एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकती है। सभ्य गैर-कृषि रोजगार की अनुपलब्धता, रुकी हुई सरकारी नौकरियां और सीमित सरकारी नौकरियों के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए युवाओं के बीच अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धा है, जिसने छात्रों को ट्यूशन और कोचिंग में धकेल दिया है। कुल मिलाकर, शिक्षा का मौलिक अधिकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार में तब्दील नहीं हुआ है, इसलिए निजी ट्यूशन और कोचिंग संस्थान तेजी से बढ़ रहे हैं। कोचिंग संस्थान लंबे समय तक एक अनियमित बाजार बने रहे, और कई शिकायतों और छात्रों की आत्महत्याओं के बाद ही सरकार कोचिंग सेंटरों को संचालित करने के लिए दिशा-निर्देश लेकर आई है। 'कोचिंग सेंटर का पंजीकरण और विनियमन, 2024' दिशा-निर्देश कोचिंग सेंटरों को भ्रामक वादे करने या सफलता की गारंटी देने से रोकते हैं। हालांकि, इसका उपाय स्कूली शिक्षा, उच्च अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की नींव में सीखने के परिणामों में सुधार करना है। इसके अलावा, हर कोई कोचिंग का खर्च नहीं उठा सकता और सरकारी नौकरी की आकांक्षा नहीं कर सकता। गैर-औद्योगिकीकरण और संरचनात्मक परिवर्तन के उलट होने की स्थिति में जो कुछ बचा है, वह है गिग इकनॉमी, जो बिना किसी सामाजिक सुरक्षा जाल के कार्यबल को केवल निर्वाह प्रदान करती है। इस प्रकार, समकालीन भारत में नौकरियों को पुनर्जीवित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आप का नजरिया

कुछ जलवे, कुछ शिकार

हिमाचल में लोकसभा चुनाव के साथ नत्थी विधानसभा उपचुनाव की तासीर में या तो जलवे करेंगे कमाल या अति महत्त्वाकांक्षा हो जाएगी शिकार। पहले जलवों का जिक्र करें, तो भाजपा की रणनीति में केंद्रीय ताकत का एहसास, आत्मविश्वास और अपनी संगठनात्मक मशीनरी का प्रदर्शन है। पार्टी कांग्रेस से कहीं आगे संगठन के साथ साज बजा रही है। उसके अधिकांश उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। कांग्रेस से आए पूर्व विधायक अपने साथ जो सामान लाए हैं, उसका प्रदर्शन परिचय दे रहा है। धर्मशाला में सुधीर शर्मा का परिचय सम्मेलन अपनी धाक में कांग्रेस की खोपड़ी में प्रश्न पैदा जरूर कर रहा है, क्योंकि पार्टी की हर तह में अब कोई न कोई उम्मीदवार टर्रा रहा है। सदमें में भाजपा के भी कई तीर हैं, लेकिन चुनावी योजना में यह पार्टी जलवों का श्रृंगार करने में माहिर है। हम इसी आधार पर राजेंद्र राणा के मार्फत सुजानपुर के दुर्ग में हलचल देख सकते हैं। यह दीगर है कि भाजपा के कई गवाह अब कांग्रेस में गोटियां फिट कर रहे, तो यह भी देखा जाएगा कि किस क्षेत्र में कौन अपने जलवे का हल जोत रहा है। बहरहाल जलवे से उम्मीदवारों का चयन संभव है, तो मंडी से भाजपा की उम्मीदवार कंगना रनौत में यह खासियत राष्ट्रीय चर्चा का विषय है। उम्मीदवार घोषित होने से पहले ही कंगना के बयान-कंगना के विवाद, इतने अधीर तो रहे ही हैं कि भाजपा के नाम पर कहीं भी पत्थरबाजी हो जाए। शायद इसलिए बयानों-विवादों का एक मुकाबला उनके और सुक्खू सरकार के लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के बीच शुरू हो चुका है। जलवा इसी लोकसभा क्षेत्र में वीरभद्र सिंह के परिवार का भी रहा है, लेकिन अब यहां धीरे-धीरे कंगना बनाम प्रतिभा सिंह के बीच पार्टियों के संघर्ष से कहीं अधिक दोनों नेत्रियों के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आकर टिकेगा, तो सारी परिपार्टियां फिर से लिखी जाएंगी। कंगना का बड़बोलापन और हाजिरजवाबी पर मतदाता फिदा होता है या वीरभद्र सिंह के परिवार की गरिमा चुनाव के सिर पर सवार रहती है, यह देखना रोचक होगा। कांगड़ा से लोकसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस ने पत्ते नहीं खोले, लेकिन भाजपा की ओर से डा. राजीव भारद्वाज की पेशकश में वयोवृद्ध नेता शांता कुमार का जलवा जरूर देखा जा रहा है। यह दीगर है कि अब तक जलवा दिखा चुके त्रिलोक कपूर की दावेदारी पर विराम लगाकर, उनके सदा नजदीक रहे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा नए अवतरण में हैं। प्रदेश के सामर्थ्य में राजनीतिक जलवे का स्वाभाविक पुरुषार्थ मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से आशावान है और अगर वह इन चुनावों में पचास फीसदी भी सफलता हासिल कर पाते हैं, तो कांग्रेस की अग्रिम पंक्ति में भविष्य की अगवाई करते हुए देखे जाएंगे। इन चुनावों में हिमाचल के असली शिकारी का भी पता चलेगा। विधायकों के इस्तीफों के माध्यम से कौन किसका शिकार कर गया, इसका पता भी चुनाव की सारी कसरतें बताएंगी। शिकार की टोह में हिमाचल की राजनीति आज भी जहां खड़ी है, वहां कई चाबुक व तलवार लटके हैं।

जल्द खत्म हो सकता है विस्तारा का संकट, पायलट्स की शिकायत- बहुत ज्यादा थकान की वजह से हो रहे बीमार

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

विस्तारा एयरलाइंस का संकट जल्द ही खत्म हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते के अंत तक एयरलाइंस की उड़ानें भी सामान्य हो सकती हैं। विस्तारा एयरलाइंस ने ही इसके संकेत दिए हैं। विस्तारा एयरलाइंस पायलट्स की कमी से जूझ रही है और इसके चलते हाल के दिनों में बड़ी संख्या में विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट्स या तो कैंसिल हुई हैं या फिर उनमें देरी हुई है। इसकी वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

पायलट्स की इन बातों को लेकर है शिकायत – विस्तारा एयरलाइंस के पायलट्स ने थकान की शिकायत की थी और इसका सीधा असर सुरक्षा पर पड़ता है। पायलट्स का कहना है कि वह अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी की सीमा तक पहुंच गए हैं और थकान की वजह से वे जल्दी जल्दी बीमार हो रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस के कई पायलट बीमार बताए जा रहे हैं। वहीं कई एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय के बाद लाए जाने वाले सैलरी स्ट्रक्चर से खुश नहीं हैं और इसका विरोध कर रहे हैं। पायलट्स का कहना है कि हर कोई उड़ान से थक गया है। सभी नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों से उम्मीद कर रहे थे कि वे कुछ राहत देंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा है। पायलट्स ने इस बात की भी शिकायत की है कि एयरलाइंस पायलट्स से ज्यादा सॉफ्टवेयर पर विश्वास कर रही है। पायलट्स थकान की शिकायत कर रहे हैं और कंपनी बोइंग अलर्टनेस मॉडल पर विश्वास कर रही है।

डीजीसीए की घटनाक्रम पर है नजर – डीजीसीए की भी इस पूरे मामले पर नजर है। यही वजह है कि डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइंस से बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने पर जवाब मांगा था। साथ ही डीजीसीए ने पायलट्स के विरोध को देखते हुए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने पर फिलहाल रोक लगा दी है और इन पर और चर्चा करने को कहा है। नए नियम 1 जून से लागू होने थे।

न्यूज ब्रीफ

अगले दो दशकों तक कोयला ही भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ रहेगा, आईआईएम की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । कोयला आने वाले दो दशकों तक भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ बना रहेगा। आईआईएम अहमदाबाद की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोयले के इस्तेमाल को कम करने के लिए सही नीतियां बनाने की जरूरत होगी। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा के बिना साल 2070 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करना संभव नहीं होगा। कोयला अभी भी बना रहेगा भारत के ऊर्जा क्षेत्र का केंद्र आईआईएम अहमदाबाद ने नेट जीरो के लक्ष्य को पाने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव और समन्वय पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। यह रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट को भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने कई गणमान्य लोगों जैसे नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत, परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. एके मोहंती और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जारी किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्बन उत्सर्जन नेट जीरो करना आसान नहीं है और इसके लिए कई रास्ते अपनाने पड़ेंगे। कोयले का इस्तेमाल अगले दो दशकों तक जारी रहेगा और यही भारत के ऊर्जा सेक्टर की रीढ़ बना रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2070 में भारत का कार्बन उत्सर्जन करीब 0.56 अरब टन कार्बन-डाई-ऑक्साइड से लेकर 1.0 अरब टन कार्बन डाई ऑक्साइड के बीच रहने की उम्मीद है।

स्मार्टफोन रियलमी 12एक्स 5जी लॉन्च, फोन की शुरुआती कीमत 11,999 रुपये रखी

नई दिल्ली । भारत में चाइनीज कंपनी रियलमी ने रियलमी 12 सीरीज़ में अपना लेटेस्ट बजट स्मार्टफोन रियलमी 12एक्स 5जी लॉन्च किया है। रियलमी ने इस फोन की शुरुआती कीमत 11,999 रुपये रखी है। ये फोन अब कंपनी के रियलमी 12 सीरीज का सबसे किफायती फोन बन गया है। ग्राहक इस फोन को ट्विलाइट पर्पल और वुडलैंड ग्रीन कलर ऑप्शन में खरीद सकते हैं। इसकी पहली सेल 5 अप्रैल को है। डिवाइस को दो साल का एंड्रॉयड अपडेट और तीन साल का सिक्योरिटी अपडेट मिलेगा। स्पेसिफिकेशंस के तौर पर रियलमी 12एक्स 5जी में 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.72-इंच फुल एचडी+ आईपीएस एलसीडी है रियलमी 12एक्स 5जी कंपनी के रियलमी यूआई 5.0 के साथ बॉक्स से बाहर एंड्रॉयड 14 पर काम करता है।

भारत बनाएगा अपना वाणिज्यिक क्रूड रणनीतिक भंडार, आपूर्ति संबंधी चुनौतियों से निपटने में मिलेगी सहायता

नई दिल्ली । दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत क्रूड का अपना पहला वाणिज्यिक रणनीतिक भंडार बनाने की योजना बना रहा है। इस कदम से किसी भी आपात स्थिति में आपूर्ति संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। सरकार ने देश में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तैयार करने और उसके परिचालन के लिए विशेष इकाई इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लि. (आईएसपीआरएल) का गठन किया है। इस इकाई ने कर्नाटक के पादुर में 25 लाख टन भूमिगत भंडारण बनाने के लिए बोलियां मंगाईहैं। निविदा दस्तावेज के मुताबिक, आईएसपीआरएल ने पहले चरण में तीन स्थानों पर 53.3 लाख टन का भंडारण बनाया था। ये तीन जगह आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम (13.3 लाख टन) कर्नाटक में मंगलूरू (15 लाख टन) और पादुर (25 लाख टन) हैं। दूसरे चरण के तहत, पादुर-दो में 5,514 करोड़ रुपये की लागत से वाणिज्यिक सह-रणनीतिक भूमिगत पेट्रोलियम भंडार बनाने की योजना है। इसमें जमीन के ऊपर संबंधित सुविधाएं भी शामिल है। बोलीदाताओं से कहा गया है कि वे भंडारण के निर्माण के लिए आवश्यक वित्तीय अनुदान या उस प्रीमियम/शुल्क का बताएं, जो वे प्राधिकरण को देना चाहते हैं। बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख 22 अप्रैल है।

मजबूत मांग के कारण मार्च में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर साढ़े 13 वर्ष के हाई पर, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

मजबूत मांग के कारण मार्च में देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर साढ़े 13 साल की सबसे मजबूत वृद्धि दर में से एक रही। एचएसबीसी इंडिया सर्विसिज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स फरवरी के 60.6 से बढ़कर मार्च में 61.2 पर पहुंच गया।परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में सूचकांक का 50 से ऊपर रहना विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे रहना संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल द्वारा लगभग 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के एक पैनल को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों से संकलित किया गया है।

मांग बढ़ने से बिक्री और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आई – रिपोर्ट में कहा गया है, भारत की सेवाओं का पीएमआई फरवरी में मामूली गिरावट के बाद मार्च में बढ़ा और मजबूत मांग के कारण बिक्री और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आई। एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, उत्पादन क्षमता का विस्तार करने के लिए सेवा प्रदाताओं ने अगस्त 2023 के बाद से सबसे तेज गति से हायरिंग में वृद्धि की।

सर्वेक्षण के अनुसार बिक्री में तेजी का मुख्य कारण मांग में बेहतर स्थिति, दक्षता में वृद्धि और बिक्री में सकारात्मक वृद्धि है। कंपनियों ने मार्च के दौरान नए ऑर्डर इंटेक में काफी सुधार का संकेत दिया। वृद्धि की दर जून 2010 के बाद से सबसे अच्छी देखी गई।

सितंबर 2014 में शृंखला शुरू होने के बाद से नया निर्यात कारोबार सबसे तेज दर से बढ़ा। सर्वेक्षण प्रतिभागियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व से लाभ की सूचना दी। सेवा कंपनियों ने संकेत दिया कि नए कारोबार की मात्रा में भारी तेजी ने उनकी क्षमताओं पर दबाव डाला। इस कारण, सेवा प्रदाताओं ने मार्च में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की।

प्रतिस्पर्धी दबाब की चिंताओं के बावजूद, अनुकूल रुझान बने रहने की उम्मीद – सर्वेक्षण में कहा गया है, इनपुट लागत तेज दर से बढ़ी है, इसके बावजूद सेवा प्रदाता उच्च आउटपुट मूल्य वसूलकर मार्जिन बनाए रखने में सक्षम हैं। आगे चलकर सेवा क्षेत्र की कंपनियों को मांग का रुझान अनुकूल बने रहने की उम्मीद है और विपणन प्रयासों को भी वृद्धि के अवसर

के रूप में देखा जा रहा है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि हालांकि प्रतिस्पर्धी दबाव को लेकर कुछ चिंताएं हैं।

इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स फरवरी के 60.6 से बढ़कर मार्च में 61.8 पर पहुंच गया। कंपोजिट पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण और सेवा पीएमआई सूचकांकों के भार का औसत है। जीडीपी के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारांश विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के सापेक्ष आकार को दर्शाता है। मार्च के आंकड़ों से पता चलता है कि पूरे भारत में कुल उत्पादन में तेज वृद्धि हुई है, क्योंकि माल उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं दोनों ने वृद्धि में तेजी दर्ज की है।

आरबीआई के प्रतिबंधों से मुद्रा वायदा सौदों में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियमों से पैदा हुई ऊहापोह के कारण एक्सचेंज में कारोबार होने वाले करेंसी डेरिवेटिव सौदों की मात्रा घट सकती है। नए कायदों के कारण करेंसी डेरिवेटिव में खुदरा निवेशकों और वित्तीय संस्थानों की भागीदारी बरकरार रहने पर भी संशय खड़ा हो गया है। यह डर भी जताया जा रहा है कि मुद्रा खरीदे या उसके लिए अनुबंध किए बगैर ही ली गईं पोजिशन पहले निपटानी पड़ेंगी। आरबीआई ने इस बारे में 5 जनवरी को एक सर्कुलर जारी किया था, जो 5 अप्रैल से लागू हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर रुपये में होने वाले करेंसी अनुबंधों के लिए मुद्रा यानी एक्सपोजर होना जरूरी है। 10 करोड़ डॉलर तक की पोजिशन के लिए ट्रेडरों को ऐसे एक्सपोजर का सबूत नहीं देना होता मगर एक्सपोजर होने की पुष्टि करना जरूरी है। मुद्रा वायदा में ज्यादातर लेनदेन खुदरा श्रेणी में होते हैं, जो ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) बाजारों में लेनदेन नहीं कर सकते थे। इन बाजारों में बैंक आम तौर पर मुद्रा होने यानी एक्सपोजर होने का सबूत मांगते थे। मुद्रा वायदा में 60 फीसदी ज्यादा लेनदेन खुदरा कारोबार से ही आते हैं और करेंसी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पर तरलता बनाए रखने में इनकी अहम भूमिका है। अगस्त 2008 में जब मुद्रा वायदा कारोबार शुरू हुआ था तब आरबीआई ने विदेशी विनिमय दर से जुड़े जोखिमों से बचाव के लिए डॉलर या रुपया मुद्रा वायदा में लेनदेन की अनुमति दी थी।

किआ ने सेल्टॉस के दो नए ऑटोमैटिक वेरिएंट किए पेश, ऑटोमैटिक वेरिएंट हुआ अब और भी सस्ता

नई दिल्ली,04 अप्रैल ।

कार बनाने वाली कंपनी किआ ने सेल्टॉस के दो नए ऑटोमैटिक वेरिएंट को पेश कर दिया है। कंपनी का यह कदम न केवल खरीदारों के लिए ऑप्शन को बढ़ाता है। बल्कि ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में रुचि रखने वालों के लिए एंट्री पॉइंट को भी नीचे लाता है।

पहले, सीवीटी और टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स हाई एचटीके ट्रिम तक सीमित थे। अब, एचटीके प्लस ट्रिम में इन ऑप्शन्स की शुरूआत के साथ, किआ ने पेट्रोल सीवीटी के लिए प्राइस बैरियर को 1.18 लाख रुपये और डीजल-एटी वर्जन के लिए 1.28 लाख रुपये कम कर दिया है। इस रणनीतिक कदम से सेल्टोस लाइनअप में ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित करने की उम्मीद है। सेल्टोस रेंज के बीच अपनी लोकप्रियता के लिए मशहूर एचटीके प्लस ट्रिम को नए फीचर्स के साथ और बेहतर बनाया गया है। खरीदार अब पैनोरमिक सनरूफ, ड्राइव और ट्रैक्शन मोड और पैडल शिफ्टर्स, एलईडी-कनेक्टेड टेल लैंप और लेदरेट-लिपटे स्टीयरिंग व्हील जैसी अतिरिक्त सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं। किआ ने एक नया एक्सटीरियर कलर, ऑरोरा ब्लैक पर्ल भी पेश किया है। किआ एचटीके प्लस ट्रिम के साथ ही अन्य ट्रिम्स में भी अपडेट जारी किए गए हैं। हाई-एंड एचटीएक्स, एचटीएक्स प्लस, जीटी लाइन और एक्स लाइन ट्रिम्स में अब सभी चार विंडो के लिए एक ऑटो अप/डाउन फंक्शन की सुविधा है। एचटीके ट्रिम को एलईडी डीआरएलएस, कीलेस एंट्री और पुश-बटन स्टार्ट/स्टॉप सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा, बेस एचटीई ट्रिम अब ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करते हुए पांच एडिशनल कलर ऑप्शन उतारे गए हैं। 10.90 लाख रुपये से 20.35 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत के साथ, सेल्टोस अपने सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनी हुई है, जो क्रेटा और ग्रैंड विटारा जैसे मॉडलों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रही है। किआ सेल्टॉस एचटीके प्लस पेट्रोल-सीवीटी वेरिएंट अब 15.40 लाख रुपये में और डीजल-एटी वेरिएंट 16.90 लाख रुपये में उपलब्ध है।

ओला इलेक्ट्रिक के बिके 53 हजार से ज्यादा यूनिट्स , वाहन पंजीकरण ग्रोथ 115 प्रतिशत बढ़कर 328,785 इकाई पर पहुंचा

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ओला इलेक्ट्रिक कंपनी के महीने भर के अंदर में 53 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिक चुके हैं। कंपनी के वाहनों का पंजीकरण वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में 115 प्रतिशत बढ़कर 328,785 इकाई पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी के 1,52,741 वाहन पंजीकृत हुए थे। कंपनी ने यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 119,310 वाहन पंजीकृत हुए जो तीसरी तिमाही के 84,133 वाहनों की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। ओला के संस्थापक और अध्यक्ष भाविश अग्रवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 'मार्च में 53 हजार पंजीकरण के आंकड़े को छूकर पहली बार 50 हजार को पार किया। वित्त वर्ष 2024 में ईवी उद्योग में 30 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई और मार्च में ईवी वाहनों का अनुपात नौ प्रतिशत से अधिक हो गया। एस1 एक्स (4 केडब्ल्यूएच) के लॉन्च के साथ ओला इलेक्ट्रिक ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार छह प्रोडक्ट्स एस1 प्रो, एस1 एयर, एस1 एक्स+, एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच, 3 केडब्ल्यूएच, 4 केडब्ल्यूएच) तक कर लिया है। इनकी कीमतें अलग- अलग हैं जो विभिन्न रेंज की आवश्यकताओं वाले ग्राहकों की जरूरतें पूरी करने में सक्षम हैं। ओला इलेक्ट्रिक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अंशुल खंडेलवाल ने कहा, 'फैक्ट यह है कि हमने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में लगभग 1.20 लाख रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड किए हैं, जो हमारे मजबूत स्कूटर पोर्टफोलियो को दर्शाता है, और हमारा लक्ष्य विकास पथ को जारी रखना और देश की इलेक्ट्रिफिकेशन जर्नी में और योगदान देना है।

जुलाई-दिसंबर में प्रीपेड कार्ड से लेनदेन 30 फीसदी घटा, डेबिट कार्ड में भी गिरावट

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

देश की डिजिटल भुगतान प्रणाली में यूपीआई का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके उलट, कार्ड के प्रति लोगों का आकर्षण कम हो रहा है। खासकर डेबिट कार्ड के प्रति। हालांकि, क्रेडिट कार्ड के जरिये लेनदेन में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वर्ल्डलाइन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 की दूसरी छमाही यानी जुलाई-दिसंबर अवधि में देश में कुल 1.78 अरब क्रेडिट कार्ड जारी हुए। यह आंकड़ा जुलाई-दिसंबर, 2022 की तुलना में 21 फीसदी ज्यादा है। मूल्य के लिहाज से 2023 की दूसरी छमाही में क्रेडिट कार्ड के जरिये लेनदेन 11 फीसदी बढ़कर 9.39 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके उलट, डेबिट कार्ड के जरिये जुलाई-दिसंबर, 2023 में लेनदेन मूल्य के

लिहाज से सालाना आधार पर 16 फीसदी घटकर 3.02 लाख करोड़ रुपये रह गया। इस अवधि में कुल 1.15 अरब डेबिट कार्ड जारी हुए, जो जुलाई-दिसंबर, 2022 के मुकाबले 34 फीसदी कम हैं। वहीं, प्रीपेड कार्ड के जरिये मूल्य के लिहाज से लेनदेन सालाना आधार पर 30 फीसदी घटकर 241 अरब रुपये रह गया। औसत टिकट साइज : नेटबैंकिंग का सबसे ज्यादा मूल्य व संख्या के लिहाज से दिसंबर, 2023 में यूपीआई लेनदेन के मामले में फोनपे, गूगल पे और पेटीएम का दबदबा रहा। संख्या के लिहाज कुल यूपीआई लेनदेन में तीनों एप की संयुक्त हिस्सेदारी 94.8 फीसदी से बढ़कर 95.4 फीसदी पहुंच गई। मूल्य के हिसाब से इन तीनों एप की कुल यूपीआई लेनदेन में संयुक्त हिस्सेदारी 93 प्रतिशत पहुंच गई। दिसंबर, 2022 में यह 92.2 फीसदी थी। कार्ड संख्या में 34 प्रतिशत गिरावट रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 की दूसरी छमाही में कुल 3.70 अरब कार्ड (क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड) जारी हुए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 7 फीसदी कम है। इसकी प्रमुख वजह जारी डेबिट कार्ड की संख्या में बड़ी गिरावट है। जुलाई-दिसंबर, 2023 में क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड के जरिये कुल 12.66 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 13 फीसदी ज्यादा है। नेटबैंकिंग : 505 लाख करोड़ नेटबैंकिंग के जरिये जुलाई-दिसंबर, 2023 अवधि में 505.5 लाख करोड़ रुपये के कुल 2.25 अरब लेनदेन हुए।

फोर्ब्स की लिस्ट में आधी आबादी का जलवा

35.5 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ ये हैं भारत की सबसे अमीर महिला

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय महिलाएं व्यापार की दुनिया में उल्लेखनीय प्रगति कर रही हैं। इनमें से कई महिलाओं का नाम फोर्ब्स की ओर से जारी अरबपतियों की सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में भारत से 200 अरबपतियों का नाम है। पिछले इस इस सूची में भारत से 169 अरबपतियों का नाम शामिल किया गया था। साल 2024 की सूची में भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति बढ़कर 954 अरब डॉलर हो गई, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 41 फीसदी अधिक है। आइए जानते हैं फार्ब्स के अरबपतियों की 2024 की सूची में शामिल टॉप पांच भारतीय महिलाएं कौन-कौन हैं

1. सावित्री जिंदल, नेट वर्थ – 35.5 अरब डॉलर – जिंदल परिवार की मुखिया के रूप में, सावित्री जिंदल 35.5 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ फोर्ब्स की सूची में सबसे ऊपर हैं। इस तरह वह सबसे अमीर भारतीय महिला हैं। वह स्टील, बिजली, सीमेंट और बुनियादी ढांचे के कारोबार से जुड़े समूह जिंदल समूह की अध्यक्ष हैं।

2. रेखा झुनझुनवाला, नेट वर्थ – 8.5 अरब डॉलर – भारत के वॉरेन बफेट कहे जाने वाले दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को अपने पति से एक मूल्यवान स्टॉक पोर्टफोलियो विरासत में मिला है, झुनझुनवाला अपने निवेश कौशल के लिए जाने जाते हैं। फार्ब्स की लिस्ट के अनुसार वह भारत की दूसरी सबसे अमीर महिला हैं।

3. विनोद राय गुप्ता, नेट वर्थ – 5 अरब डॉलर – फोर्ब्स के अरबपतियों की सूची 2024 के अनुसार हैवेल्स इंडिया में अपनी होल्डिंग के कारण विनोद राय गुप्ता तीसरी सबसे अमीर भारतीय महिला हैं। हैवेल्स एक अग्रणी कंपनी है जो अपने इलेक्ट्रिकल और घरेलू उपकरणों के लिए जानी जाती है। गुप्ता के मार्गदर्शन में, हैवेल्स इंडिया एक प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में विकसित हुआ है जो लाइटिंग फिक्सचर, पंखे, रेफ्रिजरेटर और वाशिंग मशीन सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन करता है।

4. रेणुका जगतियानी, कुल संपत्ति- 4.8 अरब डॉलर – फोर्ब्स की लिस्ट के अनुसार चौथी सबसे अमीर भारतीय महिला रेणुका जगतियानी हैं। वह लैंडमार्क ग्रुप की चेयरपर्सन और सीईओ हैं। यह दुबई में एक बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता समूह है, जिसकी स्थापना उनके पति मिकी जगतियानी ने की थी, उनकी मई 2023 में मृत्यु हो गई थी। लैंडमार्क ग्रुप रेणुका जगतियानी की अगुवाई में 50,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

5. स्मिता कृष्णा गोदरेज, कुल संपत्ति – 3.8 अरब डॉल – गोदरेज परिवार की स्मिता कृष्णा गोदरेज की परिवार की संपत्ति में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। फार्ब्स के अरबपतियों की सूची 2024 के अनुसार वह भारत की पांचवीं सबसे अमीर महिला हैं। गोदरेज परिवार गोदरेज समूह को नियंत्रित करता है।

रोनाल्डो ने 72 घंटे में ली दूसरी हैट्रिक, अल नासेर ने अभा पर 8-0 से दर्ज की जीत

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पुर्तगाली स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 72 घंटे के अंतराल में दूसरी हैट्रिक लगाकर अपने क्लब अल नासेर को सऊदी प्रो लीग में अभा पर 8-0 से बड़ी जीत दिलाई। पांच बार के बैलन डि ओर विजेता रोनाल्डो ने मुकाबले में तीन गोल किए और दो गोल करने में सहायता की। रोनाल्डो ने तीनों गोल पहले हाफ में दागे। नौ बार की सऊदी अरब चैंपियन अल नासेर के लिए इस सत्र में रोनाल्डो की यह तीसरी हैट्रिक है।

29 गोल कर सऊदी लीग में शीर्ष गोल स्कोरर हैं रोनाल्डो

उन्होंने अल ताई पर 5-1 से मिली जीत में भी हैट्रिक लगाई थी। लीग के इस सत्र में उनके कुल 29 गोल हो गए हैं। वह लीग में इस वक्त शीर्ष गोल स्कोरर हैं। उनसे पीछे लीग में शीर्ष पर चल रहे अल हिलाल के अलेक्जेंडर मित्रोविच हैं। उन्होंने 22 गोल किए हैं, लेकिन चोट के कारण वह पूरे सत्र से बाहर हो चुके हैं। क्रिस्टियानो ने माने के गोल में की मदद अल नासेर अभी भी दूसरे स्थान पर है और अल हिलाल से 12 अंक पीछे है, जबकि आठ मैच लीग में अभी खेले जाने बाकी हैं। रोनाल्डो के पहले दो गोल फ्री किक पर आए। 11वें मिनट में उन्होंने जमीनी शॉट लगाकर गोल भेदा। 10 मिनट बाद उन्होंने खिलाड़ियों की दीवार के ऊपर से बाएं छोर से किक लगाकर गोल किया। उन्होंने फिर सादियो माने के गोल में मदद की। पहला हाफ खत्म होने से तीन मिनट पहले रोनाल्डो ने अपनी हैट्रिक पूरी की। हालांकि मध्यांतर के बाद वह मैदान पर नहीं उतरे।

दूसरे हाफ में हुए तीन गोल

अलसुलाहिम ने पहले हाफ से एक मिनट पहले गोलकर अल नासेर की बढ़त 5-0 की। सुलेमान ने यह गोल भी रोनाल्डो के पास पर किया। रोनाल्डो के मैदान पर नहीं होने के बावजूद नासेर ने दूसरे हाफ में भी गोल किए। अब्दुलरहमान गरीब ने छठा गोल किया, जबकि स्थानापन्न अब्दुलअजीज अल अलाइवा ने बाकी दो गोल किए।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट जगत में फैली शोक की लहर, 33 की उम्र में इस क्रिकेटर ने दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली। पापुआ न्यू गिनी की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैया अरुआ की 33 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से पूर्वी एशिया-प्रशांत क्रिकेट जगत शोक में डूब गया है। अरुआ ने साल 2010 में पहली बार पापुआ न्यू गिनी के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। महिला फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट के विकास के दौर में, अरुआ ने फाल्कन्स के लिए 2022 और 2023 में फेयरब्रेक टूर्नामेंट में भी भाग लिया था। शानदार ऑलराउंडर कैया अरुआ पहली बार 2010 में पूर्वी एशिया-प्रशांत ट्रॉफी में सानो में मेजबान जापान के खिलाफ पहली बार राष्ट्रीय टीम के लिए खेलती हुई दिखाई दीं थी। इसके बाद वह टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी बन गईं। साल 2017 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए उन्हें टीम में शामिल किया गया था। इससे पहले अरुआ विभिन्न पूर्वी-एशिया प्रशांत के कई मैचों में और प्रशांत खेल क्रिकेट में पापुआ न्यू गिनी का प्रतिनिधित्व कर चुकी थीं। पापुआ न्यू गिनी की संभाली थी कमान अरुआ ने 2018 टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर में आयरलैंड के खिलाफ मैच में पीएनजी की कप्तानी संभाली और उसी साल उन्हें आईसीसी महिला वैश्विक विकास टीम में नामित किया गया। अरुआ ने 2019 पूर्वी एशिया-प्रशांत टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर में स्थायी आधार पर कप्तानी संभाली, जिससे उनकी टीम को टूर्नामेंट जीतने में मदद मिली और 2019 आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर और 2021 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर दोनों टूर्नामेंटों के लिए

हार्दिक सिंह ने अर्पना सफलता का श्रेय पूर्व ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह को दिया है।

हार्दिक के अनुसार अगर उन्हें जुगराज नहीं रोकते तो वह साल 2017 में ही क्लब स्तर पर खेलने के लिए नीदरलैंड चले गये होते। हार्दिक के अनुसार तब उन्हें राष्ट्रीय शिविर में असफलता मिली थी और वह टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे। ऐसे में वह निराश होकर नीदरलैंड की ओर रुख करने पर विचार कर रहे थे। हार्दिक के अनुसार ऐसे समय में उन्हें जुगराज ने एकाग्र रहकर अभ्यास करने को कहा था। हार्दिक ने कहा, ''मोहाली हॉकी अकादमी से जुड़ने के बाद मैं सब-जूनियर स्तर से सीनियर स्तर तक अच्छी गति से आगे बढ़ा पर इसके बाद आई बाधा से मेरा आत्मविश्वास कम हो गया जिससे मुझे अपना भविष्य खतरे में नजर आने लगा। तब मैंने 2017 में क्लब हॉकी खेलने के लिए नीदरलैंड जाने का फैसला किया था। मैंने देश की ओर से खेलने की उम्मीद भी छोड़ दी थी। ऐसे समय में जुगराज ने उनको सही सलाद दी जिसके कारण ही आज वह यहां तक पहुंचे हैं। साथ ही कहा कि जब आप अच्छा कर रहे होते हैं तो भी आपको अच्छे मार्गदर्शन की जरूरत होती है।

दिल्ली कैपिटल्स की धीमी ओवर गति के लिए ऋषभ पर 24 लाख रुपये जुर्माना

विशाखापत्तनम । आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की धीमी गेंदबाजी के लिए उसके कप्तान ऋषभ

पंत पर जुर्माना जगाया गया है। दिल्ली ने यहां केकेआर के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में धीमी गति से गेंदबाजी की थी। ये दूसरी बार है जब दिल्ली ने धीमी गति से गेंदबाजी की है। इसी कारण उसके कप्तान पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अब अगर ऋषभ की टीम तीसरी बार धीमी गति से गेंदबाजी करती है तो कप्तान पर 30 लाख के जुर्माने के साथ ही एक मैच का प्रतिबंध भी लग सकता है। ऋषभ पर अकेले ही जुर्माना नहीं लगा। उनरके साथ ही बाकि खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगा है। केकेआर के खिलाफ मैच में डीसी को सत्र में तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा। कप्तान ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन किया पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला। बीसीसीआई ने खेल के बाद एक बयान जारी कर कहा कि दिल्ली द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कप्तान पर जुर्माना लगाया गया है। सीएसके के खिलाफ मैच में भी टीम ने धीमी गति से गेंदबाजी की थी। इसलिए ये जुर्माना 24 लाख रुपये कर दिया गया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों पर 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।

शशांक सिंह की तूफानी पारी, आखिरी ओवर में जीता पंजाब, गुजरात के जबड़े से छीनी जीत

अहमदाबाद, 04 अप्रैल (एजेंसियां) । सांस थाम देने वाले रोमांचक मैच में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस के जबड़े से जीत छीन ली। पंजाब की इस जीत के हीरो अनकैप्ड शशांक सिंह रहे, जिन्होंने छठे नंबर पर आकर 29 गेंद में 61 रन की नाबाद पारी खेली। 200 रन के चैलेंजिंग टोटल के सामने एक वक्त सिर्फ 111 रन पर पंजाब की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। सारे दिग्गज डगआउट में बैठे हुए थे। यहां से शशांक सिंह ने साहसिक पारी खेलते हुए पंजाब किंग्स को हैरतंगेज जीत दिला दी। शशांक सिंह ने पांचवें विकेट के लिए सिकंदर रजा के साथ 22 गेंद में 41, छठे विकेट के लिए जितेंद्र शर्मा के साथ 19 गेंद में 39 और इम्पैक्ट डेब्यूटेंट अनिरुद्ध शर्मा के साथ सातवें विकेट के लिए 22 गेंद में 43 रन की मैच विनिंग पार्टनरशिप की। पंजाब किंग्स की यह चार मैच में दूसरी जीत है तो गुजरात टाइटंस की चार मैच में दूसरी हार।

ऑक्शन में पंजाब ने शशांक को गलती से खरीदा था

जी हां! आज मैच में जिस शशांक सिंह ने पंजाब किंग्स की लाज बचाई, इस सीजन के लिए पिछले साल हुई नीलामी में उसे बेइज्जती झेलनी पड़ी था। पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा ने ये कहकर शशांक सिंह को अपनी टीम में जोड़ने से इनकार कर दिया था कि वह तो इसी नाम के किसी दूसरे प्लेयर से धोखा खा गए। टीम 19 साल वाले शशांक को खरीदना चाहती थी, लेकिन खरीद लिया 32 साल वाले शशांक सिंह को। मगर अब जिस अंदाज में उनका बल्ला चल रहा है टीम मैनेजमेंट को अपनी गलती पर अब ज़रा भी दुख नहीं होगा।

बेकार गई शुभमन गिल की 89 रन की पारी

अपने होमग्राउंड यानी दुनिया के सबसे बड़े नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस गंवाकर गुजरात टाइटंस ने 199 रन का मजबूत टोटल खड़ा किया था। शुभमन गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए 48 गेंद में चार छक्के और छह चौके की मदद से नाबाद 89 रन की पारी खेली थी। वह सीजन के पहले शतक से सिर्फ दो शॉट से चूक गए थे। उन्होंने साई सुदर्शन (33) के साथ तीसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी भी की। उन्होंने राहुल तेवतिया (आठ गेंद में नाबाद 23) के साथ 14 गेंद में 35 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के करीब पहुंचाया। पंजाब की ओर से कागिसो रबाडा और हर्षल पटेल दोनों ने चार-चार ओवर में समान 44 रन लुटाए। रबादा को दो जबकि हर्षल को एक विकेट मिला।

वर्ल्ड कप क्वालीफायर तक पुरुषों के मुख्य कोच बने रहेंगे स्टिमैक

नई दिल्ली,04 अप्रैल ।

सीनियर भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे दौर के क्वालीफायर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी भूमिका जारी रखेंगे। फीफा विश्व कप 2026 और एएफसी एशिया कप 2027 प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने की अपनी कोशिश में भारत को एक गंभीर झटका लगा, जब टीम पिछले महीने अफगानिस्तान से 1-2 से हार गई। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे द्वारा स्टिमैक के साथ चर्चा करने के लिए गठित समिति ने 2 अप्रैल को मुख्य कोच के साथ एक आभासी बैठक की। बैठक में मेनला एथेनपा, सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, वित्त समिति, अनिलकुमार प्रभाकरन, सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, प्रतियोगिता समिति, एम सत्यनारायण, कार्यवाहक महासचिव, एआईएफएफ उपस्थित थे। बैठक के दौरान, स्टिमैक से फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर के राउंड 3 के लिए क्वालीफाई करने में भारत के विफल होने पर इस्तीफा देने के अपने हालिया बयान को स्पष्ट करने के लिए कहा गया था। एआईएफएफ वेबसाइट पर प्रकाशित जानकारी के अनुसार, स्टिमैक ने कहा कि उनकी टिप्पणी एक सवाल के जवाब में की गई थी। कोच ने कहा, एक साल पहले, मैंने कहा था कि हम राउंड 3 के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे और वर्तमान में हम ग्रुप में दूसरे स्थान पर हैं और दो टीमें क्वालीफाई करती हैं। हम 6 जून 2024 को कुवैत के खिलाफ मैच के बाद इस मुद्दे पर आगे चर्चा करेंगे। 6 जून को कुवैत के खिलाफ मैच भारतीय फुटबॉल में सबसे बड़े दिनों में से एक होगा, क्योंकि एक जीत पहली बार राउंड 3 के लिए क्वालीफाई करने की हमारी संभावनाओं को काफी हद तक उवल कर देगी। स्टाफ और खिलाड़ी सभी इस ऐतिहासिक क्षण से अवगत हैं। स्टिमैक ने बैठक में कहा, हम जीतने के लिए अपनी क्षमता से सब कुछ करेंगे। एआईएफएफ समिति के सदस्यों के साथ सार्थक चर्चा हुई।

मयंक असाधारण क्षमताओं वाला गेंदबाज : विजय दाहिया

नई दिल्ली,04 अप्रैल ।

लखनऊ सुपरजायंट्स के नये तेज गेंदबाज मयंक यादव ने मैदान में उतरते ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। मयंक ने जिस प्रकार दोनो ही मैच में आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंदें फेंकी हैं उससे पता चलता है कि वह आसाधारण क्षमताओं वाले गेंदबाज हैं। मयंक को लेकर पूर्व क्रिकेर विजय दाहिया ने कहा कि रणनीतिक मानकिसता उन्हें गेंदबाजों से अलग करती है।

दहिया ने कहा कि जहां तक प्रथम श्रेणी गेंदबाज होने का सवाल है तो मयंक के पास ज्यादा अनुभव नहीं है, इसके बाद भी उनके प्रदर्शन में काफी गहरायी है। इस साल की देवधर ट्रॉफी में उनकी क्षमताएं सभी ने देखी थीं। वह वहां भी 150 से अधिक की गेंदबाजी कर रहा था। मयंक के यहां तक पहुंचने की कहानी भी रोचक है। दहिया ने कहा कि मैं रणजी ट्रॉफी में यूपी टीम को कोचिंग दे रहा था और हम मोहाली में खेल रहे थे। वहीं हमारे नेट के बगल में, दिल्ली टीम अभ्यास कर रही थी इसलिए मैं वहीं खड़ा था। इस दौरान एक लड़का काफी अच्छी गेंदबाजी कर रहा था। उसका रनअप भी काफी प्रभावित करने वाला था।

इसके बाद मैंने उसे तुरंत लखनऊ बुला लिया। पिछले साल मुझे उम्मीद थी कि वह आईपीएल में धमाका कर देगा पर वह चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाया। लखनऊ टीम कुछ अभ्यास मैच खेल रही थी और वह उन अभ्यास खेलों में घायल हो गए और उस सीज़न में नहीं खेल सके। मुझे लगता है कि उसकी मानसिकता ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया। क्योंकि जब आप किसी को गेंदबाजी करते हुए देखते हैं, एक युवा खिलाड़ी को 150 से अधिक की गेंदबाजी करते हुए, तो आप बहुत सारे बाउंसर देखेंगे पर उसने अपनी शॉर्ट पिच गेंदों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए किया। उसका लक्ष्य इससे बल्लेबाजों पर दबाव बनाना था। दहिया ने यादव की असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह भविष्य का सितारा है।

इरफान पठान की तरह ही तेज गेंदबाज बनना चाहते थे सिद्धार्थ

नई दिल्ली,04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

लखनऊ सुपर जायंट्स के नये स्पिनर एम सिद्धार्थ ने अपने पहले सत्र में ही जिस प्रकार विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज को अपना शिकार बनाया है। उससे सिद्धार्थ सभी की नजरों में आ गये हैं। घरेलू क्रिकेट में तमिलनाडू की ओर से खेलने हुए भी सिद्धार्थ का शानदार गेंदबाजी रिकार्ड रहा है। सिद्धार्थ ने अपने दूसरे ही मैच में आरसीबी के कई दिगगज बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया। सिद्धार्थ का सपना इरफान पठान की तरह तेज गेंदबाज बनना था पर उन्होंने बाद में वह लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाजी में उतरे गये। उन्होंने ये बदलाव इसलिए किया क्योंकि उनकी पेस कम हो गई थी हालांकि वह गेंदबाजी को स्विंग करा रहे थे। जैसे जैसे अनुभव बढ़ता गया उन्होंने अपनी गेंदबाजी में विविधता लाना प्रारंभ कर दिया जिसे खेलना बल्लेबाजों के लिए मुश्किल हो गया। उन्होंने गेंदबाजी में विविधता के कारण ही कोहली को भी आउट किया। विराट के अलावा फाफ डुप्लेसी जैसे दिग्गज बल्लेबाज भी उनसे परेशान रहे हैं। सिद्धार्थ ने इस मैच से पहले टीम के हेड कोच जस्टिन लैंगर से विराट को आउट करने का अपना वादा भी निभाया। कोच लैंगर जानते थे कि विराट आर्म बॉल को खेलते हुए सहज नहीं रहते और इसी लिए

उन्होंने सिद्धार्थ से ऐसी ही गेंद करने को कहा। सिद्धार्थ ने आरसीबी के पांचवें ओवर की दूसरी गेंद पर कोहली को बैकवर्ड प्वॉइंट पर देवदत्त पडिक्कल के हाथों कैच कराकर आईपीएल करियर का अपना पहला विकेट लिया। लखनऊ ने उन्हें इस बार 2.4 करोड़ में नीलामी में खरीदा था और इस गेंदबाज ने अपने चयन को अब तक सही साबित किया है। सिद्धार्थ ने अपना पहला मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला था पर उस मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। उन्होंने साल 2019 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था. इसके बाद उन्हें कोलकाता नाइटराइडर्स ने 2020 में अपने साथ जोड़ा। केकेआर ने बिना मैच खिलाए उन्हें रिलीज कर दिया था फिर उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने शामिल किया। चोट की वजह से यूएई में खेले गए दूसरे लेग में वह नहीं खेल पाए और दिल्ली ने भी उन्हें छोड़ दिया। इसके बाद वह मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ बतौर नेट बॉलर रहे थे।

एमबाप्पे के गोल से फ्रेंच कप फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन

पेरिस,04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पेरिस सेंट-जर्मेन ने पार्स डेस प्रिंसेस में एक रोमांचक मुकाबले में स्टेड रेनैस पर 1-0 से जीत के साथ कूप डी फ्रांस (फ्रेंच कप) फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

पहले हाफ में पीएसजी आक्रमण में रेनैस पर हावी रही। पेरिस सेंट-जर्मेन ने कुल छह शॉट दर्ज किए जबकि मेहमान टीम ने जवाबी कार्रवाई में तीन शॉट लगाए। इन शॉट्स के साथ भी, खेल पहले 45 मिनट में अधिकांश समय स्कोर रहित रहा।

37वें मिनट में, किलियन एमबाप्पे के पास पेनल्टी किक शॉट पर स्कोरिंग खोलने का पहला मौका था, लेकिन रेनैस के गोलकीपर स्टीव मंडंडा ने पेनल्टी बचाकर खेल को स्कोर रहित बनाए रखा।

25 वर्षीय फ्रांसीसी कप्तान ने 40वें मिनट में गोल कर अपनी प्रतिष्ठा को बहाल किया जब उनका शॉट रेनैस खिलाड़ी से डिफलेक्ट होकर गोल में चला गया जिससे पीएसजी को लाभ के साथ ड्रेसिंग रूम में जाने का मौका मिला।

दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन

दोनों टीमों के पास गोल करने के मौके थे। रेनैस के पास कुल छह शॉट थे क्योंकि उन्होंने बराबरी हासिल करने का प्रयास किया था, जबकि पीएसजी ने बढ़त हासिल करने पर नजर रखते हुए कुल चार शॉट लगाए। कूप डी फ्रांस फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन का मुकाबला ओलंपिक लियोनिस से होगा। अलेक्जेंड्रे लाकाज़ेट के छह मिनट के डबल और गिफ्ट ओर्बन के एक गोल ने लियोनिस को 3-0 से जीत दिलाने के साथ फाइनल में पहुंचने में मदद की।

जोफ्रा आर्चर टी20 वर्ल्ड कप में कर सकते हैं वापसी, बेन स्टोक्स ने कर दिया है मना

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से चोटिल होने के कारण क्रिकेट से बाहर रहे इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर गेंदबाजी करते हुए दिखें हैं। वह इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में वापसी करने के लिए तैयारियों में लगे हुए हैं। वहीं, वर्ल्ड कप से पहले ही बेन स्टोक्स ने टी20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार कर दिया है। आर्चर की काउंटी टीम ससेक्स के कोच पाल फारब्रेस ने कहा कि यह 29 वर्षीय तेज गेंदबाज इंग्लैंड के ओली रॉबिसन और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं और योजना उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करना है। फारब्रेस ने कहा, पिछले सप्ताह अभ्यास के दौरान पहले ओलिवर (रॉबिसन) और फिर जेडन ने गेंदबाजी की। इनके बाद जोफ्रा गेंदबाजी के लिए आए और उन्होंने असाधारण गति से गेंदबाजी की। कोच ने कही बड़ी बात उन्होंने कहा, अभी (जेम्स) कीसी (ससेक्स के गेंदबाजी कोच) की योजना बिल्कुल स्पष्ट है। वह आर्चर को टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करना चाहते हैं। मैंने जो देखा उसी के बारे में बात कर रहा हूं। वह असाधारण गति से गेंदबाजी कर रहे हैं और उतनी ही अच्छी तरह से बल्लेबाजी भी कर रहे हैं। बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप इस साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। स्टोक्स नहीं खेलेंगे टी20 वर्ल्ड कप बता दें कि इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने ये कंफर्म किया कि वह टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए उपलब्ध नहीं हैं। स्टोक्स ने कहा क वह इस वक्त कड़ी मेहनत कर रहे है कि वह पूरी तरह से फिट हो और क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में ऑलराउंडर की भूमिका निभाने के लिए तैयार हो। इससे पहले बेन स्टोक्स ने आईपीएल 2024 खेलने से इनकार किया था।

श्रीलंका से चेन्नई वापस लौटे 19 भारतीय मछुआरे भारतीय उच्चायोग ने रिहाई को लेकर कही यह बात

कोलंबो, 04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

श्रीलंका नौसेना द्वारा हिरासत में लिए गए करीब 19 भारतीय मछुआरों को रिहा किए जाने के बाद भारत वापस भेज दिया गया है। भारतीय उच्चायोग ने यह जानकारी दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए भारतीय उच्चायोग ने लिखा, घर वापसी! 19 भारतीय मछुआरों को श्रीलंका से वापस लाया गया है और अब वे कोलंबो से चेन्नई जा रहे हैं। खास बात है कि 19 भारतीय मछुआरों की रिहाई कच्चातिवु द्वीप मुद्दे पर विवाद के बीच हुई है, जब भारत की सत्तारूढ़ भाजपा ने 1974 में इस छोटे से द्वीप को श्रीलंका को सौंपने के लिए कांग्रेस पार्टी को दोषी ठहराया था। क्या है मामला गौरतलब है कि श्रीलंकाई नौसेना ने पिछले महीने के अंत में एक बयान में पुष्टि की थी कि 2024 में द्वीप राष्ट्र के जल क्षेत्र पर मछली पकड़ने के लिए 23 भारतीय ट्रॉलर और 178 भारतीय मछुआरों को पकड़ लिया और उन्हें कानूनी कार्रवाई के अधिकारियों को सौंप दिया है। मछुआरों का मुद्दा भारत-श्रीलंका के बीच एक विवादास्पद विषय बता दें मछुआरों का मुद्दा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा है, यहां तक कि श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की और श्रीलंकाई क्षेत्रीय जल में अवैध रूप से प्रवेश करने की कई कथित घटनाओं में उनकी नौकाओं को जब्त कर लिया। कच्चातिवु को लेकर पीएम मोदी ने लगाए थे आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि नए तथ्यों से पता चलता है कि कांग्रेस पार्टी ने कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कच्चातिवु द्वीप मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की भी आलोचना की। पाक जलडमरूमध्य, तमिलनाडु को श्रीलंका से अलग करने वाली पानी की एक संकीर्ण पट्टी, दोनों देशों के मछुआरों के लिए एक समृद्ध मछली पकड़ने का मैदान है।

न्यूज ब्रीफ

कैलिफोर्निया पुलिस ने अपहरण पीड़िता को मारी गोली, मौत, पिता ने ही अपनी पत्नी की हत्या करने के बाद अपहरण किया था

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया पुलिस ने एक 15 वर्षीय अपहरण पीड़िता की गोली मारकर हत्या कर दी, जब वह अपने अपहरणकर्ता पिता से बचने के लिए पुलिस की ओर बढ़ी इस दौरान उसे गोली मार दी गई।

घटना सितंबर 2022 की बताई जा रही है जिसका वीडियो अब वायरल हो गया है जिसे देखकर लोग सकते में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सवाना को उसके पिता एंथोनी जॉन ग्राज़ियानो ने अपनी पत्नी ट्रेसी मार्टिनेज की हत्या करने के बाद अपहरण कर लिया था। एंथोनी की कार को जब पुलिस ने रोक और नीचे कार से बाहर आने का इशारा किया जैसे ही सवाना कार से निकली और पुलिस के निदेर्शों का पालन कर रही थी तभी पुलिस अधिकारियों ने उसे गोली मार दी। जबकि एक अधिकारी लगातार विनती करता रहा, उसे गोली मारना बंद करो! वह कार में है! रुको! वह ठीक है! वह कार में है! ...रुको! वीडियो लगभग दो साल बाद जारी किया गया क्योंकि शेरिफ के प्रतिनिधियों ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी थी। पुलिस ने पहले दावा किया था कि 15 वर्षीय सवाना को गोली मार दी गई थी क्योंकि उसने सामरिक उपकरण पहने हुए थे और जवाबी फायरिंग की थी। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, फुटेज से यह साबित होता है कि वह कोई हथियार नहीं ली हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि सैन बर्नाडिनो काउंटी के प्रतिनिधियों ने एंथोनी ग्राज़ियानो के ट्रक को रोकने की कोशिश की, जब उनके पिता ने उन पर गोलीबारी की, जिनके पास अर्ध-स्वचालित हथियार था। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने दावा किया कि सवाना वाहन से गोलीबारी भी कर रही होगी। 15 साल की सवाना फिर कार से बाहर निकलती है और एक अधिकारी रेडियो पर कहता है, लड़की बाहर है। वह नीचे झुकती है लेकिन तेजी से अधिकारियों की ओर बढ़ने लगती है तभी अचानक गोली चलने की आवाज आती है और फुटेज में ग्राजियानो का शरीर धुंधला हो जाता है। एक नए हवाई फुटेज से पता चलता है कि सवाना धीमी गति से चल रही थी और उसकी पोशाक स्पष्ट नहीं थी।

जिंदगी को पटरी पर लाने की कवायदः भूकंप के बाद ताइवान में बचाव कार्य तेज, गिराई जा रहीं क्षतिग्रस्त इमारतें

ताइवान । ताइवान में तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। यहां 25 वर्षों में आए सबसे भीषण भूकंप में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि 1,038 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, भूकंप के कारण 52 लोग लापता भी हो गए हैं। भूकंप के कारण हुए नुकसान के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है। पार्क या अन्य जगहों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों में भेजने के लिए बचावकर्मी ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए लोगों की तलाश कर रहे हैं। बड़ी-बड़ी इमारतें धराशायी हो गई हुलिएन और पूर्वी तट के किनारे बचाव कार्य जारी है। यहां भूकंप के झटकों के कारण निचली मंजिलें ढह जाने के कारण दर्जनों इमारतें धराशायी हो गए। ब्रिज और टनल नष्ट हो गए और भूस्खलन के कारण सड़के भी क्षतिग्रस्त हो गईं। बचाल दल के कर्मी हुलिएन शहर में क्षतिग्रस्त इमारतों को गिरा रहे हैं। भूकंप के झटके ने ताइपे में चिंता बढ़ा दी भूकंप के कारण 2.3 करोड़ की आबादी वाले देश में इमारतें झुक गईं, विद्यार्थियों को स्कूल से निकाल कर खेल के मैदान में ले जाया गया। ताइवान के भूकंप निगरानी एजेंसी के अधिकारी कम तीव्रता वाले झटके की उम्मीद कर रहे थे, जिस वजह से अधिकारियों ने अलर्ट जारी नहीं किया था। हालांकि, 7.4 की तीव्रता से भूकंप के झटके ने राजधानी ताइपे में चिंता बढ़ा दी। यहां की इमारते बुरी तरह से हिल गई थी।

एआई इनफ्लूएंसर से लोगों में मची खलबली, लग रहा एआई से नौकरियां गंवाने का डर

मैड्रिड । स्पेन के एक टीवी शो में एल्बा रेनाई नाम की एक आकर्षक डिजिटल इन्फ्लूएंसर को लोकप्रिय रियलिटी शो सर्वाइवर के स्पेनी संस्करण के खास हिस्से का प्रस्तुतकर्ता बनाया जा रहा है। यह लोकप्रिय इन्फ्लूएंसर वास्तव में कोई इंसान नहीं है, बल्कि आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस से तैयार की गई है। इससे लोगों लगने लगा है कि एआई लोगों की नौकरी खाने वाला है। एल्बा को पिछले साल के अंत में टेलीविजन की बड़ी कंपनी मीडियासेट स्पेन के उपक्रम बी अ लायन ने बनाया था। हाल ही में उसकी लोकप्रियता बहुत ही अधिक बढ़ गई है और वह इंटरनेट सेलिब्रिटी बन गई है। पूरी तरह से इंसान दिखाई देने वाली इस इंफ्लूएंसर को एक ऐसे अवतार के तौर पर बनाया गया है जो ज्यादा से ज्यादा लोगों को आकर्षित कर सके। प्रयोग पूरी तरह से सफल रहा है और एल्बा के एक हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। सोशल मीडिया मंच पर एल्बा ने ऐलान किया कि वह स्पेनिश टीवी पर आर रही है।

बोत्सवाना की धमकी– जर्मनी में भेज देंगे 20 हजार हाथी

राष्ट्रपति बोले– ये लोगों को कुचल रहे जर्मनी ने कहा था–इनका शिकार बैन हो

गैबोरोन, 04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बोत्सवाना के राष्ट्रपति मोकग्वेत्सी मासीसी ने जर्मनी को 20 हजार हाथी भेजने की धमकी दी है। उन्होंने कहा है, जर्मनी के लोगों को भी हाथियों के साथ मिलकर रहने का अनुभव लेना चाहिए, जैसा वो हमें करने के लिए कह रहे हैं। हम जर्मनी को यह तोहफा देना चाहते हैं और हम न नहीं सुनेंगे।

दरअसल, इस साल की शुरुआत में जर्मनी के पर्यावरण मंत्री ने हाथियों के संरक्षण का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि इसके लिए बोत्सवाना जाकर हाथियों का शिकार करने और फिर उसे इम्पोर्ट करने पर कुछ प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए।

इसी का विरोध करते हुए बोत्सवाना के राष्ट्रपति ने जर्मनी को यह धमकी दी है। राष्ट्रपति मासीसी ने कहा, संरक्षण की कोशिशों की वजह से बोत्सवाना में हाथियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वे देश में फसलें बर्बाद कर रहे हैं, लोगों और खासकर छोटे बच्चों को कुचल रहे हैं और संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे अफ्रीकी लोग भूखे मर रहे हैं।

हाथियों के **शिकार के बदले फीस लेती है बोत्सवाना की सरकार** – दरअसल, दुनिया में हाथियों की आबादी का एक तिहाई हिस्सा बोत्सवाना में रहता है। यहां इनकी संख्या 1 लाख 30 हजार से ज्यादा है। यह भारत में हाथियों की आबादी से 4 गुना ज्यादा है। पश्चिमी देशों और खासकर जर्मनी से लोग बोत्सवाना जैसे कई अफ्रीकी देशों में हाथियों के शिकार के लिए जाते हैं। इसके लिए यहां की सरकारें शिकारियों से हजारों डॉलर की फीस वसूलती हैं।

इन पैसों का इस्तेमाल हाथियों की सुरक्षा और क्षेत्रीय लोगों की जीविका के लिए किया जाता है। हाथियों का शिकार करने के बाद विदेशी इनके सिर और खाल को ट्रॉफी की तरह अपने देश वापस ले जाते हैं। इन्हें हंटिंग ट्रॉफी कहा जाता है। हालांकि, कई एनिमल राइट्स ग्रुप इस व्यवस्था का विरोध करते हुए इस पर प्रतिबंध की मांग करते हैं।

ब्रिटेन को भी 10 हजार हाथी भेजने की धमकी दी थी – ब्रिटेन में भी 2019 के चुनाव के दौरान पीएम सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी ने दूसरे देश जाकर हाथियों के शिकार पर बैन लगाने के मुद्दे को अपने चुनावी घोषणा पत्र का हिस्सा बनाया था। इसके बाद इस साल मार्च में ब्रिटिश सांसदों ने हंटिंग ट्रॉफी पर बैन लगाने से जुड़ा एक बिल पास किया था।

इस पर बोत्सवाना के वन्यजीव मंत्री मथिम्खुलु ने पिछले महीने ब्रिटेन को धमकी दी थी। उन्होंने कहा था, हम लंदन के हाइड पार्क में 10 हजार हाथी भेज देते हैं। इससे वहां के लोगों को भी पता चलेगा कि हाथियों के साथ रहना कैसा होता है। बोत्सवाना के कुछ इलाकों में लोगों से ज्यादा हाथी रहते हैं। ये अपने रास्ते में आने वाली फसलों के साथ ही छोटे बच्चों को भी कुचल देते हैं।

बोत्सवाना के साथ ही जिम्बाब्वे और नामीबिया जैसे देशों ने हाथी के दांत को बेचने की भी इजाजत मांगी है, जिससे वो हाथियों से परेशान अपने नागरिकों को पैसे कमाने का एक और जरिया दे सकें।

बोत्सवाना ने हाथियों के शिकार के लिए कोटा तय किया – बोत्सवाना में साल 2014 में हंटिंग ट्रॉफी पर बैन लगा दिया गया था। इसके बाद हाथियों की तादाद तेजी से बढ़ने लगी। क्षेत्रीय समुदायों की तरफ से दबाव बढ़ने के बाद साल 2019 में इस व्यवस्था को फिर शुरू किया गया। अब बोत्सवाना में हाथियों के शिकार के लिए सालाना एक कोटा तय किया जाता है।

देश में हाथियों की आबादी पर कंट्रोल करने के लिए कुछ समय पहले ही बोत्सवाना ने पड़ोसी देश अंगोला को 8 हजार हाथी दिए थे। इसके अलावा उन्होंने मोजाम्बीक को भी सैकड़ों हाथी देने की पेशकश की है। हाथियों के संरक्षण की मांग के बीच अब तक ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और बेल्जियम ऐसे देश हैं जो इनके शिकार और ट्रेड पर बैन लगा चुके हैं।

प्रेमी के साथ मिलकर बच्चे का दुष्कर्म करने वाली शिक्षिका पर लगा प्रतिबंध, अब कभी नहीं पढ़ा सकेगी

लंदन, 04 अप्रैल ।

ब्रिटेन की जेल में बंद एक पूर्व शिक्षिका को बड़ी सजा सुनाई गई है। अब वह फिर से कभी पढ़ा नहीं सकेगी। उसे स्थायी रूप से शिक्षण पेशे में लौटने से रोक दिया गया है। दरअसल, एक प्राथमिक स्कूल में उप प्रमुख के रूप में काम करने के दौरान शिक्षिका ने एक बच्चे का दुष्कर्म किया था। सेफगार्डिंग का काम करती थी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जूली मॉरिस उस वक्त टाइल्डस्ले में सेंट जॉर्ज सेंट्रल प्राइमरी स्कूल में सेफगार्डिंग लीड के तौर पर काम करती थी, जब उसने अपने प्रेमी डेविड मॉरिस के साथ मिलकर इस कृत्य को अंजाम दिया था। टीचिंग रेगुलेशन एजेंसी के पास गया मामला मॉरिस को दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने के बाद इस मामले को टीचिंग रेगुलेशन एजेंसी (टीआरए) को भेजा गया था। मामले की समीक्षा के लिए इस साल 19 फरवरी को तीन व्यक्तियों का एक पैनल बुलाया गया था। इसलिए लिया फैसला वहीं, जूली ने कार्यवाही को सार्वजनिक न कराने का अनुरोध किया था। इस पर उसके बिना उपस्थित हुए कार्यवाही हुई। पैनल ने निष्कर्ष निकाला कि मॉरिस की हरकतें एक शिक्षक होने के साथ मौलिक रूप से असंगत थीं। इसके बाद फैसला लिया गया कि वह अब फिर कभी शिक्षण पेशे में नहीं लौट सकती है। पैनल ने एक रिपोर्ट में कहा, जूल एक सेफगार्डिंग के तौर पर स्कूल में काम कर रही थीं। इससे उनका अपराध और अधिक चौंकाने वाला है। भले ही स्कूल में इस कृत्य को अंजाम नहीं दिया गया था। मगर उनका काम बच्चों को सुरक्षा देना था, तब वह खुद एक बच्चे के साथ दुर्व्यवहार करने में लगी हुई थी।

फिर से दोहरा सकती है अपमानजनक व्यवहार

यह भी पाया कि अगर मॉरिस फिर से अपने पेशे में लौटती हैं तो फिर वह ऐसे अपमानजनक व्यवहार को दोहरा सकती हैं। उनका फिर से वापस स्कूल में लौटना खतरनाक हो सकता है। साथ ही पैनल ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि उससे जबरन ऐसा कृत्य कराया जा रहा था। पैनल में शामिल डेविड ओटले ने रिपोर्ट में कहा, उसके खिलाफ साबित हुए आरोपों की गंभीरता को देखते हुए मैंने फैसला किया है कि मॉरिस फिर से पढ़ाने के लिए अपनी पात्रता की बहाली के लिए आवेदन करने की हकदार नहीं होंगी।

इमरान खान की रिहाई को लेकर होने वाली पीटीआई की रैली रद्द, पार्टी ने बताई वजह

इस्लामाबाद, 04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ इस्लामाबाद में 6 अप्रैल को एक विशाल रैली का आयोजन करने वाली थी। अब खबर आई है कि पार्टी ने अपनी ये रैली रद्द कर दी है। पार्टी ने रैली रद्द करने की वजह धार्मिक बताई है। पीटीआई के चेयरमैन बैरिस्टर गौहर अली खान ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि रैली के समय लैलत उल कद्र का दिन पड़ रहा है, जिसकी वजह से पार्टी ने रैली रद्द करने का फैसला किया है। लैलत उल कद्र की रात का रमजान के महीने में विशेष धार्मिक महत्व है।

हाईकोर्ट ने दी थी रैली की मंजूरी

बैरिस्टर गौहर अली खान ने अपने समर्थकों से अपील की कि वे इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की रिहाई के लिए दुआ करें। पीटीआई ने इस्लामाबाद के परेड ग्राउंड में इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर विशाल रैली आयोजित करने का एलान किया था। इमरान खान को बीते साल अगस्त में गिरफ्तार किया गया था। पीटीआई ने इस रैली के लिए इस्लामाबाद हाईकोर्ट से मंजूरी भी ले ली थी। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने भी प्रशासन को पीटीआई की रैली के लिए इंतजाम करने का

निर्देश दिया था।

तोशाखाना मामले में राहत मिलने के बाद पीटीआई ने रद्द की रैली

हाईकोर्ट ने कहा था कि पीटीआई को रैली करने का अधिकार है और किसी भी पार्टी से उसका ये अधिकार नहीं छीना जा सकता। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की जेल की सजा को बर्खास्त कर दिया था। हाईकोर्ट के इस आदेश के दो दिन बाद ही पीटीआई ने इस्लामाबाद में होने वाली अपनी रैली रद्द कर दी। इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को बीती 31 जनवरी को तोशाखाना मामले में 14 साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

ईरान के चाबहार में आतंकी हमला, 27 की मौत, इनमें 11 सुरक्षाकर्मी भी शामिल

तेहरान, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान के चाबहार और रस्क शहर में आतंकी हमला हुआ है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक इसमें 11 सुरक्षाकर्मियों और 16 आम नागरिकों की मौत हुई है। वहीं करीब 10 सिक्योरिटी अधिकारी घायल हुए हैं। ईरान के स्टेट मीडिया ने बताया कि हमला बुधवार रात को हुआ था। हालांकि इसकी जानकारी अब सामने आई है। हमले को जैश-अल-अदल के आतंकियों ने अंजाम दिया। मरने वालों में 2 पुलिस अधिकारी, 2 बॉर्डर गार्ड्स और 7 सैनिक शामिल हैं। ईरान के डिप्टी आंतरिक मंत्री माजिद मीराहमादी ने बताया कि आतंकी चाबहार में मौजूद बॉर्डर गार्ड्स के हेडक्वार्टर पर कब्जा करना चाहते थे।हालांकि वे अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो पाए। ईरान के मीडिया आईआरएनए ने बताया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अब तक 15 आतंकियों को मार गिराया है। ईरान में हुए हमले की पाकिस्तान ने निंदा की है। पाकिस्तानी राजदूत मुदस्सिर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर

कहा, ईरान पर हुए 2 आतंकी हमलों में कई सुरक्षा अधिकारी मारे गए। हम आतंक के खिलाफ लड़ाई में ईरान के साथ हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के साथ लगी ईरान की सीमाओं पर लंबे समय से आतंकी हमले होते रहे हैं। इस दौरान कई बार ईरान के सैनिकों की सुन्नी आतंकवादियों और ड्रग्स तस्करों से झड़प भी हुई है। पिछले साल दिसंबर में आतंकियों ने ईरान के रस्क शहर में ही एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया था। इसमें 11 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई थी। ईरान ने 16 जनवरी को पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जैश-अल-अदल आतंकी संगठन के 2 ठिकानों पर मिसाइल से हमला किया था। पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस हमले में 2 बच्चों की मौत हो गई। इस हमले के अगले ही दिन पाकिस्तान ने ईरान में बलूच लिबरेशन आर्मी के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। पाक ने दावा किया था कि सिस्तान-बलूचिस्तान में एयरस्ट्राइक में कई आतंकी मारे गए। ईरान एक शिया बहुल देश है। ऐसे में पाकिस्तान के सुन्नी संगठन ईरान का विरोध करते रहे हैं। इन्हीं में से एक है बलूचिस्तान का जैश अल अदल संगठन।

बाइडन को पीछे छोड़ते दिखाई दे रहे ट्रंप, सात में से छह राज्यों की पसंद बने पूर्व राष्ट्रपति

वॉशिंगटन, 04 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इसके लिए मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ी टक्कर है। इस बीच सामने आए एक ओपिनियन पोल ने चौंकाने वाला दावा किया है। बताया जा रहा कि बाइडन सात में से छह राज्यों में अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी ट्रंप से पीछे चल रहे हैं।

इन राज्यों में ट्रंप लोगों की पसंद

वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा कराए गए सर्वे में पता चला है कि मतदाता बड़ी संख्या में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को लेकर संतुष्ट नहीं हैं। इसके अलावा, यहां के लोगों को बाइडन की क्षमता पर भी संदेह हैं। डोनाल्ड ट्रंप छह राज्यों पेंसिल्वेनिया, मिशिगन, एरिजोना, जॉर्जिया, नेवाडा और नॉर्थ कैरोलिना में दो से आठ प्रतिशत अंकों से आगे चल रहे हैं। हालांकि, विस्कॉन्सिन में बाइडन तीन अंक आगे चल रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति को यहां पसंद नहीं किया गया था

इतना ही नहीं सर्वे में सामने आया है कि हर राज्य में राष्ट्रपति बाइडन के काम को पसंद नहीं करने वाले ज्यादा लोग हैं। वहीं, इसके उलट ट्रंप जब राष्ट्रपति थे तब उन्हें केवल एक राज्य एरिजोना में पसंद नहीं किया जाता था। रियल क्लियर पॉलिटिक्स के अनुसार, ट्रंप और बाइडन के बीच कड़ी टक्कर है। प्रमुख राष्ट्रीय सर्वेक्षणों के औसत से पता चलता है कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप बाइडन से 0.8 प्रतिशत अंक आगे हैं।

दोनों के बीच कड़ी टक्कर

बाइडन और ट्रंप दोनों पिछले महीने आसानी से अपनी पार्टी के संभावित उम्मीदवार बन गए थे, लेकिन प्रत्येक उम्मीदवार को 2020 के मुकाबले में एक लंबे और कठिन अभियान का सामना करना पड़ेगा।

डोनाल्ड ट्रंप देते रहते हैं विवादित बयान

इससे पहले, ओहायो के डायटन में एक रैली को संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, हम सीमा पार आने वाली हर कार पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने जा रहे हैं और अगर मैं चुना जाता हूं तो आप उसे बेच नहीं पाएंगे। अगर अब मैं चुना नहीं जाता हूं तो यहां खून-खराबा होगा। कम से कम यह होगा ही। खून-खराबा देश के लिए होने जा रहा है।

हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप के इस बयान का क्या आशय था। दरअसल, जिस समय उन्होंने यह चेतावनी दी उस सनय वह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति वाहन उद्योग के बारे में शिकायत कर रहे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर वह फिर से चुने जाते हैं तो चीन अमेरिका में आयातित किसी भी वाहन को बेचने में सक्षम नहीं होगा।

बाइडन के अभियान का हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रचार अभियान के प्रवक्ता जेम्स सिंगर ने डोनाल्ड ट्रंप के बयान की निंदा की थी। साथ ही इस बात पर जोर दिया था कि अमेरिका की जनता उन्हें राष्ट्रपति चुनाव नहीं जिताएगी। सिंगर ने कहा था, अमेरिकी जनता उन्हें नवंबर में एक और चुनावी हार देने जा रही है क्योंकि वे उनके चरमपंथ, हिंसा के प्रति उनका प्यार और बदला लेने की उनकी आदत को खारिज करते रहेंगे।

सोमवती अमावस्या 8 को

दान पुण्य करने से मिलता है अक्षय पुण्य

सोमवार 8 अप्रैल को चैत्र मास की अमावस्या है। सोमवार को अमावस्या होने से इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। गरुड़ पुराण में बताया गया है कि सोमवती अमावस्या की तिथि पर पितरों का तर्पण करना बहुत शुभ होता है। इस दिन पितरों को तर्पण करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार सोमवती अमावस्या 8 अप्रैल को तड़के 3:11 बजे शुरू होगी और 8 अप्रैल को ही रात 11:50 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के कारण सोमवती अमावस्या 8 अप्रैल को मनाई जाएगी। अमावस्या तिथि जब सोमवार के दिन आती है। तब इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। सोमवती अमावस्या की तिथि पर दुर्लभ इंद्र योग बन रहा है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू धर्म में सोमवती अमावस्या का बेहद महत्व है। इस दिन व्रत, पूजन और पवित्र नदियों में स्नान का भी विशेष महत्व है। महिलाएं सोमवती अमावस्या के दिन पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं। पितृ दोष निवारण के लिए दिन अत्यंत शुभ माना गया है। इस अमावस्या पर किए गए दान-पुण्य और तीर्थ स्नान से अक्षय पुण्य मिलता है। मन शांत होता है और नकारात्मक विचार दूर होते हैं। इस तिथि पर अपने-अपने क्षेत्रों की पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए और क्षेत्र के पौराणिक महत्व वाले तीर्थों के, मंदिरों के दर्शन करना चाहिए। पूजा-पाठ आदि शुभ काम करना चाहिए।

अगर हम किसी नदी में स्नान करने नहीं जा पाते हैं तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाएं और तीर्थों का ध्यान करते हुए स्नान करें। सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे में जल भरें और सूर्यदेव को चढ़ाएं। ऐसा करने से भी तीर्थ और नदी स्नान के बराबर पुण्य मिल सकता है। स्नान के बाद जरूरतमंद लोगों को अनाज और गोशाला में धन, हरी घास का दान करें। अमावस्या पर पितरों के लिए धूप-ध्यान करें। घर में दोपहर करीब 12 बजे गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और उसके अंगारों पर गुड़-घी डालें। पितरों का ध्यान करें। हथेली में जल लें और अंगूठे की ओर से पितरों को अर्घ्य अर्पित करें। किसी शिव मंदिर में दीपक जलाएं, शिवलिंग पर जल चढ़ाते हुए ऊँ नम: शिवाय मंत्र का जाप करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें।

इंद्र योग

कई वर्षों के बाद चैत्र अमावस्या पर दुर्लभ और शुभ इंद्र योग बन रहा है। इस योग शाम 06:14 बजे तक रहेगा। इस योग में पूजा-पाठ और शुभ कार्य किए जा सकते हैं।

शिव वास

सोमवती अमावस्या पर भगवान शिव आदिशक्ति मां पार्वती संग रात 11:50 बजे तक साथ रहेंगे। इस दौरान भगवान शिव की पूजा की जाए तो हर मनोकामना पूरी होती है। शास्त्रों में बताया गया है कि जब भगवान शिव माता पार्वती के साथ हों, तो रुद्राभिषेक करने से कई गुना फल प्राप्त होता है।

सोमवती अमावस्या

8 अप्रैल को तड़के 3.21 बजे शुरू
8 अप्रैल को ही रात 11.50 बजे समाप्त

गंगाजल से स्नान

इस दिन गंगाजी या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करना बहुत पुण्यकारी माना गया है। स्नान का उत्तम समय सूर्योदय से पूर्व माना जाता है। मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर विधिवत स्नान करने से भगवान विष्णु की कृपा हमेशा बनी रहती है। यदि आप नदियों में स्नान करने नहीं जा सकते तो आप घर में ही थोड़ा सा गंगाजल नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करें। मान्यता यह भी है कि इस दिन विधिवत स्नान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

चैत्र अमावस्या होता है हिन्दू वर्ष का अंतिम दिन

चैत्र अमावस्या विक्रम संवंत वर्ष का अंतिम दिन होता है। विक्रम संवंत को आम भाषा में हिन्दू कैलेंडर के नाम से भी जाना जाता है। चैत्र अमावस्या तिथि की समाप्ति के बाद चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि आती है जो हिन्दू वर्ष का पहला दिन होता है। कहते हैं चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही ब्रह्मा जी ने इस सृष्टि की रचना की थी। नवरात्र भी हिन्दू नवर्ष की पहली तिथि से प्रारंभ होता है।

अमावस्या का ज्योतिषीय महत्व

अमावस्या तिथि के दिन सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में होते हैं। जहां सूर्य आग्नेय तत्व को दर्शाता है तो वहीं चंद्रमा शीतलता का प्रतीक है। सूर्य के प्रभाव में आकर चंद्रमा का प्रभाव शून्य हो जाता है। इसलिए मन को एकाग्रचित करने का यह कारगर दिन होता है। इसलिए अमावस्या का दिन आध्यात्मिक चिंतन के लिए श्रेष्ठ होता है। अमावस्या को जन्म लेने वाले की कुंडली में चंद्र दोष होता है।

सूर्य को प्रदान करें अर्घ्य

पदमपुराण के अनुसार पूजा, तपस्या, यज्ञ आदि से भी श्री हरि को उतनी प्रसन्नता नहीं होती, जितनी कि प्रातः स्नान कर जगत को प्रकाश देने वाले भगवान सूर्य को अर्घ्य देने से होती है। इसलिए पूर्व जन्म और इस जन्म के सभी पापों से मुक्ति और भगवान सूर्य नारायण की कृपा प्राप्त करने के लिए प्रत्येक मनुष्य को नियमित सूर्य मंत्र का उच्चारण करते हुए सूर्य को अर्घ्य अवश्य प्रदान करना चाहिए।

पीपल के वृक्ष में पितरों का वास

माना जाता है कि अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। इस दिन पीपल और भगवान विष्णु का पूजन किया जाए तो सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। लक्ष्मी जी की कृपा पाने के लिए इस दिन मीठे जल में दूध मिलाकर चढ़ाएं, क्योंकि इस दिन पीपल के पेड़ पर मां लक्ष्मी का वास माना जाता है। पूजन के बाद पीपल की यथा शक्ति परिक्रमा करके जीवन में आने वाली सभी समस्याएं खत्म होने के लिए प्रार्थना करें।

दान करने से मिलेगा पुण्य

इस दिन अन्न, दूध, फल, चावल, तिल और आवंले का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। गरीबों, साधु, महात्मा तथा ब्राह्मणों को भोजन करवाना चाहिए। स्नान- दान आदि के अलावा इस दिन पितरों का तर्पण करने से परिवार पर पितरों की कृपा बनी रहती है।

पितरों को करें प्रसन्न

सोमवती अमावस्या के दिन पितरों के नाम जल में तिल डालकर दक्षिण दिशा में तर्पण करें। अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित होती है। ऐसे में इस दिन तर्पण करने से पितरों को तृप्ति मिलती है और वे आशीर्वाद देते हैं। अमावस्या के दिन पीपल के वृक्ष की पूजा करें। दूध चढ़ाएं और सात बार परिक्रमा लगाएं। पीपल के नीचे दीपक जलाएं। ऐसा करने से परिवार में खुशहाली आती है। सोमवती अमावस्या के दिन भगवान विष्णु की पूजा करें। इस दिन पितरों के निमित्त गीता के सातवें अध्याय का पाठ करना चाहिए। पितरों का ध्यान करते हुए सोमवती अमावस्या के दिन दान करें। सोमवती अमावस्या के दिन पीपल का एक पौधा लगाएं। ऐसा करने से पितर खुश होते हैं। वह आर्थिक स्थिति सुधरती है।

करें उपाय

अमावस्या के दिन तिल को आटे में मिलाकर रोटी बनाए और गाय को खिलाएं। इससे घर में सुख-शांति आएगी। अमावस्या के दिन स्नान के बाद आटे की गोलियां बनाएं। इस गोलियों को मछलियों को खिलाएं। इस उपाय से कई परेशानियां दूर होती हैं। अमावस्या के दिन पितरों का ध्यान करते हुए जरूरतमंद या गरीब को दान करें। अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त गीता का सातवां अध्याय का पाठ करें। अमावस्या के दिन जल में तिल मिलाकर उसे दक्षिण दिशा की ओर तर्पण करें। ऐसा करने से पितर आशीर्वाद देते हैं। अमावस्या के दिन दूध में अपनी छाया देखें। इस दूध को काले कुत्ते को पिलाएं। इससे मानसिक तनाव दूर होता है। अमावस्या के दिन शाम के समय ईशान कोण में दीपक जलाएं। बत्ती के लिए लाल रंग के धाते का इस्तेमाल करें। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है। अमावस्या के चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। इससे सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

चैत्र नवरात्रि से एक दिन पहले लग रहा है सूर्य ग्रहण

इस साल 9 अप्रैल 2024 चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होती है। इससे एक दिन पहले 8 अप्रैल को चैत्र अमावस्या पर साल का पहला सूर्य ग्रहण लग रहा है। सूर्य ग्रहण को अशुभ माना जाता है।

इस दौरान सूर्य की किरणें ज्योतिषियों की मानें तो ग्रहण के समय राहु का प्रभाव बढ़ जाता है, जिससे हमारे जीवन से जुड़ी हर चीज पर प्रभावित होता है। इसके लिए ग्रहण के समय पर शुभ कार्य करने की मनाही होती है। जानें सूर्य ग्रहण में क्या करें, क्या न करें।

सूर्य ग्रहण में न करें ये गलतियां

ग्रहण में अन्न क्यों नहीं खाते

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य या चंद्रमा किसी भी ग्रहण के वक्त भोजन नहीं करना चाहिए। पुराणों के माना जाता है कि जो व्यक्ति ग्रहण के दौरान अन्न खाता है उसे नरक की यातनाएं भोगनी पड़ती है। सूर्य ग्रहण के सूतक काल में ही अनाज में तुलसी दल डाल देना चाहिए।

इन पेड़ों को स्पर्श नहीं करें

तुलसी, पीपल के पेड़ को पूजनीय माना गया है। सूर्य ग्रहण के समय में तुलसी दल नहीं तोड़ना चाहिए। तुलसी में मां लक्ष्मी और पीपल में विष्णु जी का वास होता है। सूर्य ग्रहण में इन पेड़ों का स्पर्श नहीं करना चाहिए। इससे धन की देवी मां लक्ष्मी अप्रसन्न होती हैं।

देवी-देवता की मूर्ति न छुएं

सूर्य ग्रहण के समय भूलकर भी देवी-देवताओं की प्रतिमा को स्पर्श न करें, पूजा न करें। इससे दोष लगता है। इस समय में मंदिर के कपाट बंद हो जाते हैं। सारा दिन पाठ करें, इससे ग्रहण के दुष्प्रभाव खत्म होते है।

गर्भवती महिलाएं बरतें ये सावधानी

सूर्य ग्रहण के दिन गर्भवती महिलाएं खास ख्याल रखें। सावधानियां बरतें। सूतक शुरू होने से ग्रहण खत्म होने तक घर से बाहर न निकलें। नुकीली वस्तुओं जैसे सुई, कैंची, चाकू आदि का उपयोग किसी काम में नहीं करना चाहिए।

खरीदारी है निषेध

हिन्दु मान्यताओं के अनुसार सूतक काल के समय पृथ्वी का वातावरण दूषित होता है। सूतक के अशुभ दोषों से सुरक्षित रहने के लिए अतिरिक्त सावधानी रखनी चाहिए। शास्त्रों के अनुसार ग्रहण और सूतक के दौरान कोई भी शुभ कार्य पूजा, खरीदारी नहीं करना चाहिए। कुंडली में शुभ ग्रहों का प्रभाव कम होने लगता है।

नया काम शुरू न करें

सूर्य ग्रहण के दौरान नकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है, इसलिए इस दौरान किसी भी नए काम की शुरुआत या मांगलिक कार्य न करें। साथ ही ग्रहण के दौरान नाखून काटने और कंघी करने से भी बचें।

सूर्य ग्रहण में क्या करें

सूर्य ग्रहण का सूतक काल लगने से पहले मंदिर के पट बंद कर दें। ग्रहण के बाद गंगाजल से स्नान और दान करें। भगवान को भी गंगाजल से स्नान कराएं। इसकी समाप्ति पर पूरे घर में गंगाजल छिड़कर शुद्धिकरण करें। ग्रहण के समय महामृत्युंजय मंत्र का उच्चारण या फिर तमोमय महाभीम सोमसूर्यविमर्दन। हेमताराप्रदानेन मम शान्तिप्रदो भव।। या विधुन्तुद नमस्तुभ्यं सिंहिकानन्दनाच्युत। दानेनानेन नागस्य रक्ष मां वेधजाद्भयात्।।2।। मंत्र जाप से ग्रहण के अशुभ प्रभाव

आत्मकारक ग्रह का ज्योतिष में क्या अर्थ है

जानें ये हमारे जीवन पर कैसा प्रभाव डालता है

आत्मकारक ग्रह वह ग्रह होता है जो किसी जन्मकुंडली में व्यक्ति की व्यक्तित्व और भविष्य को प्रभावित करता है। इन ग्रहों के माध्यम से व्यक्ति की स्वाभाविक गुण, प्रवृत्ति, और व्यवहार का विश्लेषण किया जाता है और उनके जीवन में होने वाले घटनाओं का पूर्वानुमान किया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में,आत्मकारक ग्रह वह ग्रह होता है जो आपकी जन्म कुंडली में सबसे अधिक अंश प्राप्त करता है। यह ग्रह आपके जीवन पर सबसे मजबूत प्रभाव डालता है और आपके व्यक्तित्व, आत्मा और जीवन के उद्देश्य को दर्शाता है।

आत्मकारक ग्रह की गणना कैसे करें:

आत्मकारक ग्रहों की गणना करने के लिए, व्यक्ति की जन्मकुंडली बनानी पड़ती है। जन्मकुंडली में आत्मकारक ग्रहों की स्थिति का पता लगाने के लिए, ज्योतिषियों द्वारा नक्षत्र, राशि, और ग्रहों की स्थिति का विश्लेषण किया जाता है। इस प्रक्रिया में जन्म तिथि, समय, और स्थान के आधार पर गणना की जाती है और फिर व्यक्ति के आत्मकारक ग्रहों का पता चलता है। यह गणना ज्योतिष विज्ञान के तरीके और सिद्धांतों के आधार पर की जाती है। अपनी जन्म कुंडली में सभी ग्रहों की अंशों की गणना करें। सबसे अधिक अंश प्राप्त करने वाले ग्रह को आत्मकारक ग्रह माना जाता है।

आत्मकारक ग्रह का प्रभाव:

सूर्य: अगर सूर्य आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप आत्मविश्वासी, नेता, और ऊर्जावान होते हैं।

चंद्रमा: अगर चंद्रमा आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप भावुक, संवेदनशील, और रचनात्मक होते हैं।

मंगल: अगर मंगल आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप साहसी, ऊर्जावान, और महत्वाकांक्षी होते हैं।

बुध: अगर बुध आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप बुद्धिमान, जिज्ञासु, और संवादात्मक होते हैं।

बृहस्पति: अगर बृहस्पति आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप ज्ञानी, दयालु, और आशावादी होते हैं।

शुक्र: अगर शुक्र आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप सुंदर, आकर्षक, और कलात्मक होते हैं।

शनि: अगर शनि आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप अनुशासित, कर्मठ, और जिम्मेदार होते हैं।

राहु: अगर राहु आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप रहस्यमय, आकर्षक, और महत्वाकांक्षी होते हैं।

केतु: अगर केतु आपका आत्मकारक ग्रह है, तो आप आध्यात्मिक, रहस्यमय, और अंतर्मुखी होते हैं।

आत्मकारक ग्रह का महत्व:

आत्मकारक ग्रह आपके व्यक्तित्व, आत्मा और जीवन के उद्देश्य को दर्शाता है।

यह आपके जीवन में होने वाली घटनाओं और आपके द्वारा किए जाने वाले निर्णयों को प्रभावित करता है।

यह आपको यह समझने में मदद कर सकता है कि आप कौन हैं और आप जीवन में क्या चाहते हैं।

14 अप्रैल को मनाई जाएगी यमुना छठ

जानिए शुभ मुहूर्त और इसकी महिमा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, साल में दो बार छठ पूजा की जाती है। चैत्र माह में मनाए जाने वाली छठ को चैती छठ और कार्तिक माह में मनाई जाने वाली छठ को कार्तिकी छठ कहा जाता है। चैती छठ को यमुना छठ के रूप में भी जाना जाता है, जो हर साल चैत्र माह की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर मनाई जाती है। यह पर्व प्रकृति के प्रति अटूट श्रद्धा को दर्शाता है।

यमुना छठ शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि 13 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 04 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं, इसका समापन 14 अप्रैल को सुबह 11 बजकर 43 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यमुना छठ का पर्व 14 अप्रैल 2024 रविवार को मनाया जाएगा।

यमुना छठ का महत्व

माना जाता है कि चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर ही देवी यमुना पृथ्वी पर अवतरित हुई थी। इसलिए इस दिन को यमुना छठ या यमुना जयंती के रूप में मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गोलोक में जब श्री हरि ने यमुना जी को पृथ्वी पर जाने की आज्ञा दी तब यमुना जी पृथ्वी पर जाने को अवतरित हुईं। माना जाता है कि जो व्यक्ति यमुना छठ के दिन यमुना जी में स्नान-दान करना है और पूरे विधि-विधान से पूजा आदि करता है, उसे भविष्य में यम और शनि का भय नहीं सताता।

यमुना छठ पूजा विधि

अगर संभव हो तो यमुना छठ के दिन सुबह के समय यमुना में डुबकी लगाकर व्रत का संकल्प लें।

इस दिन श्रीकृष्ण की विधि-विधान पूर्वक पूजा करें।

संध्या की पूजा करते समय यमुना अष्टक का पाठ करें।

मां की आरती और कथा का पाठ करें और भोग लगाएं।

अपने सामर्थ्यनुसार यमुना छठ पर दान-पुण्य करें।

संजय लीला भंसाली की हीरामंडी को मिली रिलीज तारीख

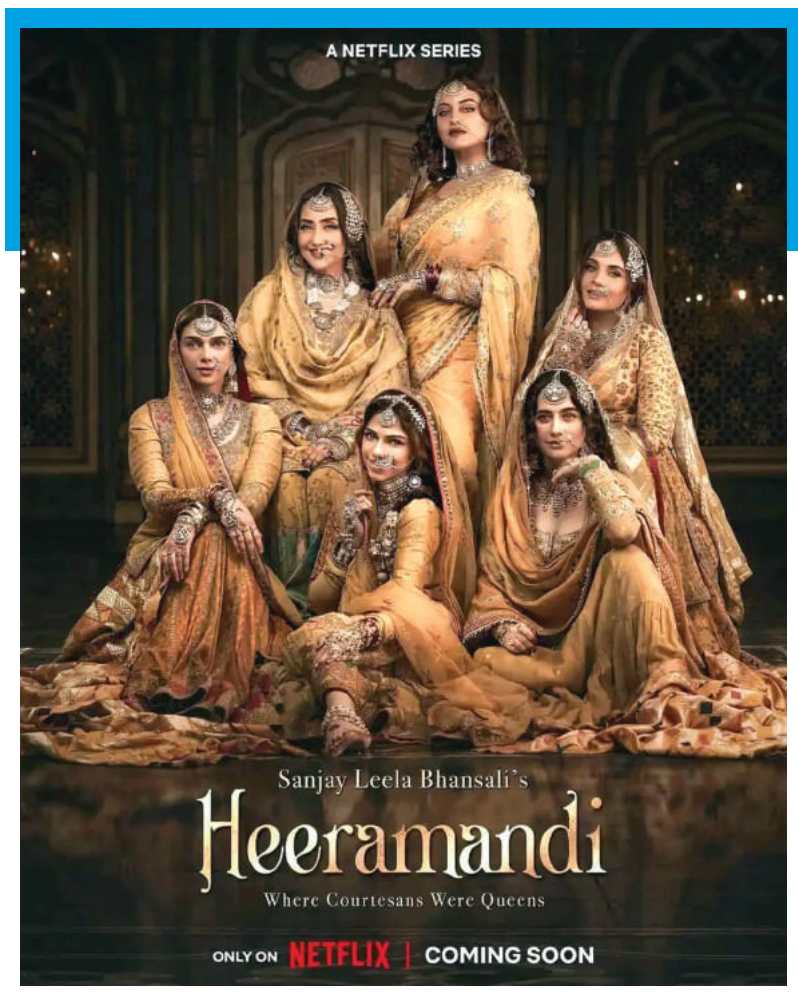

1 मई नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी वेब सीरीज

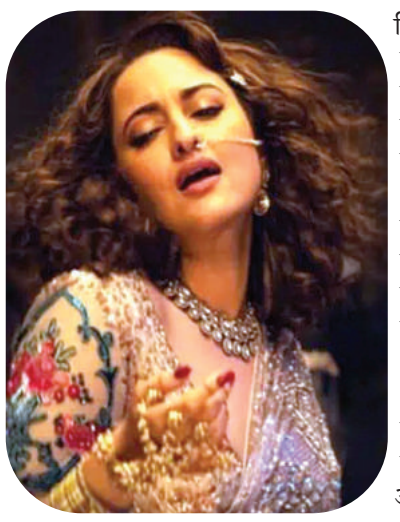

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक संजय लीला भंसाली वेब सीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। यह सीरीज पिछले लंबे समय से चर्चा में है।हीरामंडी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने को तैयार है। अब निर्माताओं ने सीरीज की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।हाल ही में एक कार्यक्रम ने निर्माताओं ने खुलासा किया कि हीरामंडी का प्रीमियर 1 मई, 2024 से होगा।हीरामंडी मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों से सजी है।इस सीरीज की कहानी संजय ने मिताक्षरा कुमार, विभु पुरी, स्नेहिल दीक्षित मेहरा, मोईन बेग और दिव्य निधि शर्मा के साथ मिलकर लिखी है।हीरामंडी प्यार, ताकत और आजादी की जंग के बीच जूझने वाली हीरामंडी की तवायफों की कहानी है।इससे पहले भंसाली देवदास और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्मों के जरिए तवायफों के जीवन को दिखा चुके हैं।हीरामंडी के अलावा भंसाली मौजूदा वक्त में अपनी आगामी फिल्म लव एंड वॉर को लेकर चर्चा में हैं।इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की जोड़ी नजर आएगी। विक्की कौशल भी इस फिल्म का अहम हिस्सा होंगे।यह फिल्म अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। भंसाली की यह फिल्म युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिलचस्प प्रेम कहानी होगी।इस साल नवंबर से भंसाली इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

90 में टॉप एक्टर हुआ करते थे गोविंदा

दर्जनभर से भी ज्यादा मूवीज ने नहीं देखा सिनेमाघरों का चेहरा

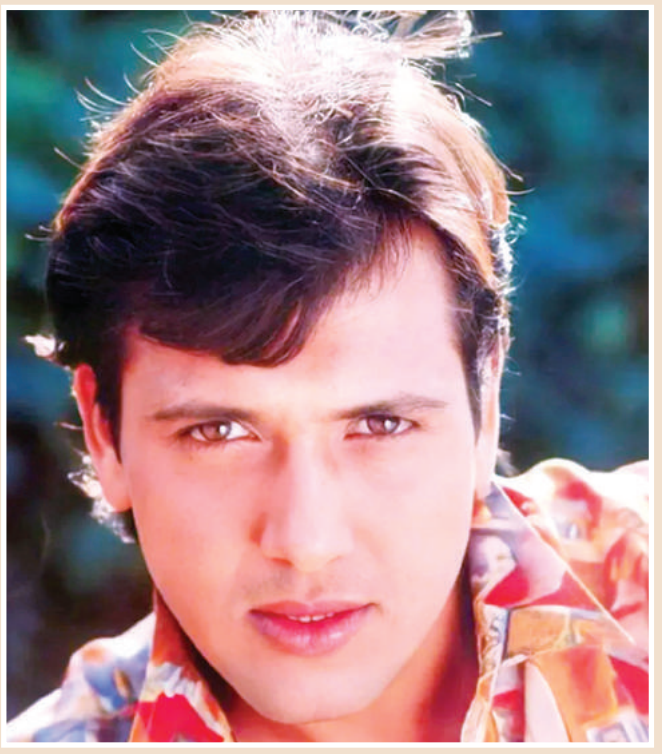

80 के दशक में अपनी कॉमिक टाइमिंग, जबरदस्त डांस और शानदार एक्टिंग के दम पर फैंस के दिलों पर राज करने वाले गोविंदा ने अपने दौर में ढेर सारी हिट फिल्में दी हैं। गोविंदा ने अपने दम पर शोहरत हासिल की और एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने दौर की लगभग हर बड़ी हीरोइन के साथ काम किया और उनकी फिल्में आज भी खूब चाव से देखी जाती हैं। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि गोविंदा की कुछ ऐसी भी फिल्में रही हैं जो बनने के बावजूद बॉक्स ऑफिस तक का सफर तय नहीं कर पाईं। चलिए आज गोविंदा की उन फिल्मों के बारे में जानते हैं जो रिलीज ही नहीं हो पाईं।

गोविंदाकी ये फिल्में नहीं देख पाईं थिएटर का मुंह

1987 में गोविंदा और मिथुन चक्रवर्ती को लेकर मेहुल कुमार ने मूवी बनाई थी जो रिलीज नहीं हो पाई।

1986 में साउथ के निर्देशक प्रयाग राज ने गोविंदा को लेकर एक मूवी प्लान की थी जो रिलीज नहीं हो पाई।

1998 में मुकुल आनंद ने गोविंदा को लेकर ऑस्कर नाम की फिल्म बनाई। इस फिल्म की कहानी में हीरो बॉलीवुड से हॉलीवुड जाता है।लेकिन मुकुल आनंद की मौत होने की वजह से फिल्म बनने के बावजूद रिलीज नहीं हो पाई।

1990 में गोविंदा, जितेंद्र और जया प्रदा को लेकर फिल्म तांडव अनाउंस की गई थी। इसकी 13 रील की शूटिंग हो चुकी थी और इसके बाद फिल्म डिब्बे में बंद हो गई। इस फिल्म में गोविंदा का डबल रोल था।

1988 में गोविंदा के साथ विनोद खन्ना, डिंपल कपाड़िया, संजय दत्त, अनीता राज को लेकर फिल्म फैसला अनाउंस की गई। लेकिन बाद में इस फिल्म को रोक कर महासंग्राम नामक फिल्म की शूटिंग की गई।

1987 में गोविंदा और नीलम को लेकर फिल्म मेरे पास मां है, अनाउंस की गई। लेकिन ये फिल्म भी रिलीज नहीं हो पाई।

1992 में कुर्बानी की कीमत में भी गोविंदा को लिया गया था। ये फिल्म भी रिलीज नहीं हो पाई।

1988 में गोविंदा और ऋषि कपूर को लेकर भी एक अनाम फिल्म अनाउंस की गई थी जिसके डायरेक्टर कल्पतरु थे, लेकिन फिल्म बन नहीं पाई।

1995 में गोविंदा और राजेश खन्ना को लेकर एक फिल्म कागज घोषित की गई लेकिन फिल्म बन नहीं पाई।

1993 में महेश भट्ट ने गोविंदा को लेकर फिल्म गुजारिश अनाउंस की। इस फिल्म में गोविंदा के साथ सुनील शेट्टी, अजय देवगन और दिव्या भारती थे लेकिन फिल्म बन नहीं पाई।

2011 में गोविंदा को लेकर फिल्म शोमैन की घोषणा की गई, इस फिल्म में गोविंदा के साथ जिमी शेरगिल और रिमी सेन थे। इसके डायरेक्टर तिग्मांशु धूलिया थे लेकिन फिल्म रुक गई।

1986 में गोविंदा को लेकर फिल्म रामा ओ रामा अनाउंस हुई लेकिन गोविंदा के पास काफी प्रोजेक्ट थे और इसलिए वो इस फिल्म को डेट नहीं दे पाए। उनकी जगह आसिफ शेख को लिया गया।

1992 में रुखसार के साथ गोविंदा को लेकर फिल्म कोहिनूर अनाउंस हुई लेकिन ये फिल्म भी बॉक्स ऑफिस तक नहीं पहुंच पाई। 1988 में गोविंदा और चंकी पांडे को लेकर बारबर की टक्कर नामक फिल्म अनाउंस हुई लेकिन ये फिल्म बन नहीं पाई।

सलमान खान के शो बिग बॉस 18 में एंट्री लेंगी आशी सिंह?

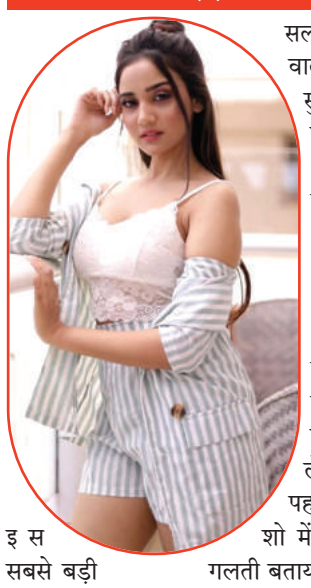

सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाला रियलिटी शो बिग बॉस 18 सुर्खियों में बना हुआ है। इस शो में जाने वाले कंटेस्टेंट के नाम भी लगातार सामने आ रहे हैं। मेकर्स लगातार सेलेब को अप्रोच कर रहे हैं। हाल ही खबर आई है कि मेकर्स ने टीवी एक्ट्रेस आशी सिंह को अप्रोच किया है। अब एक्ट्रेस ने इस अफवाह पर चुप्पी तोड़ी है।बिग बॉस 18 को फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे है। इस शो में आकर कई से-लेब्स ऐसे हैं जिन्हें खास पहचान मिली। वहीं कुछ स्टार्स ने इ स शो में आने के बाद अपने करियर की सबसे बड़ी गलती बताया था। अब रिपोर्ट्स के अनुसार सलमान खान के शो में मीत फेम आशी सिंह एंट्री ले सकती हैं। आशी टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं। अब एक्ट्रेस ने शो में जाने को चुप्पी तोड़ी है उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस शो में बहुत ही लड़ाई-झगड़ा है। मुझे नहीं पता कि मैं कभी बिग बॉस करुंगी क्योंकि मेरा नेचर बहुत ही शांत है। मैं कभी भी अपने घरवालों से दूर नहीं रही हूं और मुझे नहीं पता कि परिवार के बिना शो में मैं रह भी पाउंगी या नहीं।आशी ने एक और कारण भी बताया कि क्यों वह रियलिटी शो से दूर रहना ही बेहतर समझती हैं।

थम्मुडु के बाद नितिन की नई फिल्म रॉबिनहुड का किया ऐलान

हीरो नितिन अपनी अगली रिलीज में रॉबिनहुड के रूप में रोमांचित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसका निर्देशन वेंकी कुदुमुला कर रहे हैं, जिन्होंने पहले उन्हें ब्लॉकबस्टर भीष्म प्रदान की थी। मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस हास्यपूर्ण एक्शन एडवेंचर के टीजर में अभिनेता एक डाकू के रूप में दिखाई दिए। वेंकी कुदुमुला ने निथिन के चरित्र को अपनी तरह के पहले तरीके से दिखाया।नितिन के 41वें जन्मदिन के खास मौके पर रॉबिनहुड के निर्माता एक नया पोस्टर लेकर आए हैं। फिल्म में ट्रेंडी लुक में नजर आने वाले नितिन ने बर्थडे स्पेशल पोस्टर में अपना बेजोड़ स्वैग और स्टाइल दिखाया है। ब्लूटूथ डिवाइस पर बात करते हुए और शानदार ढंग से चलते हुए, नितिन को अपनी पैंट में हथियार डाले हुए देखा जाता है। वह एक एजेंट की तरह दिखता है और टी-शर्ट पर नाम लिखा है: एजेंट आरएच (रॉबिनहुड)। ब्लैक शेड्स और घड़ी पहने नितिन पोस्टर में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। नितिन के प्रशंसकों के लिए यह एक सुखद आश्चर्य है।नवीन यरनेनी और वाई रविशंकर फिल्म के निर्माता हैं जिसमें विभिन्न शिल्पों का ध्यान रखने वाले शीर्ष तकनीशियन होंगे। फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता जीवी प्रकाश कुमार का संगीत है, जिन्होंने झलक के लिए आकर्षक स्कोर प्रदान किया है। साई श्रीराम सिनेमैटोग्राफी संभालते हैं, जबकि प्रवीण पुडी संपादक हैं और राम कुमार कला निर्देशक हैं। फिल्म में नाता किरीटी राजेंद्र प्रसाद और वेनेला किशोर अहम भूमिका निभा रहे हैं।

दिशा पाटनी का स्टायलिश आउटफिट में दिखा किलर लुक

अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस के लिए मशहूर एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। दिशा पाटनी ने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें की हैं, जो सोशल मीडिया का तापमान बढ़ाने के लिए काफी हैं। दिशा पाटनी ने पिंक कलर का सेक्सी आउटफिट पहना है। ग्लोइंग मेकअप के साथ बालों को खास अंदाज में संवारा है। मैचिंग ईयररिंग्स उनपर काफी जच रहे हैं और कैसरे के सामने सेक्सी पोज दे रही हैं। देखते ही फैंस दीवाने हो गए हैं और एक्ट्रेस की हॉटनेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरों मे दिशा पाटनी बेहद हॉट लग रही हैं। फैंस सोशल मीडिया पर कमेंट सेक्शन में उनके इस कातिलाना लुक की तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। पर एक यूजर ने लिखा- दिशा आपका लुक कमाल है। वहीं दूसरे यूजर ने एक्ट्रेस से पूछा उनकी नई फिल्म कब आने वाली है। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर मात्र कुछ घंटों में लाखों लाइक्ट और कमेंट्स की बौछार हो चुकी है। हाल ही में एक्ट्रेस की फिल्म योद्धा पर्दे पर रिलीज हुई थी। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा अच्छी कमाई नहीं कर पाई थी।

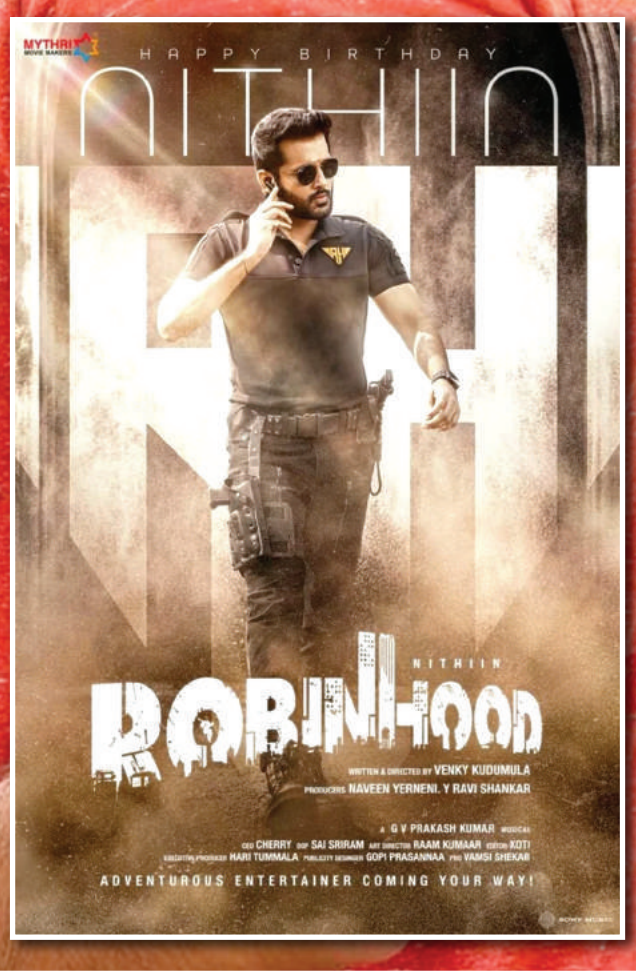

करोड़ों की फिल्म दे चुकी एक्ट्रेस 15 रुपए की साड़ी में आई नजर

'द केरल स्टोरी' एक्ट्रेस अदा शर्मा ने अपने स्टाइल और फैशन स्टेटमेंट से सभी को चौंका दिया। एक तरफ जहां फिल्म स्टार्स महंगे-महंगे कपड़ों और एक्सेसरीज के लिए चर्चा में हैं तो वहीं अदा शर्मा ने इस लाइन से हटकर कुछ किया। यकीन मानिए कि अदा की साड़ी की कीमत सुनकर तो आपका दिमाग भी चकरा जाएगा कि आखिर अदा ने ये साड़ी खरीदी कहां से? चलिए बता देते हैं। अदा मुंबई में बाहर निकलीं और पैपराजी की नजर तो वो उनके लुक की तारीफ किए बिना नहीं रह पाए। पैपराजी तारीफ करने लगे तो अदा ने बताया कि उनकी साड़ी महज 15 रुपये की थी।

अदा ने जैसे ही बताया कि उनकी साड़ी 15 रुपये की है तो पैपराजी भी हैरान रह गए। उन्होंने फिर पूछा कि में क्या साड़ी की कीमत इतनी कम है। इस पर अदा ने बताया कि ये साड़ी उन्होंने काफी समय पहले खरीदी थी। इसलिए उन्हें ये बहुत सस्ती पड़ी। खैर अदा की साड़ी की कीमत ने तो सोशल मीडिया यूजर्स को भी हैरान कर दिया। अदा की साड़ी की कीमत सोशल मीडिया यूजर्स को हैरान कर दिया। एक यूजर ने लिखा, ये कौनसा मीशो चलाती हैं भई। एक ने लिखा, पहले जमाना कुछ और था आज कुछ और। एक बोला, अरे सरोजनी नगर गई होंगी। एक यूजर ने इसे अदा की नानी की साड़ी बताया। उन्होंने लिखा, अदा की का ड्रेसिंग सेंस अच्छा था। हो सकता है कि ये अदा की नानी की ही साड़ी हो। इसे लेकर कोई कन्फर्मेशन नहीं है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप को धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं। नाती–पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आने वाले समय में दफ़्तर में आपका आज का काम कई तरीक़े से असर दिखाएगा। अपनी कमियों पर आपको काम करने की जरुरत है इसके लिए आपको अपने लिए समय निकालना चाहिए। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अपने साथी के साथ बाहर जाते वक़्त ठीक तरह से व्यवहार करें। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कुछ समय अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। वक्त से बढ़कर कुछ नहीं होता। इसलिए आप वक्त का सदुपयोग करते हैं लेकिन कई बार आपको जीवन को लचीला बनाने की जरुरत भी होती है और अपने घर परिवार के साथ समय बिताने की जरुरत होती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे।
आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। टीवी, मोबाईल का इस्तेमाल गलत नहीं है लेकिन आवश्यकता से अधिक इनका उपयोग आपके जरुरी समय को खराब कर सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत बढ़िया रहेगी। दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। प्यार–मोहब्बत की नज़रिए से बेहतरीन दिन है। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा–शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज आपका जीवनसाथी आपको प्यार और सुख के लोक की सैर करा सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख–कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या विचार लग जाए । इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जीवनसाथी की खराब तबीयत के कारण आज आपका धन खर्च हो सकता है लेकिन आपको इसको लेकर चिंता करने की जरुरत नहीं है क्योंकि धन इसीलिये बचाया जाता है कि बुरे समय में वो आपके काम आ सके। किसी ऐसे नए उद्योग से जुड़ने से बचें जिसमें कई भगीदार हों– और अगर ज़रूर पड़े तो उन लोगों की राय लेने से न कतराएँ, जो आपके क़रीबी है। आपके हँसने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। जीवनसाथी के रिश्तेदारों का दख़ल वैवाहिक जीवन का सन्तुल बिगाड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। करिअर के नज़रिए से शुरू किया सफ़र कारगर रहेगा। लेकिन ऐसा करने से पहले अपने माता–पिता से इजाज़ता ज़रूर ले लें, नहीं तो बाद में वे आपत्ति कर सकते हैं। चंद्रमा की स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आज आपके पास काफी खाली वक्त होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप वो काम नहीं कर पाएंगे जो आपको करना था।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएँ। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम का वक्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आपके जीवनसाथी की सेहत कर चलते किसी से मिलने की योजना रद्द हो जाए तो चिंता न करें, आप साथ में अधिक समय व्यतीत कर सकेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। वैवाहिक जीवन के दृष्टिकोण से देखें तो चीज़ें आपके पक्ष में जाती हुई नज़र आ रही हैं ।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 05 अप्रैल 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 01:31 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा सायं 06:07 तक
योग : साध्य प्रातः 09:54 तक
करण : बालव दोपहर 01:31 तक
चन्द्रराशि : मकर प्रातः 07:13 तक
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:13 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पापमोचनी एकादशी व्रत, पंचक आरंभ प्रातः 07:13 से, खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ भाजपा में शामिल

मैं सनातन विरोधी नारे नहीं लगा सकता

उदयपुर,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और थोड़ी देर बाद ही भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज जिस प्रकार से दिशाहीन होकर आगे बढ़ रही है, उसमें मैं खुद को सहज महसूस नहीं कर पा रहा। मैं न तो सनातन विरोधी नारे लगा सकता हूं और न ही सुबह–शाम देश के वेल्थ क्रिएटर्स को गाली दे सकता। इसलिए मैं कांग्रेस पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में वल्लभ ने लिखा, नमस्कार! भावुक हूं। मन व्यथित है। काफी कुछ कहना चाहता हूं। लिखना चाहता हूं। बताना चाहता हूं, लेकिन मेरे संस्कार ऐसा कुछ भी कहने से मना करते हैं, जिससे दूसरों को कष्ट पहुंचे। फिर भी मैं आज

अपनी बातों को आपके समक्ष रख रहा हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि सच को छिपाना भी अपराध है और मैं अपराध का भागी नहीं बनना चाहता।

गौरव वल्लभ ने लिखा, महोदय, मैं वित्त का प्रोफेसर हूं। कांग्रेस पार्टी की सदस्यता हासिल करने के बाद पार्टी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया। कई मुद्दों पर पार्टी का पक्ष दमदार तरीके से देश की महान जनता के समक्ष रखा, लेकिन पिछले कुछ दिनों से पार्टी के स्टैंड से असहज महसूस कर रहा हूं। जब मैंने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन किया तब मेरा मानना था कि कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है, जहां पर युवा, बौद्धिक लोगों की, उनके आइडिया की कद्र होती है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मुझे यह महसूस हुआ कि पार्टी का मौजूदा स्वरूप नए आइडिया वाले युवाओं के साथ खुद को एडजस्ट नहीं कर पाता। पार्टी का ग्राउंड लेवल कनेक्ट पूरी तरह से टूट चुका है, जो नए भारत की आकांक्षा को बिल्कुल भी नहीं समझ पा रही है। जिसके कारण न तो पार्टी सत्ता में आ पा रही और न ही मजबूत विपक्ष की भूमिका ही निभा पा रही हैं। इससे मेरे जैसा कार्यकर्ता हतोत्साहित होता है।

राहुल के कारण कांग्रेस नेताओं का हो रहा मोहभंग

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ के पार्टी छोड़ने के बाद भाजपा ने राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया है। भाजपा का मानना है कि राहुल गांधी अपने विचारों को समझाने में असफल हो रहे हैं, जिस वजह से कांग्रेस नेताओं का पार्टी से मोहभंग हो रहा है। गौरव वल्लभ ने पार्टी छोड़ने से पहले कहा कि वह सनातन धर्म के खिलाफ नारेबाजी के लिए तैयार नहीं थे।

गौरव वल्लभ के इस्तीफे के बाद भाजपा कार्यालय में पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि वल्लभ की यह सोच मूल रूप से कांग्रेस नेता एके एंटनी की चिंता थी। 2014 में कांग्रेस की हार के बाद एंटनी ने एक ही धर्म के पक्ष में झुकाव को लेकर कांग्रेस को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी ने 2014 में कांग्रेस की हार के बाद एक समिति की अध्यक्षता की थी। उन्होंने इस दौरान निष्कर्ष निकाला था कि कांग्रेस की हार का कारण एक ही धर्म के पक्ष में अधिक झुकाव था।

मार्बल व्यवसायी से 10 लाख हड़पने का मामला

तीन आरोपी अहमदाबाद, पालनपुर और गुजरात से गिरफ्तार

सिरोही,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

सिरोही में आबूरोड रीको पुलिस द्वारा करीब एक पखवाड़े पूर्व आंगड़िया कारोबारी बनकर शहर में एक मार्बल व्यवसायी के साथ धोखाधड़ी करने और 10 लाख रुपये हड़पने वाली गैंग का पर्दाफाश किया गया है। मामले में तीन आरोपियों को अहमदाबाद, पालनपुर और गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से हड़पी गई राशि एवं अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ जारी है।

पुलिस के अनुसार, इस मामले में गत 20 मार्च 2024 को रीको कॉलोनी, आबूरोड निवासी धीरज यादव द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई कि एक अज्ञात व्यक्ति आंगड़िया कारोबारी बनकर व्यापार के रुपये आगे व्यापारी के पास पहुंचाने के संबंध में पिछले चार महीनों से उसे कॉल कर रहा था। लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता के मद्देनजर पुलिस की चेकिंग अधिक होने के कारण कैस पहुंचाने में समस्या हो रही थी। उसने आंगड़िया कारोबारी बनकर कॉल करने वाले व्यक्ति से संपर्क किया तो उसने 19 मार्च 2024 को उसके ऑफिस पर एक व्यक्ति को भेजा, जिसको उसने जयपुर में उसकी पार्टी के पास 10 लाख रुपये पहुंचाने के लिए दिए थे। इसके कुछ समय बाद उसको कॉल किया तो मोबाइल आ रहा था। तब उसने जयपुर में उसकी पार्टी से संपर्क किया तो उसने रुपये नहीं पहुंचना बताया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कुमार बेनीवाल द्वारा त्वरित कार्रवाई करने के आदेश दिए। इस पर आबूरोड रीको पुलिस थानाधिकारी सीताराम की अगुवाई में गठित टीम द्वारा तकनीक सहायता व मुखबिर तंत्र से अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू की। आरोपियों को ट्रैस आऊट करने व उनकी गिरफ्तारी के लिए टीम ने गुजरात में पालनपुर, मेहसाणा व अहमदाबाद व अन्य कई स्थानों पर कई दिनों तक कैंप किया। इस दौरान वारदात को अंजाम देने वाली गैंग के आरोपियों को ट्रैस आउट किया गया।

युवक ने बीएससी छात्रा से किया दुष्कर्म

भरतपुर,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

भरतपुर के भुसावर थाना इलाके में एक युवक ने बीएससी स्टूडेंट के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने लड़की के सहेली का भाई बनकर पीड़ित से दोस्ती की और उसके साथ दुष्कर्म रहा। गुरुवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका मेडिकल करवा दिया है।

पीड़ित लड़की ने 23 मार्च को महिला थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाते हुए बताया था कि, सुनील (23) निवासी दयापुर थाना भुसावर ने उससे उसकी सहेली का भाई बनकर दोस्ती की।सुनील के फोन आने लगे, जिसके बाद सुनील ने अपने झांसे में ले लिया और कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया।

सुनील लड़की को बार–बार ब्लैकमैल करने लगा, जिसके बाद लड़की ने महिला थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार पुलिस ने आरोपी को उसके गांव से गिरफ्तार कर लिया, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी का आरबीएम अस्पताल में मेडिकल करवाया।

ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर नदीम ने की हत्या

जोधपुर,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

जोधपुर शहर के चौपासनी बोर्ड थाना क्षेत्र के सेक्टर 11 में किराए के मकान में रहने वाली शोभा (45) की हत्या के मामले में गुरुवार को 24 घंटे में पुलिस ने पर्दाफाश कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शोभा की हत्या करने वाला बॉयफ्रेंड नदीम (45) ने ही की थी। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर उसने चुन्नी से गला घोंटकर शोभा को मार डाला। शोभा ने उससे भतीजी की शादी के लिए 30 हजार रुपये की डिमांड की थी। जोधपुर पश्चिम डीसीपी राजेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मर्डर के मामले का खुलासा किया।

जोधपुर पश्चिम डीसीपी राजेश यादव ने बताया, हाउसिंग थाने में शोभा लालवानी (45) की हत्या की रिपोर्ट उसके भाई पप्पू ने दी थी। इसमें बताया था कि चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना क्षेत्र के सेक्टर 11 में उसकी बहन शोभा किराए का मकान लेकर रहती थी। शोभा 15 साल से तलाकशुदा थी और पिछले तीन–चार साल से सेक्टर 11 में रह रही थी और रेडीमेड कपड़ों का काम करती थी। बुधवार सुबह जब शोभा को फोन किया तो फोन नहीं उठाया। दोपहर करीब डेढ़ बजे बहन के किराए के घर पर गया और घर के बाहर से आवाज लगाई। लेकिन कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा अंदर गया तो शोभा का शव बेड पर पड़ा मिला था, जिसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

पूछताछ में यह भी सामने आया कि शोभा पांच साल पहले मोती चौक में ही रहती थी। इसी दौरान दोनों का संपर्क हो गया था। धीरे–धीरे दोनों के बीच दोस्ती बढ़ गई और साथ में पार्टी करते थे। दो साल पहले दोनों के बीच यह दोस्ती अवैध संबंध में बदल गई। इसके बाद से ही शोभा नदीम से हर महीने 5 से 10 हजार रुपयों की डिमांड करती रहती थी। नहीं देने पर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने की धमकी देती थी, जिससे नदीम परेशान होकर उसने चुन्नी से गला घोंटकर शोभा को मार डाला।

टीचर ने स्टूडेंट को डंडे से पीटा

पैरों पर निशान बने, प्रिंसिपल बोले– होमवर्क नहीं किया था

झुंझुनू,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

छात्र के पिता मुरारीलाल स्वामी ने बताया कि उसका 12 वर्षीय पुत्र अभय स्वामी कस्बे के आदर्श विद्या मंदिर स्कूल में कक्षा 8 में अध्ययनरत है। शिक्षक प्रमोद प्रजापत ने प्रश्न का उत्तर नहीं बताने पर डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी।

टीचर ने बच्चे के परिवार से मांगी माफी

इसके बाद अभय घर पहुंचा, लेकिन उसने डर के मारे किसी को इस बारे में नहीं बताया। लेकिन थोड़ी देर बाद जब दर्द असहनीय हुआ तो रोने लगा। तब उसकी मम्मी व पिता ने उससे पूछा तो उसने सारी बात बता दी।

छात्र के पैरों पर डंडे से चोट के निशान बन गए। पुलिस ने रिपोर्ट लेकर छात्र का मेडिकल करवाया है। इधर, स्कूल के प्रिंसिपल मुकेश कुमार का कहना है कि बच्चे को होमवर्क था। वह करके नहीं लाया, इसलिए टीचर ने डंडे से पीट दिया। टीचर ने बच्चे के परिवार से माफी मांग ली है।

इंदौर में मिली कोटा से लापता हुई शिवपुरी की छात्रा

रची थी खुद के अपहरण की चौंकाने वाली कहानी

कोटा,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

कोटा में लगभग एक महीने पहले हुए कोचिंग छात्रा के अपहरण मामले में कोटा पुलिस अपहृत छात्रा और उसके दोस्त इंदौर से दस्तयाब करके कोटा लेकर आई है। अपहरण का पूरा मामला फर्जी था। छात्रा ने खुद ही अपने घर वालों को अपहरण की झूठी कहानी गढ़ी और 30 लाख की फिरौती मांगी थी।

पूरे मामले का खुलासा करते हुए कोटा सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि (शिवपुरी) जिले की निवासी छात्रा काव्या धाकड़ कोटा में कोचिंग करने के लिए अपनी मां के साथ आई थी। काव्या के माता–पिता उसे डॉक्टर बनाना चाहते थे। लेकिन काव्या पढ़ाई में इतनी इंटेलिजेंट नहीं थी। कोटा आने के बाद छात्रा ने कोटा में पढ़ाई नहीं की और अपने पुराने के पास इंदौर चली गई।

दोस्त के साथ दोनों ने मिलकर विदेश से एमबीबीएस करने का प्लान बनाया। इसके लिए छात्रा काव्या धाकड़ के दोस्त ने काव्या के घरवालों को हाथ पैर और मुंह बांधे हुए फोटो सेंड किए और दोस्त ने 30 लाख की फिरौती की मांग की। बाद छात्रा और उसका दोस्त कोटा जयपुर चंडीगढ़ और इंदौर में फरारी काटते रहे। पुलिस काव्या धाकड़ और उसके दोस्त के एक साथी को गिरफ्तार कर चुकी थी और लगातार ट्रैस करते हुए इंदौर पुलिस की मदद से छात्रा काव्या धाकड़ और उसके दोस्त को गिरफ्तार करके कोटा लाया है। एसपी अमृता दूहन ने सभी युवाओं से अपील की है कि वह अपने माता–पिता का कहना माने, कोई परेशानी हो तो उनके साथ साझा करें और मेहनत से जी नहीं चुराए। इस घटना से कोटा का नाम तो जुड़ा है, लेकिन इस घटना से कोटा का कहीं कोई नहीं है।

जन्म देने के दस दिन बाद बेटे की गला रेतकर हत्या

यमुनानगर,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

हरियाणा के यमुनानगर के नगर थाना क्षेत्र की शिवपुरी बी कॉलोनी में नवजात बच्चे की हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। नवजात बच्चे की गला रेत कर हत्या कर दी गई। बच्चा कपड़े की गठड़ी में बंधा हुआ मिला। नवजात के पिता ने उसे जन्म देने वाली मां पर हत्या करने का आरोप लगाया है।

वहीं, बच्चे की मां ने अपने पति पर आरोप जड़े हैं। पुलिस कार्रवाई के डर से परिजनों ने आनन फानन बच्चे को दफना दिया। घटना दो अप्रैल की है। गुरुवार को मृतक बच्चे के पिता ने पुलिस को शिकायत दी।

जिसके बाद मामला पुलिस ने बच्चे के पिता की शिकायत पर उसकी मां के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। शुक्रवार को मजिस्ट्रेट के सामने बच्चे को शव को निकालकर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। शिवपुरी बी कॉलोनी निवासी सुमित कुमार ने गांधी नगर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पांच साल पहले अंबाला के आधोई गांव निवासी कोमल के साथ शादी हुई थी। इस शादी से उनके पास दो वर्ष का बेटा है। पत्नी दूसरी बार गर्भवती हुई। दो मार्च को उसकी पत्नी कोमल ने सिविल अस्पताल में बेटे को जन्म दिया था। उसके बेटे का जन्म आठवें में ही हो गया था। जिसके चलते डॉक्टरों की निगरानी में 22 मार्च तक उसके नवजात बच्चे को सिविल अस्पताल में रखा गया। 24 मार्च को सिविल अस्पताल से उसे छुट्टी मिल गई थी। इसके बाद वह अपनी पत्नी व नवजात बच्चे को अस्पताल से घर लेकर आ गया वे तीनों एक ही कमरे में सोते हैं।

दो अप्रैल की सुबह जब वह उठा तो उसकी पत्नी उसके पास लेटी हुई थी, लेकिन बच्चा लापता था। जब उन्होंने उसकी तलाश की वह पुराने कपड़ों की गठड़ी में मृत हालत में बंधा हुआ मिला। बच्चे की नाक, मुंह व में रूई ठूंसी हुई थी। उसके गले पर काटने के निशान थे। इसके बाद वह और उसके परिवार सदस्य उसे ससौली स्थित श्मशान घाट में दबाकर आ गए थे। अब उसे पता चला है कि उसके नवजात बच्चे की हत्या उसकी पत्नी कोमल ने की है। गांधी नगर थाना ने सुमित की शिकायत पर उसके नवजात बेटे की हत्या के आरोप में पत्नी कोमल पर हत्या व शव को खुर्द बुर्द करने के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुमित का आरोप है दो अप्रैल की रात को उसकी पत्नी कोमल ने ही उसके नवजात बेटे को गला रेतकर मारा। सुबह होने पर उसने बच्चे के गुम होने का झूठा शोर मचा दिया। जब तलाश की तो बच्चे का शव कपड़ों में लिपटा मिला। बच्चे की नाक, मुंह व कान में रूई हुई थी। वहीं पत्नी का आरोप है कि उसका पति सुमित नशे का आदी है। वह अक्सर उसके साथ मारपीट करता है। दो अप्रैल की रात को वह कमरे में सोई थी। रात करीब तीन बजे उसने अपने बेटे को दूध पिलाया। इसके बाद उसे बेड पर लिटा दिया। जब आंख खुली बेड पर उसका बच्चा नहीं था। उन्होंने उसकी तलाश की। इधर उधर देखा तो बच्चे का शव कपड़ों की गठड़ी में लिपटा हुआ मिला।

सीएम फ्लाइंग ने खांडा खेड़ी की सीएचसी में मारा छापा

35 कर्मचारी में से 2 गैर हाजिर मिले

बास,04 अप्रैल (एजेंसियां)।

सरकारी अस्पताल हो या सरकारी स्कूल व अन्य दफ्तर कर्मचारियों का समय पर नहीं पहुंचना आम बात हो गई है। मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम ने गांव खांडा खेड़ी की सीएचसी में वीरवार की सुबह करीब 10 बजे सीएम फ्लाइंग की टीम ने रेड मारी। मौके पर 10 कर्मचारी गैर हजिर मिले। खांडा खेड़ी सीएचसी में 24 पक्के और 35 कर्मचारी कौशल रोजगार निगम के तहत लगे हुए हैं।

खांडा खेड़ी सीएचसी की बार–बार कर्मचारियों के समय पर न पहुंचने की शिकायतें मिल रही थी। जिसके बाद वीरवार को मुख्यमंत्री उड़न दस्ते की एक टीम का गठन किया गया। टीम में सीएम फ्लाइंग हिसार के सब इंस्पेक्टर व एएसआई राकेश कुमार व कृषि विभाग हांसी के एसडीओ शमशेर ढुल की सयुक्त टीम तैयार की गई। टीम सुबह करीब सवा 9 बजे खांडा खेड़ी सीएचसी में पहुंची। टीम ने निरीक्षण किया और हाजिरी रजिस्टर चेक किया तो खांडा खेड़ी सीएचसी में कुल 24 कर्मचारी व अधिकारी नियुक्त गए।

जिसमें से एसएमओ डॉ नवदीप जैन, मेडिकल ऑफिसर डॉ अंकित सिहाग, दंत चिकित्सक डॉ मिनाक्षी, सुदेश पुनियां, नर्सिंग आफिसर सपना, एएनएम पिन्की, अस्सिटेंट अकाउंटेंट दिनेश कुमार, व टिन्कू सहित 8 कर्मचारी गैर हाजिर पाए गए व स्कीम के तहत 5 कर्मचारी तैनात पाये गये जिनमें से 4 एक आकस्मिक अवकाश पर पाया गया।

उसके कौशल रोजगार निगम के रजिस्टर का निरीक्षण किया गया तो रजिस्टर के मुताबिक कौशल रोजगार निगम की सिक्योरिटी गार्ड सुमित्रा व प्लंबर कृष्ण भी गैर हाजिर पाए गए। मोनू वार्ड सर्वेन्ट पीएचसी पुठठी व शमशेर स्वीपर पीएचसी बास में अस्थाई तौर पर पर दर्शाए गए मिले हैं। उसके बाद सक्षम अधिकारी व मुख्यमन्त्री उड़नदस्ते के कर्मचारियों द्वारा सीएचसी खांडा खेड़ी की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया जो सफाई व्यवस्था अच्छी पाई गई व सभी कर्मचारी ड्रेस कोड में पाए गए। खाडा खेडी सीएचसी की बायोमैट्रिक हाजरी व मैनुवल हाजरी रजिस्टर मिलान किया गया तो मिलान सही नहीं पाया गया। टीम द्वारा मामले की रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पीएम मोदी की सभा में सीएम नीतीश का आह्वान

अब बिहार में दंगे नहीं होते इसलिए भटकना नहीं है

पटना (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज लोकसभा चुनाव 2024 का आगाज करने जमुई पहुंचे। इस मौके पर वहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और चिराग पासवान के साथ साथ कई बड़े बड़े चेहरे भी वहां मौजूद थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल पर जमकर हमला किये। उन्होंने राजद सरकार के जमाने को भी याद कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि उस समय कितने दंगे होते थे, याद कीजिए। उन्होंने 2005 के पहले के बिहार की याद दिलाई और आह्वान किया कि 2024 के चुनाव में एनडीए को हर सीट पर जिताएं।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर को

आपने भारत रत्न दे दिया। इसके लिए हमलोग लगातार मांग कर रहे थे। मैं आपका स्वागत करता हूं। 2005 से पहले शाम में कोई घर से बाहर नहीं निकल पाता था। आज वह लोग बहुत बातें कर रहे हैं। 15 साल तक उनलोगों को मौका मिला लेकिन क्या किया। 2005 के बाद हमलोग आए तो शाम और रात में लड़का और लड़की घर से बाहर निकालते हैं। तेजस्वी पर निशाना साधते हुए कहा कि हमलोगों के काम को अपना काम बता रहा है। हम कुछ दिन के लिए साथ क्या गए सारे काम को अपना बताने लगा। अब हम हमेशा के लिए इधर (एनडीए) आ गए हैं। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हमलोगों ने कितना काम किया। 2005 से पहले हिन्दू-मुस्लिम का झगड़ा होता था। मुस्लिम समुदाय से अपील है कि भूलियेगा मत। हमलोग झगड़ा नहीं होने देंगे। फिर उनलोगों को वोट दीजिएगा तो झगड़ा शुरू करवा देगा। विपक्ष के झांसे में नहीं आना है। नीतीश कुमार ने सात निश्चय समेत कई योजनाओं का जिक्र कर बिहार सरकार की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि पहले भी आठ लाख नौकरी दिए थे। अब 10 लाख रोजगार देने के वादे पर काम कर रहे हैं।

पूर्णिया से नामांकन कर पप्पू यादव ने की अजीब मांग

हमारा लक्ष्य है कोसी और सीमांचल की आजादी

पूर्णिया (एजेंसियां)।

आजादी... आजादी...! यह नारा एक समय जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय में खूब चर्चित रहा था। अब कांग्रेस नेता और पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय नामांकन दाखिल करने वाले राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने कुछ ऐसी ही बात कह दी है। उन्होंने नामांकन दाखिल करने के बाद कहा कि उनका लक्ष्य कोसी और सीमांचल की आजादी है। उन्होंने इस 'आजादी' पर आगे बात नहीं की और कहा कि वह कांग्रेस को आगे बढ़ाना चाहते हैं। कांग्रेस के साथ हैं। पप्पू यादव का नामांकन और यह बयान उस दिन हुआ है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में थे और एक दिन पहले इसी सीट पर महागठबंधन की ओर से राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी बीमा भारती के नामांकन के बाद तेजस्वी यादव ने जनसभा कर कहा था कि राजद उम्मीदवार के खिलाफ

नामांकन करने वाला हरेक व्यक्ति भाजपा के साथ है।

पप्पू यादव ने कहा कि मुझे कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है। मैंने अपनी पार्टी को विलय कर लिया था इसलिए निर्दलीय चुनाव लड़ना पड़ रहा है। जब मेरी भावना कांग्रेस में समर्पित है और मुझे कांग्रेस परिवार से अलग करने की कोशिश की गई। पप्पू यादव ने स्पष्ट कहा कि मरने दम तक मुझे कोई कांग्रेस परिवार से अलग नहीं कर सकता।

पप्पू यादव के कहा कि पूर्णिया से गरीबी मिटाना, हर परिवार के बच्चों की खुश रखने का मेरा संकल्प है। हर परिवार के लिए जीने और कोसी-सीमांचल को बिहार में नंबर बनाने का मेरा लक्ष्य है। हर तरह के भ्रष्टचार को मिटाना मेरा लक्ष्य है। पप्पू यादव ने कहा कि मुझे जनता का आशीर्वाद मिल चुका है। बिना नाम लिए लालू-तेजस्वी पर हमला बोलते हुए पप्पू यादव ने कहा कि जिस किसी ने मेरे पॉलिटिकल डेथ की कोशिश की। और जिसने परिवार के पीछे नफरत दिखाया। मुझे समझ नहीं आया कि यह कैसी नफरत थी? कांग्रेस के उम्मीदवार के जिताने के लिए मेरे उम्मीदवार हर परिस्थिति काम करेंगे। पूर्णिया बिहार में जातीय उन्माद और नफरत को खत्म करेगा। चार जून के बाद पूर्णिया को दुनिया के मानचित्र पर लाना मेरा संकल्प होगा।

बिजली के भारी-भरकम बिल देख उपभोक्ता परेशान

विभाग ने थाने में दर्ज कराई शिकायत

भोजपुर (एजेंसियां)।

भोजपुर जिले के कायमनगर मोहल्ले में रहने वाले लोग बिजली बिल से काफी परेशान हैं। ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं को हजारों का बिल थमा दिए गए हैं। इतना ही नहीं बिजली बिल समय पर अदा नहीं करने पर उन उपभोक्ताओं पर स्थानीय थाने में केस भी दर्ज कर दिए जा रहे हैं। बिजली विभाग की इस कार्रवाई से परेशान उपभोक्ताओं ने बिजलीकर्मी को आरोपी ठहराया है। बिजलीकर्मी पर मीटर की जांच करने के बाद बिल न देने की बात कहते हुए ऊपर से रुपयों की वसूली करने का भी आरोप है।कायमनगर की रहने वाली वृद्ध महिला राम देवी ने बताया कि दो महीने का बिजली बिल 16 हजार रुपये का आया है। उन्होंने बताया कि बिजली बिल ऑनलाइन भी जमा किए और बिजलीकर्मी को भी पैसा दिए हैं। उसके बाद भी इतना बिजली बिल आया है। घर में केवल दो बल्ब हैं। न मोटर है न पंखा न फ्रिज। उसके बाद भी दो महीने में 16 हजार का बिजली बिल आया है।

एक और उपभोक्ता राजकिशोर राम ने बताया कि चार पांच महीने का बिजली बिल 71 हजार रुपये का आया है। बिजली विभाग आने के बाद अधीक्षण अभियंता से बात हुई है। उन्होंने बिजली बिल को दोबारा जांच कराने की बात कही है। वहीं बिजली विभाग की इस कारस्तानी का खामियाजा अब सीधे-साधे उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। विभाग के अधीक्षण अभियंता अविनाश कुमार ने इस गड़बड़ी की जानकारी मिलते ही तत्काल पूरे मामले की जांच किए जाने की बात कहते हुए पीड़ित उपभोक्ताओं को जल्द ही बिजली बिल ठीक करने का भरोसा दिलाया है।

बिहार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा के साथ

पटना (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव को लेकर दल बदल का दौर जारी है। दो दिन पहले ही भाजपा सांसद अजय निषाद ने कांग्रेस में शामिल होकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को झटका दिया था। वहीं आज कांग्रेस के वरीय नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा और राजद नेता रहे उपेंद्र प्रसाद ने इंडी गठबंधन को झटका दिया है। दोनों नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े ने दोनों नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

बता दें कि अनिल शर्मा ने 31

मार्च को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफ़ा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस की कार्यशैली को देखकर ऐसा लगता है कि इनके कथनी और करनी में बहुत अंतर है। उन्होंने कहा कि नाम का तो लोकतांत्रिक चुनाव हुआ, लेकिन सच्चाई में वह चुनाव नहीं हुआ। कम से कम सीताराम केसरी जी बिहार के थे, वह तो 92% वोट से जीते थे, लेकिन आंतरिक लोकतंत्र जिस पार्टी का खुद नहीं है, वह लोकतंत्र बचाने की लड़ाई करती है या लड़ाई लड़ती है। स्वाभाविक है इस बात को जनता समझेगी कि कांग्रेस की कथनी और करनी में कितना अंतर है।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा ने राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान वाली बात पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा नाम देकर कन्याकुमारी से यात्रा शुरू किये। इस यात्रा के दौरान एक नारा निकला मोहब्बत की दुकान। मैं समझता हूं कि अगर सचमुच में राहुल गांधी जी मोहब्बत की दुकान का असर देखना चाहते थे और उसे जनता को लाभान्वित करना चाहते हैं या चाहते थे तो राहुल गांधी जी को जम्मू कश्मीर, जहां आतंक की पराकाष्ठा है, जहां एक समुदाय सिर्फ और सिर्फ घृणा की राजनीति करता है नफरत की राजनीति करता है, ऐसी सोच रखता है, वहां जाकर राहुल गांधी जी को मोहब्बत की दुकान लगानी चाहिए थी।

हाईटेंशन तार की चिंगारी से दस घरों में लगी आग समय रहते लोगों ने बाहर निकलकर बचाई जान

गोपालगंज (एजेंसियां)।

नगर थाना क्षेत्र के बंजारी मोड़ के पास हाईटेंशन तार की निकली चिंगारी से सड़क किनारे बनी झोपड़ी में अचानक आग लग गई। अभी लोग कुछ समझ पाते तब तक देखते ही देखते करीब दस झोपड़ीनुमा घर जलकर राख हो गए। वहीं इस आग में पीड़ित परिवार बेघर हो गए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित लोगों में सफी आलम के बेटा नौसाद आलम, नौशाद आलम के बेटा इकबाल आलम, आजाद आलम के बेटा शमशाद आलम, ढोढा पटेल के बेटा आकाश पटेल, राजन शाह के

बेटा शमसेर आलम, आमिर मियां के बेटा मुस्तकिम अंसारी, समसुद्दीन कुरैशी के बेटा कुरवान कुरैशी, नौशाद आलम के बेटा अरबाज आलम समेत दस लोग शामिल हैं। इनका झोपड़ीनुमा घर इस आग में जलकर राख हो गया। घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया।

पीड़ितों ने बताया कि गुरुवार की सुबह हाईटेंशन तार से एक चिंगारी निकली और झोपड़ी पर गिर गई। इसी बीच धीरे-धीरे कपड़े और फूस में सुलगने लगे। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। पलभर में चीखपुकार मचने लगी। सभी लोगों घर से निकल कर किसी तरह अपनी जान बचाई। आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन आग और भी विकराल हो गई। इसके बाद फायर बिग्रेड को सूचना दी गई, लेकिन एक घंटा के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। तब तक स्थानीय लोगो के सहयोग से आग पर काबू पा लिया गया था। वहीं देर से फायर ब्रिगेड के आने पर पीड़ित और स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क उठा इसके बाद कर्मियों को वापस भेजने लगे और कर्मियों को अक्रोशित लोगो के विरोध का सामना करना पड़ा।

फिलहाल इस हादसे में दस झोपड़ीनुमा घर पूरी तरह से आग के आगोश में समा गई है। घर में रखा सारा समान भी गहना पैसा कपड़ा अनाज बर्तन जल गए। इस संदर्भ में पीड़ित नौशाद आलम ने बताया कि हम लोगों का कहीं कोई घर नहीं है। सड़क किनारे ही झोपड़ी बना कर रहते हैं। घर के ऊपर से ही बिजली के तार गुजर रहा है, जिससे चिंगारी निकली और झोपड़ी पर गिर गई। हादसे में दस घर में आग लग गई।

छुट्टी में घर आए आर्मी जवान की मौत

बिहार के मधेपुरा में स्कूटी से ससुराल जाते समय हुआ हादसा

पूर्णिया (एजेंसियां)।

मधेपुरा में एक आर्मी जवान की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक की पहचान पिपराही वार्ड-04 निवासी सूर्यनारायण यादव के बेटे अरुण कुमार (29 वर्ष) के रूप में हुई। घटना गम्हरिया थाना क्षेत्र के दुलार गांव की है। यह घटना उसके घर से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर रात करीब साढ़े 9 बजे हुई।

मृतक के पिता सूर्यनारायण यादव ने बताया कि अरुण 11 साल पहले आर्मी में भर्ती हुआ था। वह कश्मीर के बरमुला में तैनात था और छुट्टी पर घर आया था। बुधवार की रात वह स्कूटी से अपने ससुराल जीवछपुर जा

रहा था। घर से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे निकलने पर दुलार में वह दुर्घटना का शिकार हो गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही अरुण की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और परिजनों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और फिर शव को सदर अस्पताल लेकर पहुंची और पोस्ट मोर्टम करवाया।

मृतक के पिता सूर्यनारायण यादव ने बताया कि अरुण शादीशुदा था। वह दो बच्चों बेटा यश राज (6 वर्ष) और बेटी आस्था प्रिया (8 वर्ष) के पिता थे। फौजी अरुण की मौत की सूचना मिलने के बाद गांव में हर किसी की आंखें नम हो गई। मौत की खबर सुनकर पत्नी और मां सदमे में है। गांव का माहौल पूरी तरह गमगीन है। गम्हरिया थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि जिस वाहन से यह एक्सीडेंट हुआ है उसकी जांच करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

बिहार में शराब तस्करों से पुलिस की मुठभेड़

गोपालगंज में एसआई को लगी गोली, पटना रेफर

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज में यूपी के शराब माफियाओं ने बिहार पुलिस की टीम पर हमला किया है। फिर पुलिस ने भी कार्रवाई की जिसके कारण शराब माफियाओं को जान बचाकर भागनी पड़ी है। हालांकि पथराव में एक सब इंस्पेक्टर और एक चौकीदार जख्मी हो गए हैं। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया गया जहां जांच और एक्सरे में यह पता चला की सब इंस्पेक्टर सरोज कुमार के दाहिने हाथ में एक गोली लगी है। गंभीर रूप से जख्मी सब इंस्पेक्टर को पटना मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। घटना विशम्भरपुर थाना क्षेत्र के सलेहपुर गांव की है।

घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश के शराब माफिया शराब लेकर लोकसभा चुनाव में खपाने के लिए गोपालगंज की तरफ गंडक नदी के रास्ते प्रवेश कर रहे हैं।

सूचना मिलते ही विशंभरपुर थाने की पुलिस ने घेराबंदी कर शराब माफियाओं की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी। पुलिस से घिरा देख यूपी के कुशीनगर जिले के शराब माफियाओं ने ग्रामीणों का सहारा लेकर पुलिस टीम पर पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान गोपालगंज पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें सब इंस्पेक्टर सरोज कुमार के दाहिने हाथ में गोली लग गई। गंभीर रूप से जख्मी सब इंस्पेक्टर को पटना मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया।

घटना के संबंध में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया है कि गंडक नदी का दुर्गम इलाका है, इसलिए शराब माफिया यूपी की तरफ भाग निकले। उन्होंने कहा कि शराब माफियाओं की पहचान कर ली गई है।

यूपी के कुशीनगर जिला से यह तस्करी हो रही थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सदर एसडीपीओ प्रांजल के नेतृत्व में एसआईटी छापेमारी कर रही है। इस घटना के बाद पुलिस ने अर्धसैनिक बलों के साथ यूपी के सीमावर्ती और गंडक नदी के दुर्गम दियरा इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

दरधा नदी में नहाने गए दो नाबालिग डूबे, रातभर चला सर्च अभियान, सुबह बरामद हुए शव, परिजनों का हंगामा

पटना (एजेंसियां)।

पटना के कंसारी गांव में नहाने गए दो नाबालिग बच्चों की बुधवार को नदी में डूबने से मौत हो गई। गुरुवार की सुबह बच्चों का शव नदी से निकला गया। नदी से शव निकलते ही पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। स्थानीय प्रशासन शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाह रही थी। ग्रामीणों ने इसका जमकर विरोध शुरू कर दिया। लोगों के विरोध को देखते हुए मौके पर स्थानीय विधायक गोपाल रविदास पहुंचे। स्थानीय विधायक ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को मौके पर पहुंचने का निर्देश दिया। प्रखंड

विकास पदाधिकारी मौके पर पहुंचने और मृतक के परिजनों को मुआवजा स्वरूप 20 हजार का चेक दोनों परिवार को दिया। इसके बाद स्थानीय प्रशासन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार कंसारी गांव के रजनीश कुमार 5 वर्ष और सूरज कुमार 6 वर्ष दोनों रिश्ते में चचेरे भाई हैं। बुधवार की शाम कंसारी गांव के नजदीक दरधा नदी में नहाने गए थे। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों बच्चे नहाने के क्रम में गहरे पानी में चले गए। इस दौरान दोनों पानी से निकलने का काफी प्रयास किया, लेकिन वे दोनों असफल रहे और नदी में डूब गए। इसकी सूचना गांव में मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी जानकारी गौरीचक थाने को दी। बताया जा रहा है कि स्थानीय थाना के सहयोग से नदी में रात भर बच्चों के शव तलाशने का प्रयास किया गया। इस बीच गुरुवार की सुबह दरधा नदी से दोनों बच्चों का शव बरामद कर लिया गया है। इस मामले को लेकर गौरीचक के प्रभारी दारोगा मनोज कुमार ने बताया कि बुधवार को दो बच्चे के डूबने की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि गुरुवार की सुबह दोनों बच्चों का शव नदी से बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com